हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

20 जून, 2005

खण्ड 2, अंक 7

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 20 जून, 2005

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(1) 2
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(2) 2
नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(2) 52
अल्प सूचना प्रश्न एवं उत्तर	(2) 54
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव	(2) 56
(i) हरियाणा राज्य में 9 तथा 10 जून, 2005 की सायं को चक्रवात से हुई जनहानि तथा करोड़ों रुपये की सम्पत्ति के नुकसान सम्बन्धी	(2) 56
वक्तव्य	(2) 57
उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी राजस्व मंत्री द्वारा	(2) 57
(ii) फरीदाबाद तथा दिल्ली के विभिन्न उद्योगों द्वारा छोड़े गए तेजाब तथा निस्राव से युक्त गन्दे पानी सम्बन्धी	(2) 63

वक्तव्य

उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी राजस्व मंत्री द्वारा (2) 63

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव (2) 63

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव (2) 67

सदन की मेज पर रखे गए रखे गए कागज-पत्र (2) 67

विधान कार्य- (2) 68

दि हरियाणा स्टेट इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोरस (रिपील) बिल, 2005 (2) 68

वाक-आउट (2) 72

विधान कार्य— (2) 72

दि हरियाणा स्टेट इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोरस (रिपील) बिल, 2005 (पुनरारम्भ) (2) 72

वाक आउट (2) 72

विधान कार्य—

दि हरियाणा स्टेट इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोरस (रिपील) बिल, 2005 (पुनरारम्भ) (2) 72

दि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एडीशनल फंक्शन्ज) अमैंडमैंट बिल, 2005 (2) 82

वाक आउट (2) 87

विधान कार्य (पुनरारम्भ)

दि हरियाणा फिस्कल रिसपोंसिबिलिटी एण्ड बजट मैनेजमैंट बिल, 2005 (2) 87

दि हरियाणा म्यूनिसिपल (अमैंडमैंट) बिल, 2005 (2) 92

दि हरियाणा म्यूनिसिपल कार्पोरेशन (अमैंडमैंट) बिल, 2005 (2) 96

दि हरियाणा वैल्यू ऐडिड टैक्स (अमैंडमैंट) बिल, 2005 (2) 97

दि हरियाणा लैजिस्लैटिव असैम्बली (अलाउंसिज एण्ड पैंशन ऑफ मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 2005 (2) 99

अध्यक्ष द्वारा अन्यवाद (2) 102

HVS/Lib (4)

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 20 जून, 2005

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार एच०एस० चड्ढा) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : आनरेब्ल मैम्बर्ज, अब शोक प्रस्ताव प्रस्तुत होंगे।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सदन स्वतन्त्रता सेनानी श्री भूरा राम, गांव सिवानी, बोलान जिला हिसार, तारा चन्द स्वामी, गांव भारीवास, जिला भिवानी तथा वीर सैनिक श्री रमेश कुमार गांव जीतपुरा, जिला हिसार के असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। यह सदन इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

डा० सुशील इन्दौरा : माननीय अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मंत्री द्वारा सदन में जो शोक प्रस्ताव पेश किया गया है, मैं उसका अनुमोदन करता हूं और अपनी पार्टी और पार्टी के नेता श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की तरफ से शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री नरेश मलिक : माननीय अध्यक्ष महोदय, जो शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं मैं उनका अनुमोदन करता हूं। मैं तथा मेरी पार्टी के सदस्य उन शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरा दुःख तथा अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हैं।

Mr. Speaker : Hon'ble Members, leaders of different parties have expressed their views. I also associate myself with the feelings and express deep sorrow on

[Mr Speaker]

the said demise of both the freedom fighters and the brave soldier. I will convey the sympathies of the House to the bereaved families.

Now I would request the Hon'ble Members to rise on their seats for two minutes to pay the respect and homage to the departed souls.

(The House stood in silence for two minutes as a mark of respect to the memory of the deceased).

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : आनरेब्ल मैम्बर्ज अब प्रश्न होंगे।

Volume/Value Released to Farmers of Enumerated Trees

***72. Sh. Karan Singh Dalal :** Will the Minister for Excise & Taxation be pleased to state :—

(a) the district-wise details of enumerated trees species-wise alongwith estimated volume from the protected forest located on the land of farmers adjoining the protected forest land since April, 1999 to March, 2005 year-wise separately; and

(b) the district wisc and year wise total volume/value released to the farmers in lieu of their claim of such aforesaid trees during the period referred to in part (a) above ?

Excise & Taxation Minister (Sh. Vinod Kumar Sharma) : Sir,

(a) There are no Protected Forests located on the lands of Farmers. However, the land adjoining the Agricultural fields on either side of Rail, Road, Canal is a protected forest, details of which are given in Annexure-A.

(b) The district-wise, year-wise and species-wise details of numbers of trees and their volume released to the farmers in lieu of their claim between April, 1999 to March, 2005 is given in Annexure-B. The claim has been released only in terms of the number and volume not of trees and not in value.

Annexure-'A'

District-wise/Species-wise abstract of Growing Stock in the Strip Forests of Haryana

Name of District	Shisham		Kikar		Euc.		Misc		Total	
	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)
Ambala	19504	17816	42442	32996	228310	166552	12760	8893	303016	226257
Morni	4305	2864	4410	2708	18710	15585	22440	5502	49865	26659
Y/Nagar	45775	42048	35566	37226	201311	151081	103306	45487	385958	275842
Kurukshetra	10443	8074	54316	34647	169687	118804	17182	9289	251628	170814
Kaithal	3926	4598	46821	28627	60472	43575	10033	4990	121252	81790
Rohtak	5290	3388	41412	15802	90024	63217	14648	5979	151374	88386
Jhajjar	5987	4204	85997	33758	59357	43799	36865	14326	188206	96087
Sonepat	8079	7604	32138	9112	145748	117792	25252	1546	211217	136054
Panipat	4303	3441	18936	13989	51636	47345	14787	6846	89662	71621
Karnal	13042	11002	74372	39047	190741	130341	48434	18042	326589	198432
Gurgaon	4412	5028	33091	12301	18470	11174	39329	13387	95302	41890
M.Garh/Rewari	4203	4334	81945	45784	10195	6631	170607	56666	266950	113415
Faridabad	7672	7095	38921	15079	62695	33793	25415	10295	134703	66262
Hisar	12055	9910	107458	88071	30821	38531	68620	37710	218954	174222
Fatehabad	32121	24769	66337	65771	73855	41358	47039	47399	219352	179297
Bhiwani	4691	3810	79142	52258	252357	12207	14771	126340	350961	194615
Sirsa	54367	67189	184121	158640	93464	91194	201595	88780	533547	405803
Jind	26142	16836	80249	41147	101012	69535	16861	8145	224264	135663
Total	**266317**	**244010**	**1107674**	**726963**	**1858865**	**1202514**	**889944**	**509622**	**4122800**	**2683109**

[Sh. Vinod Kumar Sharma]

Ambala District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	33567	24816	22384	20260	23065	22212	21219	20817	20385	19236	19504	17816
Kikar	126769	56999	73279	47246	77535	53639	66048	49919	51610	38940	42442	32996
Euc.	242936	130931	222390	133500	259333	183641	251556	195591	239354	174988	228310	166552
Misc	15172	8788	5062	7122	14087	9782	13739	9579	13312	9304	12760	8893
Total	**418444**	**221534**	**323115**	**208128**	**374020**	**269274**	**352562**	**275986**	**324661**	**242468**	**303016**	**226257**

Morni District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	3500	3015	3010	2890	2990	2785	3180	2797	3210	2798	4305	2864
Kikar	5000	2930	4236	2711	4110	2690	4205	2696	4310	2702	4410	2708
Euc.	19087	16082	18960	15691	18905	15630	18810	15625	18780	15595	18710	15585
Misc	21086	4911	21191	5505	21092	5485	22332	5564	22247	5483	22440	5502
Total	**48673**	**26938**	**47397**	**26797**	**47097**	**26591**	**48527**	**26682**	**48547**	**26578**	**49865**	**26659**

[Sh. Vinod Kumar Sharma]

Yamunanagar District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	45781	43408	45119	42701	42606	40774	36835	36982	49984	45578	45775	42048
Kikar	53396	32857	53481	34269	50874	32574	51514	39920	44586	39217	35566	37226
Euc.	197126	98361	238580	140221	196130	116838	178270	129085	217934	172860	201311	151081
Misc	39839	30839	58347	27075	57560	26667	48055	30049	107734	56295	103306	45487
Total	**336142**	**205465**	**395527**	**244266**	**347170**	**216853**	**314674**	**236036**	**420238**	**313950**	**385958**	**275842**

Kurukshetra District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	8018	6551	11486	8854	11653	8978	10865	8416	10443	8074	10443	8074
Kikar	94639	19667	75949	47837	79191	49995	68690	43622	54316	34647	54316	34647
Euc.	109964	75116	166882	114595	176466	122341	172524	120250	169687	118804	169687	118804
Misc	15091	7671	18494	9903	18838	9957	18068	6597	17182	9289	17182	9289
Total	**227712**	**109005**	**272811**	**181189**	**286148**	**191271**	**270147**	**178885**	**251628**	**170814**	**251628**	**170814**

[Sh. Vinod Kumar Sharma]

Kaithal District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	4743	5552	5324	7080	4284	5041	4106	4853	3926	4598	3926	4598
Kikar	103995	55176	82173	51512	66284	42762	61512	40422	46821	28627	46821	28627
Euc.	53353	31727	66420	49333	62768	47989	60840	46405	60472	43575	60472	43575
Misc	10148	4490	12407	6863	11565	5639	10364	4525	10033	4990	10033	4990
Total	**172239**	**96945**	**166324**	**114788**	**144901**	**101431**	**136822**	**96205**	**121252**	**81790**	**121252**	**81790**

Rohtak District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	16904	12334	15062	10466	14448	10381	12136	8515	10987	7817	5290	3388
Kikar	200497	66682	155829	59569	146444	55761	135796	52753	124666	48721	41412	15802
Euc.	153360	87618	171162	120711	152394	109255	146370	106179	143492	101371	90024	63217
Misc	54755	18988	64322	24447	55847	21737	52082	20422	50555	19969	14648	5979
Total	**425516**	**185622**	**406375**	**215193**	**369133**	**197134**	**346384**	**187869**	**329700**	**177878**	**151374**	**88386**

Jhajjar District (including in Rohtak District)

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5987	4204
Kikar	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	85997	33758
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	59357	43799
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	36865	14326
Total	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**188206**	**96087**

Sonepat District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	16329	11864	14640	13802	13030	13883	11483	11177	9590	9213	8079	7604
Kikar	100916	51545	67850	46302	72106	73381	63917	39036	51712	22363	32138	9112
Euc.	156981	72667	151257	128968	177865	129688	1544944	125292	150432	121078	145748	117792
Misc	23862	1119	25763	11717	28255	1755	29325	1836	27000	1643	25252	1546
Total	**298088**	**137195**	**259510**	**200789**	**291256**	**218707**	**259669**	**177341**	**238734**	**154297**	**211217**	**136054**

Panipat District (including in Karnal District)

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	3023	3614	5179	5270	4813	5031	5159	4203	7006	306	4303	3441
Kikar	38587	16160	150300	21504	44329	20637	28057	19881	19466	738	18936	13989
Euc.	32249	39533	57513	38695	51048	35719	59855	57636	61019	57690	51636	47345
Misc	6251	3256	10858	5694	10067	5291	18066	8273	19282	8275	14787	6846
Total	**80110**	**62563**	**223850**	**71163**	**110257**	**66678**	**111137**	**89993**	**106773**	**67009**	**89662**	**71621**

Karnal District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	15929	15834	14489	13791	20086	13298	17101	12781	13744	11670	13042	11002
Kikar	196818	84576	11813	57870	103913	55339	96082	52152	81930	39255	74372	39047
Euc.	208541	116186	216228	116198	215940	141119	210251	144053	206810	139479	190741	130341
Misc	33906	15927	36728	18670	53546	21746	52696	22037	50781	20067	48434	18042
Total	**455194**	**232523**	**279258**	**206529**	**393485**	**231502**	**376130**	**231023**	**353265**	**210471**	**326589**	**198432**

Gurgaon District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No.of Trees	Volume (M³)
Shisham	5825	6443	6251	6809	45943	21555	5339	6052	4591	5327	4412	5028
Kikar	34377	11923	66691	19947	45943	21555	46766	15784	34985	13214	33091	12301
Euc.	20310	12615	10453	40518	24911	12315	15696	11575	20310	12615	18470	11174
Misc	44191	13906	136261	24745	53222	17134	40456	12996	39614	13493	39329	13387
Total	**104703**	**44887**	**219656**	**92019**	**170019**	**72559**	**108257**	**46407**	**99500**	**44649**	**95302**	**41890**

Mahendergarh/Rewari District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No. of Trees	Volume (M³)	No.of Trees	Volume (M³)
Shisham	7380	5778	5945	5884	6785	5558	4915	4993	4616	4686	4203	4334
Kikar	98289	46019	106101	47259	90837	48138	79769	42931	76937	40480	81945	45784
Euc.	97464	11874	7248	5364	84715	22667	7118	5305	6986	5212	10195	6631
Misc	474560	99669	193306	71084	373966	101537	200256	61939	209474	61464	170607	56666
Total	**677693**	**163340**	**312600**	**129591**	**556303**	**177900**	**292058**	**115168**	**298013**	**111842**	**266950**	**113415**

[Sh. Vinod Kumar Sharma]

Faridabad District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	10945	9899	12869	12364	12560	11836	9228	9383	7589	5901	7672	7095
Kikar	51252	12515	62020	17723	61015	17411	46935	17556	37480	14202	38921	15079
Euc.	59117	35214	80001	53277	79500	5315	70888	57211	176791	216913	25415	10295
Misc.	12538	5320	18066	8114	17045	8071	26522	11824	67425	54640	62695	33793
Total	**133852**	**62948**	**172956**	**91478**	**170120**	**42633**	**153573**	**95974**	**289285**	**291656**	**134703**	**66262**

Hisar District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	15136	17562	15216	13889	12958	10413	14708	12055	13722	11250	12055	9910
Kikar	141180	94986	145682	94904	137425	91958	135520	107694	122771	99622	107458	88071
Euc.	31770	22225	31971	26436	29536	26178	31421	25570	31331	39023	30821	38531
Misc	60239	24256	61238	27459	65858	28302	78561	40481	72568	39726	68620	37710
Total	**248325**	**159029**	**254107**	**162688**	**245777**	**156851**	**260210**	**185800**	**240392**	**189621**	**218954**	**174222**

Fatehabad District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	20386	16917	20506	16992	25192	20874	28444	23862	31799	25381	32131	24769
Kikar	114726	75314	118724	77845	92021	68805	66078	63397	64751	62104	66337	65771
Euc.	62035	39090	62334	39279	64832	45552	47304	23547	74301	62760	73855	41358
Misc	41042	17361	41959	17938	43242	19458	75100	63011	48450	23587	47039	47399
Total	**238189**	**148682**	**243523**	**152054**	**225287**	**154689**	**216926**	**173817**	**219301**	**173832**	**219352**	**179297**

Bhiwani District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	7461	5957	6365	5369	5522	4716	5392	4526	4705	3877	4691	3810
Kikar	116545	60267	103106	65871	105517	67951	91954	58571	86899	57101	79142	52258
Euc.	9397	7950	13001	14534	7778	7489	11685	11895	11079	11257	14771	12207
Misc	312404	131882	398231	151386	298763	146711	286823	147071	276845	137644	252357	126340
Total	**445807**	**206056**	**520703**	**237160**	**417580**	**226867**	**395854**	**222063**	**379528**	**209879**	**350961**	**194615**

Sirsa District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	67881	81077	68218	85146	63114	80516	57681	72623	56999	71617	54367	67189
Kikar	231604	151940	224313	190276	216761	184733	195102	168417	187892	162138	184121	158640
Euc.	51965	34785	110163	104789	104354	101597	94830	93026	94208	91782	93464	91194
Misc	185607	76624	216608	97959	209420	92612	206400	90788	203831	89601	201595	88780
Total	**537057**	**344426**	**619302**	**478170**	**593649**	**459458**	**554013**	**424854**	**542930**	**415138**	**533547**	**405803**

Jind District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	46683	20577	39153	17083	37133	16388	35190	15232	34013	14584	26142	16836
Kikar	136619	57384	114262	48723	107633	45650	97769	41868	64113	37662	80249	41147
Euc.	126327	63204	118425	63253	116037	62387	112312	60307	109781	57601	101012	69535
Misc	38389	12806	34053	11528	31533	10750	30930	10374	29359	9568	16861	8145
Total	**348018**	**153971**	**305893**	**140587**	**292336**	**135175**	**276201**	**127781**	**237266**	**119415**	**224264**	**135663**

Annexure-'B'

Number and Volume of Trees released to farmers

Name of District	Shisham		Kikar		Euc.		Misc		Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)
Ambala	45	77	213	193	858	1099	8	7	1123	1376
Morni	11	10	336	204	0	0	17	10	364	224
Y/Nagar	57	112	484	532	6127	6300	2	2	6669	6946
Kurukshetra	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1
Kaithal	8	24	33	35	525	560	3	5	569	624
Rohtak	13	18	77	36	416	441	4	2	510	497
Jhajjar	17	19	104	58	727	493	12	4	860	574
Sonepat	1	0	17	12	288	265	0	0	306	277
Panipat	10	17	7	4	0	0	0	0	17	21
Karnal	13	13	44	40	156	161	0	0	213	214
Gurgaon	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
M.Garh/Rewari	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Faridabad	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Hisar	110	220	169	212	3	6	5	3	287	441
Fatehabad	226	376	199	218	54	61	76	40	555	695
Bhiwani	0	0	0	0	0	0	244	264	244	264
Sirsa	5944	11137	4317	5756	723	577	1419	1010	12403	18480
Jind	20	26	154	118	13	17	3	2	190	163
Total	6474	12049	6135	7420	9889	9979	1793	1349	24310	30797

Annexure

Ambala District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	15	26	18	33	0	0	12	18	45	77
Kikar	0	0	1	4	54	43	103	86	0	0	58	61	213	193
Euc.	56	11	33	17	63	58	88	84	8	5	610	924	858	1099
Misc	0	0	0	0	0	0	1	1	2	4	5	2	8	7
Total	**56**	**11**	**34**	**21**	**132**	**126**	**206**	**204**	**10**	**9**	**685**	**1005**	**1123**	**1376**

Panchkula District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	11	10	11	10
Kikar	0	0	0	0	0	0	0	0	101	40	235	164	336	204
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	17	10	17	10
Total	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**101**	**40**	**263**	**184**	**364**	**224**

Yamunanagar District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	11	10	11	10
Shisham	0	0	0	0	15	16	10	19	22	59	10	8	57	112
Kikar	0	0	0	0	78	66	75	89	167	194	164	183	484	532
Euc.	0	0	130	115	373	383	3803	4053	1110	1063	711	686	6127	6300
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2	2	2
Total	**0**	**0**	**130**	**15**	**466**	**465**	**3888**	**4161**	**1299**	**1316**	**887**	**889**	**6670**	**6946**

Kurukshetra District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Kikar	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**	**0**	**0**	**0**	**0**	**1**	**1**

Kaithal District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	2	6	6	18	0	0	8	24
Kikar	0	0	6	6	8	6	8	13	12	9	0	0	33	35
Euc.	0	0	12	16	115	88	0	0	330	357	69	98	525	560
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	3	5	0	0	3	5
Total	**0**	**0**	**18**	**22**	**123**	**94**	**10**	**19**	**351**	**390**	**69**	**98**	**569**	**624**

Rohtak District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	11	17	2	1	0	0	0	0	0	0	13	18
Kikar	0	0	29	12	39	20	0	0	0	0	9	4	77	36
Euc.	0	0	286	324	90	82	0	0	24	17	16	18	416	441
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	2	4	2
Total	**0**	**0**	**326**	**353**	**131**	**103**	**0**	**0**	**24**	**17**	**29**	**24**	**510**	**497**

Jhajjar District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	14	18	3	1	1	0	0	0	17	19
Kikar	0	0	11	5	82	43	11	10	0	0	0	0	104	58
Euc.	0	0	137	98	156	116	431	277	3	2	0	0	727	493
Misc	0	0	0	0	5	1	2	1	5	2	0	0	12	4
Total	**0**	**0**	**148**	**103**	**257**	**178**	**447**	**289**	**8**	**4**	**0**	**0**	**860**	**574**

Sonepat District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	1	0.00	0	0	0	0	0	0	1	0
Kikar	0	0	16	11	0	0	0	0	1	1	0	0	17	12
Euc.	0	0	17	21	239	215	12	10	20	19	0	0	288	265
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**0**	**0**	**33**	**32**	**240**	**215**	**12**	**10**	**21**	**20**	**0**	**0**	**306**	**277**

[Sh. Vinod Kumar Sharma]

Panipat District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	1	1
Kikar	0	0	0	0	8	12	0	0	7	4	0	0	15	16
Euc.	0	0	0	0	1	4	0	0	0	0	0	0	1	4
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**0**	**0**	0	0	**10**	**17**	**0**	**0**	**7**	**4**	**0**	**0**	**17**	**21**

Karnal District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	1	1	12	12	0	0	13	13
Kikar	1	2	0	0	0	0	0	0	2	6	41	32	44	40
Euc.	0	0	0	0	22	45	4	3	62	54	68	59	156	161
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	1	**2**	**0**	**0**	**22**	45	5	4	76	72	**109**	**91**	**213**	**214**

Gurgaon District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Kikar	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

Mahendergarh/Rewari District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Kikar	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

[Sh. Vinod Kumar Sharma]

Faridabad District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Kikar	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Total	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**

Hisar District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	3	6	1	2	72	143	34	69	110	220
Kikar	0	0	0	0	4	9	4	3	33	43	128	157	169	212
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	6	3	6
Misc	0	0	0	0	0	0	1	1	4	2	0	0	5	3
Total	**0**	**0**	**0**	**0**	**7**	**15**	**6**	**6**	**109**	**188**	**165**	**232**	**287**	**441**

Fatehabad District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	26	49	6	8	153	241	41	78	226	376
Kikar	15	15	15	15	0	0	7	6	114	113	48	69	199	218
Euc.	0	0	0	0	0	0	22	28	28	29	4	4	54	61
Misc	11	3	11	3	1	1	3	2	10	10	40	21	76	40
Total	**26**	**18**	**26**	**18**	**27**	**50**	**38**	**44**	**305**	**393**	**133**	**172**	**555**	**695**

Bhiwani District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Kikar	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Euc.	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
Misc	0	0	31	33	10	102	49	62	32	39	22	28	244	264
Total	**0**	**0**	**31**	**33**	**110**	**102**	**49**	**62**	**32**	**39**	**22**	**28**	**244**	**264**

Sirsa District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	1069	2233	514	861	1865	3239	788	1491	1708	3313	5944	11137
Kikar	0	0	824	1211	500	546.00	1495	1796	815	1046	683	1157	4317	5756
Euc.	0	0	180	120	4	3.00	260	226	17	32	262	196	723	577
Misc	0	0	254	182	267	146.00	595	394	138	129	165	159	1419	1010
Total	**0**	**0**	**2327**	**3746**	**1285**	**1556**	**4215**	**5655**	**1758**	**2698**	**2818**	**4825**	**12403**	**18480**

Jind District

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	0	0	12	19	8	7	0	0	0	0	20	26
Kikar	11	9	10	3	14	7	102	76	13	17	4	6	154	18
Euc.	0	0	0	0	0	0	7	8	6	9	0	0	13	17
Misc	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	2	3	2
Total	**11**	**9**	**10**	**3**	**26**	**26**	**117**	**91**	**19**	**26**	**7**	**8**	**190**	**163**

G. Total

	1999-2000		2000-2001		2001-2002		2002-2003		2003-2004		2004-2005		G. Total	
	No.of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No. of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)	No.of Trees	Volume (M^3)
Shisham	0	0	1080	2250	603	997	1913	3314	1053	1964	1816	3507	6465	12033
Kikar	27	26	912	1267	786	752	1803	2080	1265	1473	1370	1833	6163	7432
Euc.	56	11	795	712	1063	994	4627	4689	1608	1587	1742	1991	9890	9984
Misc	11	3	296	218	383	250	651	462	194	191	258	225	1793	1350
Total	**94**	**40**	**3083**	**4447**	**2835**	**2993**	**8993**	**10546**	**4120**	**5216**	**5186**	**7556**	**24310**	**30798**

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी बताएंगे कि ऐसे कौन से सुरखाब के पर सिरसा जिले में लगे हुए थे कि अकेले सिरसा जिले में ही इतनी बड़ी संख्या मे शीशम के पेड़ों को काटने की इजाजत दी गई, इसके कारण क्या थे ? मंत्री जी यह भी बताएं कि कौन से ऐक्ट के तहत, रूल में किस प्रोविजन के तहत अकेले सिरसा जिले में शीशम के और दूसरे पेड़ काटने की इजाजत दी गयी ?

श्री विनोद कुमार शर्मा : स्पीकर सर, माननीय सदस्य खुद भी फारैस्ट मिनिस्टर रहे हैं। 1995 की जो स्कीम है उसके बारे में मैं थोड़ा बताना चाहूंगा। इस स्कीम के अनुसार जो सड़क के किनारे के वर्म होते हैं और वर्म के बाद जो तीन मीटर का एरिया पड़ता है उसके बीच में जितने पेड़ लगते हैं उनकी पहली रो पर किसानों का अधिकार होता है क्योंकि उनके खेत की जमीन में होने वाली पैदावार को इन पेड़ों से नुक्सान होता है। बाकी पेड़ों पर किसान का अधिकार नहीं होता है। अध्यक्ष महोदय, इनका जो सवाल है उसमें इन्होंने कहा था कि Protected forest में डिस्ट्रिक्टवाइज किसान को उन पेड़ों को काटने के बाद में कितने वोल्यूम के हिसाब से कितनी लकड़ी दी गयी है। अध्यक्ष महोदय, इसका जबाव टेबल में दिया हुआ है। शीशम के पेड़ कितने लगे हैं, कहां लगे हैं, क्यों लगे हैं और कहां कटे हैं इसका इन्होंने सवाल नहीं किया है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैंने सवाल भी किया है और मंत्री जी ने जबाव भी दिया है। अगर आप कहें तो मैं मंत्री जी का जबाव पढ़कर सुना देता हूं। इन्होंने माना है कि डिस्ट्रिक्टवाइज शीशम, सफेदा, कीकर और दूसरे मिसलेनेयिस पेड़ लगे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जबाव में अनैक्चर 'ए' में माना है कि सिरसा जिले में 54367 शीशम के पेड़ लगे हुए हैं। मंत्री जी ने अपने जबाव में अनैक्चर 'बी' में नीचे से तीसरी लाईन में माना है कि Number and volume of trees released to the farmers. मंत्री जी, आपने माना है कि 5944 शीशम के पेड़ अकेले सिरसा जिले में कटे हैं। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रदेश में पहले ही भारत सरकार की मान्यताओं के मुताबिक सबसे कम पेड़ हों और पर्यावरण जिस प्रदेश का खतरे के निशान से ऊपर हो, उस प्रदेश के पेड़ों की इतनी बेहरमी से कटाई करना कहां तक ठीक है ? अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से सवाल यह है कि यह एक बहुत बड़ी साजिश है क्योंकि पिछली सरकार के फारैस्ट मिनिस्टर ही हरियाणा के मुख्यमंत्री थे।

Mr. Speaker : Dalal Sahib, confine to your Supplementary.

श्री कर्ण सिंह दलाल : ठीक है सर, अध्यक्ष महोदय, श्री ओम प्रकाश चौटाला का अपना गृह जिला सिरसा है और क्योंकि तमाम हरियाणा में शीशम के पेड़ कटने की घटना मंत्री जी ने अपने जबाव में नहीं मानी है तो अकेले सिरसा जिले में शीशम के पेड़ों का कटना पिछले मुख्यमंत्री की साजिश से, बदनीयती से और फारैस्ट विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से ही संभव है और इसी कारण स्टेट एक्सचैकर का इतना बड़ा नुक्सान हुआ है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या पिछले फारैस्ट मिनिस्टर और मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला तथा उन अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाकर मंत्री जी कानूनी कार्रवाई करवाने का आश्वासन सदन को देंगे ?

Shri Vinod Kumar Sharma : Speaker sir, we will consider this matter and get it investigated. If we find any discrepancy we will go into the issue.

Mr. Speaker : O.K. Dalal Sahib, you have recieved the reply.

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, इसका जवाब तो हो गया है लेकिन मेरी सप्लीमैंट्री आपके माध्यम से मंत्री जी से यह है कि इन्होंने इंयूमरेटेड पेड़ों का ही जवाब दिया है लेकिन वहां पर और एक घोटाला घटित हुआ है। पेड़ों को आंधी तथा तूफान में गिरा पड़ा दिखाकर, नकली नीलामी का इंतजाम भी वहां पर हुआ और उस नकली बोली के माध्यम से पिछली सरकार के दौरान चौधरी देवीलाल ट्रस्ट और इस तरह के जितने भी हरियाणा में भवन बने हैं जैसे चण्डीगढ़ का चौधरी देवीलाल के नाम पर एक्सीलेन्स सैंटर है या और जो भी देवीलाल के नाम के इंस्टीच्यूशंज हरियाणा में बने हैं, उन तमाम के तमाम भवनों की खिड़कियों और दरवाजों में हरियाणा फारैस्ट विभाग की लकड़ी का उपयोग हुआ है। क्या मंत्री जी उन तमाम भवनों की जांच करवाकर इस बात का सदन को आश्वासन देंगे कि वह लकड़ी हरियाणा फोरैस्ट विभाग की या हमारे किसानों की है या नहीं ?

श्री विनोद कुमार शर्मा : स्पीकर सर, यह सप्लीमैंट्री मेन सवाल से रिलेटिड नहीं है । इस बारे में माननीय सदस्य यदि अलग से लिखकर भेजेंगे तो इसका जवाब दे देंगे।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं फौरैस्ट मिनिस्टर साहब का शुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होंने सिरसा जिले में हुए फोरैस्ट घोटाले के बारे में इंक्वायरी करने और सजा देने का आश्वासन दिया है। इसके अलावा मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि नरवाना में थल गांव है जहां एक बहुत बड़ा रैस्ट हाउस है। वहां से एक रजबाहा जाता है वहां पर सौ-सौ साल पुराने शीशम के पेड़ लगे हुए थे वे सारे काटकर ओम प्रकाश चौटाला के घर - तेजाखेड़ा ले जाए गए, क्या इसकी भी इंक्वायरी करके मुलजिमों को सजा देंगे ?

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कोई चोरी की रिपोर्ट लिखवाएंगे तो जरूर कार्यवाही की जाएगी।

Linking of Narwana Branch with West Jamuna Canal

*31. **Sh. Dharam Pal Singh Malik :** Will the Minister for Irrigation be pleased to state ----

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to link Narwana Branch with West Jamuna Canal; and

(b) if the reply to part (a) above is in affirmative the exact location of the link canal and the time limit to complete the construction of the said link canal?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) Narwana Branch is already linked from Budhera to Western Jamuna Canal through Narwana Branch Karnal (NBK Link).

(b) Does not arise in view of (a) above.

Ch. Dharam Pal Singh Malik : Mr. Speaker Sir, time and again it has been admitted in this House that our Government is committed for equal distribution of water. I want to know from the Hon'ble Minister whether there is any proposal under consideration of the Government to link the Bhakra Main Line in Hansi branch as a carrier channel to bring water, which will be used for the area, which is under the Western Jamuna Canal.

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, इस वक्त जो हमारे पास एम०बी०के० कैनाल है जिसके बारे में जिक्र किया गया था उसकी कैपेसिटी 4500 क्यूसिक की है उसमें तकरीबन 4022 क्यूसिक पानी आता है और हरियाणा कंटैक्ट पॉइन्टस से उसमें करीब 16 डिस्ट्रिक्टस का पानी आता है। जो इन्होंने प्रश्न किया है क्योंकि जो मेरे साउथ हरियाणा में 1.26 एम०ए०एफ० पानी आता है वह पूरा पानी नहीं आता है, वह आना चाहिए। उस बात को देखते हुए सरकार ने योजना बनाई है जिसके तहत बी०एम०एल० हांसी ब्रांच, बुटाना ब्रांच बनाने की योजना है। इसकी लैंथ करीब 100 किलोमीटर की होगी और इस पर 260 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इसके बनने के बाद यमुना का पानी और घग्घर का जो पानी है वह इसमें डाल सकते हैं और करीब 5000 क्यूसिक पानी साउथ हरियाणा में जा सकेगा। इसके बनने में दो वर्ष का समय लगेगा, यह अभी प्लानिंग वे में है और इस पर कार्यवाही की जा रही है।

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को बताना चाहता हूं कि इसकी ऐग्जैक्ट लोकेशन, की स्टडी कर रहे हैं, वह जगह ऐसी है जहां नरवाना ब्रांच के साथ-साथ इसको लेकर जा सकते हैं और मूनक हैड में डाल सकते हैं। इसके अलावा इसमें कुछ जमीन पंजाब की लेनी पड़ेगी क्योंकि पंजाब का एरिया बीच में पड़ता है। सेफैस्ट साइट को देखते हुए यह कैनाल पंजाब से बाहर बाहर बनाई जाए ताकि किसी प्रकार की सहायता उनसे लेने की जरूरत न पड़े। मैं समझता हूं कि यह लोकेशन पंजाब के एरिया में है। मैं मंत्री जी को एक सुझाव देना चाहता हूं कि अगर इस नहर को आन्टा फाल में लिन्क किया जाये तो उसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा क्योंकि भाखड़ा मेन लाईन से हरियाणा का कोणा टच करता है तथा जमीन बाहर से एक्वायर करने की कोई बात नहीं आएगी हमें पंजाब के एरिया में नहीं जाना होगा बल्कि इसमें समय भी कम लगेगा और सारी नहर हरियाणा के एरिया से ही गुजरेगी, क्या ऐसा कोई प्रोपोजल मंत्री जी कंसीडर करेंगे ? वे यह भी बताने की कृपा करें कि यह नहर कितने समय में पूरी हो जायेगी ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि यह जो लिन्क कैनाल बनने की बात कर रहे हैं इसमें हमें रावी-ब्यास नदी का जो पानी नहीं मिल रहा है उसको लाने की बात है। उससे हमें 2000 क्यूसिक पानी मिलेगा और यह नहर पंजाब के एरिया से नहीं आयेगी बल्कि गुहला के पास से हरियाणा के एरिया में से निकलेगी और आगे जा

कर फाईनली वह आन्टा फाल पर जाकर मिलेगी। इसके बनने में तकरीबन 2 साल का समय लगेगा और इसके बनने के बाद जो 40 साल से हरियाणा में इक्विटेबल डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ वाटर की मांग की जा रही थी वह भी ठीक हो जायेगी।

श्री दिलू राम : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि यह नहर गुहला के 50 किलोमीटर से ज्यादा ऐरिया से होकर गुजरेगी तो वहां के लोगों को इसके लिए जमीन का कितना मुआवजा दिया जायेगा और क्या वहां के लोगों के लिए इस नहर में से पानी की व्यवस्था की जायेगी ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि वहां के लोगों को इस नहर का पानी जरूर मिलेगा क्योंकि पैड़ी के सीजन में हमारे एरिया को ज्यादा पानी की आवश्यकता नहीं होती । दूसरे हम इस नहर के बैंकस को कच्चा रखेंगे जिससे इनके एरिया में जो वाटर लेबल नीचे चला गया है उसकी रिचार्जिंग हो सकेगी। जहां तक मुआवजे की बात है, जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि प्रति एकड़ पांच लाख रुपये तथा उसके बाद सोलेसियम लगाकर तकरीबन 8 लाख रुपये प्रति एकड़ से हिसाब से मुआवजा देंगे।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि माननीय सदस्य श्री दिलू राम जी ने कहा है यह नहर हमारे हल्के में से भी गुजरेगी। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि वे इस नहर से हमारे एरिया को मोगे देने का प्रावधान करेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने पहले बताया कि इनके एरिया को पैड़ी शीजन में पानी की जरूरत होगी हम इनको पानी जरूर देंगे। जहां तक मोगे देने की बात है, पहले पानी आ जाये उसके बाद मोगे देने के बारे में भी सोच लेंगें।

श्री राधेश्याम शर्मा अमर: अध्यक्ष महोदय, ये उस नहर को बनने के लिए दो साल का समय बता रहे हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या इनके पास ऐसा कोई विकल्प है कि इस दो साल के समय के लिए उस एरिया को पानी देंगें ? दूसरा जो ये बता रहे हैं कि दो साल में यह नहर बनकर तैयार हो जायेगी अगर कोई इन्टरनैशनल लैवल के एन०जी०ओ० इस नहर को 12 महीने में बनाने को तैयार हो जाये तो क्या वे इस कार्य को उस एन०जी०ओ० से करवाने की कृपा करेंगे ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, अगर एन०जी०ओ० ही यह काम करेंगे तो फिर सरकारी विभाग क्या करेंगे ? इस बारे में ये लिखित रूप में दे दें उस पर विचार किया जायेगा। जहां तक दो साल के समय की बात है, सरकार जितना जल्दी हो सकेगा इस नहर को बनवायेगी। क्योंकि एक्विजीशन करवाने की कार्यवाही भी हमें करनी है जो कि काफी लम्बा काम है। उसके बाद आगे की योजना पर कार्यवाही शुरू की जायेगी। इस सारे काम में लगभग दो साल का समय तो लग ही जायेगा।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, कैथल जिले की पूरी जमीन में से सभाना के पास जहां भाखड़ा मेन लाईन को हरियाणा की जमीन टच करती है, वहां से यह नहर निकलेगी। जैसा कि मंत्री जी ने फरमाया, यह नहर कैथल जिले के सभी हल्कों में से जाएगी। गुहला चीका

[श्री एस०एस० सुरजेवाला]
के बाद कैथल, फिर पाई, फिर पुंडरी, फिर कलायत और उसके नीचे नरवाना से भी यह नहर निकलेगी वर्तमान में पानी की कमी इन सारे ब्लॉकों में है जिनके नाम मैंने बताएं हैं, उचाना भी इनमें शामिल है। जहां से यह नहर गुजरेगी। वहां जिन किसानों की जमीन एक्वायर होगी क्या उनको जरूरत के मुताबिक इस नहर से पानी देंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं बार-बार इस बात को रिपीट कर रहा हूं कि इसमें कैथल, गुहला चीका और जींद भी शामिल हैं। तकरीबन 16 जिलों को इस नहर से फायदा पहुंचेगा, इस नहर के बनने से कैथल जिले को भी फायदा पहुंचेगा।

Re-starting of Bhuna Sugar Mill

***84. Shri Ram Kumar Gautam :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to re-start the Bhuna Sugar Mill; and

(b) if the reply to part (a) above be in negative whether there is any proposal under consideration of the Government to adjust the employees of the said Mill in other Sugar Mill or Government departments ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala):

(a) Yes Sir.

(b) Question does not arise.

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, इनका जवाब तो ठीक है, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि भूना मिल को दोबारा स्टार्ट करने पर क्या सरकार विचार कर रही है। साथ ही साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि 2 सालों से कर्मचारियों की तनख्वाहों का जो बकाया पड़ा है, उसका भुगतान कब तक किया जाएगा ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, भूना मिल का केस अपने आप में एक विशेष केस है। एक समय में जो हमारे सामने साथी बैठे हैं उन्होंने यह मिल लगाई थी, उसमें 171 करोड़ रुपये के एक्यूमूलेटिड लोसिज हैं और 2500 एकड़ जमीन में इस समय वहां गन्ना लगा है। हमको 20 हजार से 25 हजार एकड़ जमीन में गन्ना चाहिए ताकि यह मिल सुचारू रूप से चल सके। इन फिगर्ज से आपको खुद बखुद थोड़ा आइडिया हो जाएगा कि समस्या क्या है। इसके बावजूद भी सरकार की एक कमिटमैंट थी कि चाहे एक समय में यह मिल गन्ने की लाज अवेलेबिलिटी की वजह से न चल पाई हो, उन कर्मचारियों को न निकाले हमारा पूरा प्रयास यही रहेगा और मिल को चलाएं। उस मिल के अन्दर जितना पैसा सरकार का लगा है उसका सही इस्तेमाल हो इसलिए हमने यह फैसला किया है कि इसे चलाएं और हम सीरियसली इसे एक्सप्लोर कर रहे हैं। कुछ प्रपोजल भी आए हैं जिनमें इस मिल को लीज पर दिए जाने पर परपोजल भी है। यह मिल चलने की स्थिति में नहीं थी। कई पार्टियों ने इस मिल को चलाने के लिए सरकार को अप्रोच भी किया है। टैण्डर्ज नोटिसिज बहुत जल्दी इश्यू कर दिए जाएंगे। हमने एक यह कंडीशन भी रखी है कि अगर

मिल चलता है तो मिल के कर्मचारियों को नौकरी से न निकाला जाए। इसके साथ ही सरकार ने यह प्रावधान कर दिया है कि इस मिल के जो कर्मचारी दूसरी मिलों में डैपुटेशन पर जाना चाहते है उनको डैपुटेशन परमिट किया गया है।

श्री राम कुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूं कि उन बेचारों की सेलरीज का क्या हुआ ?

Mr. Speaker : You will get another chance, Gautam ji. Please take your seat.

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की भूना और सिरसा जो मिल हैं इनमें इतनी राशि सरकार ने लगाई है जाहिर है कि पोलिटिकल लोगों ने इसके लिए जोर दिया होगा। जो अधिकारी अपने को एक्सपर्ट समझते हैं, हमारी शूगर फैड और दूसरे अदारे हैं जिन अधिकारियों के जिम्मे साइड लोकेशन, गन्ने के उत्पादन या उसकी अवेलेबिलिटी का काम सौंपा गया था, क्या उनको कहीं भी दोषी ठहराया गया है। 200-200, 250-250 करोड़ की जो हमारी हैल्दी मिल्स करनाल की, शाहबाद की और पलवल की हैं उनका पैसा भी इन मिल्ज में लगा दिया गया। अजीब हालत है कि अधिकारी गुनाह कर दें और वे अधिकारी उस वक्त के मुख्यमंत्री से हमदर्दी दिखा करके सारा काम करवा लें और उसके बाद स्काट फ्री चले जाएं, क्या सरकार के ध्यान में ऐसी कोई बात है कि ऐसे अधिकारियों को, जिन्होंने मिली भगत से इस प्रदेश की इतनी बड़ी धन राशि का गलत इस्तेमाल किया है उनको कोई सजा दी जाए। मुझे यकीन है कि ये मिलें कभी नहीं चल सकती, चाहे आप प्राइवेटाइज कर दें और चाहे और किसी तरह से इनको कंट्रैक्ट बेसिज पर दे दें, इनको जो भी लेगा, मोटेविटव आइडिये से लेगा और इन मिलों की प्रापर्टी को खाने की कोशिश करेगा। क्या सरकार उन दोषी अधिकारियों के लिए कोई ऐसा प्रावधान करेगी कि जिन्होंने उस वक्त यह प्रोजैक्ट बनाया था और क्या उनकी जिम्मेवारी फिक्स की जाएगी और उन्हें सजा दी जाएगी ताकि आइंदा कोई उच्च अधिकारी इस प्रकार की योजना बनाने का दुस्साहस न करे।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, चीनी मिल लगाना सरकार का एक पॉलीसी डिसीजन था। फिर भी आदरणीय साथी ने जो कहा हम उनकी भावनाओं की कदर करते हैं। अगर कोई स्पैसिफिक इन्सटांस किसी अदायरे में, या किसी हैड में हुआ है और वह उनकी जानकारी में है। अगर किसी कर्मचारी से इसमें कोई कोताही हुई है या कोई नुक्सान हुआ है तो आदरणीय सदस्य उसके बारे में हमें लिखकर बता दें। मैं पूरे सदन को आश्वास्त करना चाहूंगा कि उसकी पूर्ण जांच हम एक सीमित अवधि में करायेंगे। जहां तक मेरे माननीय सदस्य श्री गौतम जी ने दो साल की सैलरी के एरियर्ज के बारे में पूछा था, उस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि हमारी जानकारी के मुताबिक कर्मचारी की सैलरी के कोई भी एरियर्ज पैंडिंग नहीं हैं।

सरदार परमवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि 1986-87 में सैंटर और हरियाणा में कांग्रेस की सरकारें थीं और सरदार हरपाल सिंह जी मैंबर ऑफ पार्लियामैंट थे। कैथल शूगर मिल और भूना शूगर मिल को खोलने के लिए हरियाणा सरकार ने केस सैंटर गवर्नमैंट को भेजा था और राजीव गांधी जी की सरकार ने ये मिलें खोलने की परमीशन दी थी। भूना मिल ठीक चल रही थी। पिछली सरकार ने किसी साजिश के तहत इस

[सरदार परमवीर सिंह]

मिल को बंद करवा दिया था उसके बाद हमने एजीटेशन किया, धरने दिए तब जाकर इस मिल को उन्होंने दोबारा शुरू करवाया। इस मिल में गन्ना भी ठीक आ रहा था लेकिन पिछली सरकार ने इसे बंद करवाने के लिए दो दफा ड्रामा भी किया जिसके कारण किसान डर गये कि यह मिल तो बंद होने वाली है और इसमें गन्ना कम आना शुरू हो गया। अध्यक्ष महोदय, यह मिल गन्ना पैदा होने वाले एरिया में लगी हुई है और पिछली सरकार की गलत नीतियों के कारण वहां कम गन्ना आया है। वह मिल चल सकती है इसलिए मैं यह कहना चाहूंगा कि सरकार इस पर विचार करे।

श्री दूड़ा राम : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि भूना शूगर मिल में कर्मचारियों की कई महीनों की तनख्वाह पैंडिंग है उसके बारे में सरकार क्या विचार कर रही है ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने अभी बताया कि जो जानकारी हमारे पास उपलब्ध है उसके मुताबिक कर्मचारियों के कोई एरियर्ज ऑफ सैलरी उस मिल में बकाया नहीं है।

श्री तेजेन्द्र पाल सिंह मान : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि जो कमर्शियल अदारे हैं वे सिफारिश पर नहीं चलते। जब तक सिफारिशी अदारों को हम बंद नहीं करेंगे तब तक हमारा प्रदेश तरक्की नहीं कर सकता। सरकार ने 1600 करोड़ रुपये बिजली के बिलों का किसानों का माफ करके बहुत अच्छा काम किया है और आगे इस तरह के और कार्य करके सरकार को लोगों को और प्रोत्साहन देना है। जब तक सरकार इस तरह के अदारों से जो continuously loss making from years after years उनसे किसी प्रकार की आगे तरक्की होने की संभावना नहीं है। बहुत सा पैसा तो ये ही खा जाते हैं। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि कोई ऐसी स्टडी हो रही है whether they are viable or not viable ? If they are viable then what is the scheme which the Government have for running them ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि भूना मिल और पन्नीवाला मोटा शूगर मिल, इन दो मिलों को लेकर समस्या है। बाकी की शूगर मिल्ज की हमारे यहां वित्तीय स्थिति काफी अच्छी है। हमारी कई मिलों को नैशनल अवार्डज भी मिले हैं। जहां तक भूना शूगर मिल का सवाल है, यह पिछले 13 साल से चल रही है। शूगर मिल चलाने के लिए 40 लाख क्विंटल नार्मल गन्ना और 160 दिन की क्रशिंग पीरियड एक साल में जरूरी है। परन्तु 15 लाख क्विंटल गन्ने का इस मिल में एवरेज सीजन रहा है और 2001-02 में 28.32 क्विंटल अधिकतम गन्ना इस मिल में आया था । जो बात मेरे आदरणीय साथी परमवीर जी कह रहे थे मैं बताना चाहूंगा कि यह शूगर मिल पिछले 13 साल से एक दिन भी अपनी कैपेसिटी पर नहीं चल पाई और अब तक 171 करोड़ रुपये का एक्यूमूलेटिड लौस सरकार को हो चुका है। फिर भी सरकार यह चाहती है कि एक बार और प्रयास करके किसी प्रकार से यह मिल चल जाये इसलिए सरकार ने इस मिल को लीज पर देने का फैसला लिया है। लीज पर देने के लिए जैसा कि मैंने बताया टैंडर हो चुके हैं । मुझे उम्मीद है कि जल्दी ही कुछ लोग जिन्होंने इस मिल को लेने के लिए अपनी इच्छा जाहिर की है, उनको दे दी जायेगी और वे इस मिल को चलाने के लिए सरकार के भागीदार बनेंगे।

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष जी, माननीय संसदीय कार्यमन्त्री ने यह माना है कि यह शूगर मिल चलाना सरकार की पॉलिसी में है इसके साथ ही उन्होंने यह भी कह दिया है कि हमारे सामने जो साथी बैठे हैं उन्होंने इसे अपने समय में चालू नहीं किया। हमारे माननीय साथी श्री पदमवीर जी ने खुद कहा है कि जब कांग्रेस रिजीम थी.....

Mr. Speaker : Indora Ji, Please put the question. Do not discuss what the Members have said.

डा० सुशील इन्दौरा : सर, भूमिका तो बनानी पड़ती है। यह उन्होंने कहा था जिस समय सरदार हरपाल सिंह जी मन्त्री थे उस समय यह शूगर मिल लगाई गई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनसे एक बात पूछना चाहता हूं। सरकार की यह पॉलिसी होती है, नीति होती है कि जिस तरह से भी हो किसानों को लाभ पहुंचाया जाए। आज हरियाणा की सरकार भी बार बार कहती है और केन्द्र सरकार भी बार-बार डाईवर्सिफिकेशन ऑफ दि क्रॉप्स की बात कहती है। भललब यह है कि फसलों के विविधिकरण के लिए हम फूलों की खेती करते हैं और दालों की खेती करते हैं। क्या सरकार के पास कोई ऐसी पॉलिसी है जिससे चाहे वह पन्नीवाला मोटा की शूगर मिल है, चाहे वह भूना की शूगर मिल है, किसान को प्रोत्साहित करके, उसको प्रोत्साहन दे कर सरकार की जो डाईवर्सिफिकेशन की पॉलिसी है उस आधार पर ज्यादा गन्ना पैदा किसान के सर्वाईवल के लिए सरकार कोई प्रयास करेगी ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं पहले इस बात का जवाब दे चुका हूं कि हालांकि 171 करोड़ रुपये का एक्यूमूलेटिव लॉस भी हमारे पास आ रहा है लेकिन इसके बावजूद भी हमारी सरकार ने फैसला किया है कि इस मिल को लीज पर दे कर दोबारा से इस मिल को चलाने का प्रयास करेंगे। (विघ्न)

Mr. Speaker : Indora Ji, please sit down.

Shri Randeep Singh Surjewala: Indora Ji I am on my legs, you understand very well. स्पीकर सर, न ही हम इस मिल को बन्द कर रहे हैं और न ही किसी कर्मचारी को बरखास्त करने जा रहे हैं। स्पीकर सर, माननीय मुख्य मन्त्री जी ने अपनी सरकार बनने के बाद तो यहां तक फैसला किया है कि मिल के कर्मचारी अगर डैपुटेशन पर किसी दूसरी मिल में जाना चाहें तो हमने वह भी परमिट कर दिया है। इसलिए हम इस मिल को दोबारा चलाने का प्रयास कर रहे हैं और वह मिल जो इन्होंने अपने वक्त में बन्द कर दी थी उस मिल को दोबारा चलाने का प्रयास कर रहे हैं और हमें आशा है कि जब इस में प्राईवेट सैक्टर इन्वॉल्व हो जाएगा तो हम इस मिल को इफैक्टिवली चला पाएंगे। इससे किसान भी लाभान्वित होंगे और कर्मचारियों को भी इससे लाभ मिलेगा।

मुख्यमन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, मैं यहां पर सदन की जानकारी के लिए यह बताना चाहता हूं कि सरकार इस मिल को चालू करने का प्रयास कर रही है और इस मिल के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्ज ने बाकायदा अपनी मीटिंग में यह फैसला किया है और यह सुझाव दिया है कि सरकार इस मिल को लीज पर दे दे और सरकार इस पर विचार कर रही है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय संसदीय कार्य मन्त्री जी से जानकारी चाहता हूं कि यह मिल घाटे में है क्या सरकार ने इस मिल में बिजली लगाने के जो संयन्त्र लगाये हैं या जो टरबाईन वगैरा लगाये हैं क्या यह लगा कर बिजली बनाने की क्षमता को आंका गया है ? क्या इस मिल में तथा हरियाणा की तमाम चीनी मिलों में बिजली बनाने के बारे में भी विचार करेंगे ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, हालांकि यह प्रश्न इस मेन सवाल से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ नहीं है फिर भी मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हम पहले मिल तो चालू कर लें, गन्ना लगाना शुरू कर लें, गन्ने की क्रशिंग शुरू हो जाए और चीनी बनाना शुरू कर लें उसके बाद जहां पर वाईबल होगा सरकार has as absolutely open mind we will do whatever is best in the interest of people of this State.

Scarcity of Drinking Water in Hansi Constituency

***109. Shri Amir Chand Makkar :** Will the Minister for Transport be pleased to state —

(a) whether it is a fact that there is a great scarcity of drinking water in Hansi Constituency ; and

(b) if so, the steps taken or proposed to be taken to solve the problem of drinking water of the said Constituency ?

Transport Minister (Sh. Randeep Singh Surjewala) :

(a) No, Sir, however, there is some shortage of drinking water in a few colonies of Hansi Town.

(b) In order to improve the water supply in the water scarcity colonies of Hansi town, construction of 2 No. boosting stations and laying of distribution system against the administratively approved estimates of Rs. 47 lacs and Rs. 705 lacs, respectively, has been taken in hand.

श्री अमीर चन्द मक्कड़ : स्पीकर सर, माननीय मन्त्री जी ने माना है कि हांसी शहर की कुछ कॉलोनियों में पीने के पानी की भारी कमी है, हकीकत यह है कि आधा शहर पीने के पानी की सप्लाई से बड़ा भारी परेशान है। जितनी भी हरिजन बस्तियां हैं, गोल कोठी, कालियां मण्डी आदि इलाकों में पीने का पूरा पानी नहीं पहुंच रहा है। स्पीकर सर, एक नहरी वाटर वर्क्स की स्कीम यहां के लिए बनी हुई है ताकि सारे शहर को पीने का पानी मिल सके। आज गर्मी का मौसम है और लोग पीने के पानी के लिए दुःखी और परेशान हैं। जब तक नई वाटर वर्कस की स्कीम को चालू नहीं करेंगे तब तक पानी की समस्या का हल नहीं होगा। क्या मंत्री जी नई वाटर वर्क्स को चालू करने के बारे में विचार करेंगे ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी श्री मक्कड़ साहब को बताना चाहूंगा कि हांसी में 25 गांव और 40 ढाणियां हैं। 24 गांवों में और 36 ढाणियों में 40 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी सप्लाई किया जा रहा है। इसके साथ ही 1 गांव और 4 ढाणियों में 30 से 39 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी सप्लाई किया जा रहा है। स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि गांव सेकपुरा और चार ढाणियां सोबा, चन्द्रपाल, कुंदनपुर और केन्दू हैं, की स्कीम नाबार्ड से एप्रूव करवा ली है। यह स्कीम 104 लाख 11 हजार रुपए की है और हमें उम्मीद है कि यह 31-12-2005 तक बन कर पूरी हो जाएगी। इसके साथ ही 11 स्कीमें 10 गांवों और 60 ढाणियों में जो हांसी विधान सभा के हल्कों को कवर करेंगी जिसके लिए 494.1000 रुपए की लागत आने का अनुमान है। ये भी एप्रूव करवा ली गई हैं। इस बारे में मैं डिटेल माननीय साथी को दे दूंगा। इसके अलावा दो कैनाल बेस्ड वाटर वर्कस बनाने का सरकार का प्रपोजल है। यह दिल्ली से हिसार रोड पर ढाणी कुतुबपुर के पास है। यह प्रपोजल सरकार के कंसिड्रेशन में है और यह स्कीम 3120 लाख रुपए की है। इस बारे में नहरी महकमें से बात चल रही है। यह कैनाल बेस्ड स्कीम है और इसमें काफी जमीन की एक्वीजिशन की जरूरत है। सरकार इस प्रपोजल पर गम्भीरता से विचार कर रही है। इसके अलावा हांसी में जो नई 28 कालोनीज एप्रूव हुई थीं वहां पर दो नए बुस्टिंग स्टेशंज का काम इसी साल में पूरा हो जाएगा।

Smt. Kiran Chaudhary : Hon'ble Speaker Sir, I would like to ask the Hon'ble Minister wheter he is aware that there is an acute problem of drinking water in Tosham constituency. Mostly people of villages in Tosham are purchasing potable water. Mr. Speaker Sir, I would like to ask the Hon'ble Minister as to what steps are being taken by the Government to form coordination between Power, Public Health Irrigation Departments to provide proper power supply to this area so that potable water can reach to the people concerned ?

Shri Randeep Singh Surjewala: Speaker Sir, although the main question is related to only Hansi but I would like to inform the Hon'ble Members that sometimes there is some genuine difficulties on account of some lack of coordination. Speaker Sir, if there is no power, we cannot run our stations. Consequently, at that time they will not be able to supply the drinking water. Similarly, Speaker Sir, we are largely based on the water supply being given by the Irrigation Department which has also its own problem. We are seriously examining this issue and where there is a need, we are trying to coordinate with each other. I am certain that the problem would be sorted out very soon. The Government is still new. We are looking into the problems particularly which the Hon'ble Member from Tosham has mentioned. We know the entire Bhiwani district does face the same problem. This problem is also in the Southern Haryana belt. Speaker Sir, we have also devised a new scheme particularly for the Southern Haryana. If, I remember correctly it is about Rs. 4,005 crores there is a scheme which will serve the water primarily to Mewat and to its adjoining areas, through Rainy Well which are going to dig near Sonepat on the Yamuna belt. Speaker sir, this is a unique scheme that our Chief Minister has devised. Consequently, we will be taking pipe water to a distance nearly 40 to 50 kilometers. The phase-1 of this scheme is over. 200 crores rupees have been sanctioned. Tenders have also been given. I think work will start very soon.

श्री ए०सी० चौधरी : स्पीकर साहब, मैं आपकी मार्फत से आनरेबल मिनिस्टर, जो काफी काबिल मिनिस्टर हैं और हांसी क्षेत्र के बजाए बाकी क्षेत्रों का जबाब देने के लिए पूरी तत्परता से सामने खड़े हैं, से जानना चाहूंगा कि फरीदाबाद की सारी वाटर सप्लाई ट्यूबवैल बेस्ड है। उस इलाके में अरावली हिल्ज की वजह से आम ट्यूबवैल का पानी 25 हजार गैलन पर आवर आता है जबकि फरीदाबाद के ट्यूबवैल्ज का पानी ढाई से तीन हजार गैलन पर ऑवर आता है जो अपने आपमें अनइकोनोमिकल है। वहां पर अगर बिजली बंद कर देते हैं तो पानी की सप्लाई बंद हो जाती है। मैंने परसों भी कहा था कि वहां 500 से ज्यादा टैंकर प्राईवेटली गंदा पानी बेच रहे हैं। लोग पैसे देकर बीमारी खरीद रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, अगर बिजली बिल्कुल नहीं है सब तो मजबूरी है लेकिन अगर कट लगते हैं तो क्या मंत्री जी कोई ऐसा प्रावधान करेंगे जिसके जरिए ट्यूबवैल्ज को बिजली देने के लिए स्पेशल रिलैक्सेशन दी जाए ? इसके साथ ही जो फरीदाबाद की रैनीवैल स्कीम यमुना में शुरू की है उसका सैकेंड फेज 28 हजार करोड़ रुपये का सरकार के पास पड़ा है। क्या मंत्री जी आश्वास्त करेंगे कि प्राथमिकता देकर अगली गर्मियों से पहले इसको पूरा करवाकर लोगों को इस बीमारी से मुक्ति दिलवाएंगे ?

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, it is a fact that in Faridabad most of the water supply is through tubewells. मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहूंगा कि पूरी अरावली बैल्ट के अंदर नये ट्यूबवैलज़ लगाने और अंडर ग्राउंड वाटर को एक्सप्लायट करने पर कुछ विशेष प्रतिबन्ध भी माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में लगाया है। वह किस किस बैल्ट में है, उसके आदेश की कॉपी मैं माननीय सदस्य को भेज दूंगा, अध्यक्ष महोदय, यह भी एक समस्या है। इसका कारण यह था कि एक पब्लिक इंट्रस्ट लिटीगेशन सुप्रीम कोर्ट में दायर की गयी जिसमें सारी अरावली हिल्ज में पिछली सरकार के समय में जो इल्लीगल माईनिंग हुई, उसको लेकर और अंडरग्राउंड वाटर एक्सप्लॉयटेशन को लेकर यह लिटीगेशन थी। उसमें सी०बी०आई० द्वारा जांच भी की गई और अगर मुझे सही याद है तो पिछली सरकार के खिलाफ शायद काफी स्टिंगिंग स्ट्रिक्चर भी आये हैं। हम यह प्रयास कर रहे हैं कि फरीदाबाद में जो पानी की समस्या है उसका निदान जिस प्रकार से मेवात और दक्षिणी हरियाणा के लिए हमने स्कीम्ज बनाकर किया हैं, उसी प्रकार से करेंगे। सबसे कम पानी की उपलब्धता मेवात में थी इसलिए पहली प्राथमिकता वहीं की थी। हम कोशिश करेंगे कि जिस रेनीवैल स्कीम की बात इन्होंने की है जब पहली वाली स्कीम का फर्स्ट फेज़ पूरा हो जाएगा तो इसके बाद इस समस्या का भी हम जल्दी से जल्दी निदान करेंगे। हालांकि मैं समय सीमा का इस समय कोई आश्वासन नहीं दे सकता।

श्री ए०सी० चौधरी : स्पीकर साहब, मेरे सवाल का जवाब अधूरा रह गया है। मैंने यह प्रार्थना की थी कि रैनीवैल हिल्ज के ऊपर के हिस्से में भले ही पहाड़ नहीं हैं लेकिन इस एरिये का नीचे का जो हिस्सा है वहां शहर की आबादी के अंदर सॉयल के नीचे सारे पत्थर हैं इसलिए वहां पर ट्यूबवैल नहीं लग सकते और अगर लगते भी हैं तो 25000 गैलन से ज्यादा पानी का डिसचार्ज नहीं हो सकता है। मेरा कहना यह है कि आलरेडी रैनीवैल स्कीम ऐप्रूव्ड है। अगर एक फेज से पानी नहीं मिल पा रहा है तो दूसरा फेज़ आलरेडी इसकी टेबल पर पड़ा हुआ है मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या उसको एक्सपीडाइट करके मंत्री जी ऐश्योर करेंगे कि उस कमी को पूरा करने में ये तेजी लाएंगे ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि क्योंकि फरीदाबाद म्यूनिसिपल कोरपोरेशन भी है, उनका भी इसमें हमारे साथ योगदान रहता है। वहां पर चुने हुए प्रतिनिधि हैं। मैं माननीय सदस्य को आश्वास्त करना चाहूंगा कि सरकार इस समस्या के प्रति तथा विशेष तौर से फरीदाबाद, गुड़गांव और दक्षिणी हरियाणा की समस्याओं के प्रति जागरूक है। जितनी जल्दी हो सकेगा उतनी जल्दी ही हम उन स्कीमों को लागू करवाएंगे।

श्रीमती अनिता यादव : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी के पूर्व लोकसभा क्षेत्र और मेरा साल्हावास विधान सभा क्षेत्र के बारे में मुख्यमंत्री भी जानते हैं, कि वहां पर पीने के पानी की बहुत दिक्कत है। वहां पर हार्ड वाटर है खारा पानी तो सब जगह होता है। मेरे हल्के के दो चार गांव है जैसे मोहन बाड़ी, खानपुर कलां और झामरी आदि ऐसे हैं जिनमें हार्ड वाटर है। इसके अलावा कुछ गांव ऐसे हैं जैसे मातनहेल जोकि बहुत बड़ा गांव है, जहां दो रुपये प्रति घड़ा लेकर लोग पानी पीते हैं, इसी तरह से साल्हावास विधान सभा के कोसली रेलवे स्टेशन में भी दो रुपये प्रति घड़े के हिसाब से लोग पानी खरीद रहे हैं मेरे क्षेत्र में कम से कम दस बारह वाटर शैडज़ स्कीम बनी हुई हैं क्या उन वाटर शैड़ज़ स्कीम्ज को चालू करवाया जाएगा ? अगर ये स्कीम्ज चालू हो जाती है तो वहां पर पानी की समस्या खत्म हो जाएगी । मंत्री जी कृपया बताएं कि ये स्कीम्ज़ कब तक चालू हो जाएंगी ?

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर साहब मैं माननीय सदस्या से अनुरोध करूंगा कि वे इस बारे में लिखकर दे दें। इनके क्षेत्र की जो भी स्कीम्ज़ हैं हम प्राथमिकता से अपनी बजट्री प्रौविजंस के मुताबिक जो भी संभव होगा, उसके अनुरूप जल्द से जल्द इन स्कीम्ज को लागू करवाने का प्रयास करेंगे।

प्रो० छतर पाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जनस्वास्थ्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या हरियाणा के अंदर कोई ऐसे भी कैनाल बेस्ड वाटर वर्क्स हैं जो डम्प पड़े हैं और फंक्शन नहीं कर रहे हैं। यदि हैं तो किस वजह से ऐसा हुआ, क्या इसका कारण इरीगेशन डिपार्टमैंट की गलत प्रपोजल थी ? यदि ऐसा है तो क्या उनके खिलाफ कार्यवाही करना इनके विचाराधीन है ? मेरे हल्के में कुलाना टेल से पानी फीड होता है इसके अलावा भाटला गांव के वाटर वर्क्स में भी पानी की काफी प्रौब्लम रहती है This is a part of same question specifically I am asking. So, whether the Minister for Public Health would like to tell that such water works are there which are not functioning and what action they are going to take against those people and whether they will be functioning in which who are responsible for such actions time and how long later ?

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, of hand this information is not available. If the Member writes us then we will supply him the information. As far as the particular water works that he has mentioned, he should give in writing. We will make sure and we will request the Irrigation Minister and their departmnent to make sure that the problem is solved.

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से जनस्वास्थ्य मंत्री जी से जानना चाहूंगी कि हमारी सरकार ने प्रस्ताव रखा है कि 123 गांवों में और 12 शहरों में पानी की बढ़ौत्तरी की जाएगी और वर्ष 2005-06 में 840 गांवों में पेयजल की आपूर्ति की जाएगी। कलायत हल्के में

[श्रीमती गीता भुक्कल]

पीने के पानी की बहुत ज्यादा कमी है। मैं जानना चाहूंगी कि पेयजल की आपूर्ति के लिए क्या क्राइटेरिया फिक्स किया गया है ? पिछली सरकार ने वोट लेने के लिए कुछ ऐसे ऐस्टीमेट्स तैयार करवाए थे जिससे लोगों पर प्रभाव डाला जा सके। मैं जानना चाहूंगी कि क्या मेरे हल्के के कुछ गांवों को इस प्रस्ताव में शामिल किया जाएगा।

श्री रणदीप सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, कलायत की सैंप्रेट फिगर अवेलेबल नहीं है लेकिन मैं माननीय सदस्या को आश्वस्त करना चाहूंगा कि इनका विधान सभा क्षेत्र पिछड़ा रहा है इसलिए यह सरकार की प्राथमिकता के ऊपर है और ये जो स्कीम बताएंगी उनको प्राथमिकता से लागू करवाना हमारा दायित्व है।

तारांकित प्रश्न संख्या 97

(यह प्रश्न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य राव दान सिंह सदन में उपस्थित नहीं थे।)

Withdrawal of Form '38'

*111. **Sh. Naresh Malik :** Will the Minister for Excise and Taxation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to withdraw the Form '38' of Sale Tax, if so, the time by which it is likely to be withdrawn ?

Excise and Taxation Minister (Sh. Vinod Kumar Sharma)

No, Sir.

श्री नरेश मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि पिछली सरकार की गलत नीतियों की वजह से प्रदेश में हजारों फैक्ट्रियां बंद पड़ी हैं कई तरह के फार्म उन्होंने लागू किए थे। जहां तक मेरी नॉलेज है यह जो एस०टी० 38 फार्म है ये सरकार और व्यापारी के बीच में स्पीड ब्रेकर का काम कर रहे हैं। चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में यह साफ किया था कि यदि उनकी पार्टी की गवर्नमैंट आती है तो फार्म एस०टी० 38 को वापस लेंगे ?

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल उठाया है मैं उससे सहमत हूं। हरियाणा प्रदेश में बहुत से ऐसे अदारे हैं जो पिछली सरकार के समय बंद हुए हैं उनके पीछे क्या कारण थे इस बारे में तफसील से वे बताएंगे तो पूरे सदन को जानकारी हो सकेगी। जहां तक फार्म एस०टी० 38 का संबंध है इसके जरिए जो भी गुड्स हमारे प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जाती है या दूसरे प्रदेश से हमारे प्रदेश में आती है। उनका हिसाब-किताब रखने के लिए फार्म एस०टी० 38 बना है जिसमें लिखा जाता है कि कंसाइनी कौन है, लेने वाला कौन है कन्जयूमर पर कोई टैक्स नहीं लगता । तीन महीने के बाद जितने फार्म व्यापारी के पास या किसी कंसाईनी के पास इकट्ठे हो जाते हैं वह कन्सर्ड विभाग को फार्मों को रिटर्न के साथ भेज देता है तो उसमें हमारे पास यह जानने के लिए साधन रहता है कि कितना माल यहां से दूसरे प्रदेश में गया है जो टैक्सेबल था और कितना माल दूसरे प्रदेश से आया है। फार्म 38 से और भी बहुत से फायदे रहते

हैं। जब किसी ट्रक या वाहन से सामान को लेकर जाते हैं और अगर उसके पास फार्म 38 होता है तो वह बता सकता है कि लीगली तौर पर ये सामान लेकर जा रहा है तथा इससे उसको तंग नहीं किया जाता । यह काम पहले बैरियर पर चैकिंग के दौरान किया जाता था जब से बैरियर खत्म हुए हैं तब से फार्म 38 को हमने इन्ट्रोडयूस किया है और इसमें सिम्पलीफिकेशन की गई है। अब तो वैट लागू हो चुका है और इसको वैट डी-3 फार्म कहते हैं। दूसरा जैसा कि घोषणा-पत्र की बात की है फार्म 38 में जो डिस्क्रिपैन्सीज थी उनको दूर करके हमने ये वैट डी-3 फार्म बनाया है और उसमें नई क्लाजिज डाली है। इसमें व्यापारियों को अगर कोई दिक्कत होगी तो या इसमें संशोधन की बात होगी तो वह हम करेंगे।

श्री ए०सी० चौधरी : स्पीकर साहब, आज के दिन सारे स्टेट में वैट लागू हो चुका है। वैट लगने के बाद जैसा माननीय मंत्री जी ने कहा कि इन्टर स्टेट चैक बैरियर पर इस को चैक किया जाता है लेकिन विद-इन स्टेट भी इस फार्म की मांग है। आफिस में रिटर्न के साथ यह फार्म दिया जाता है। जब असैसमेंट का वक्त आता है तो आफिस में कापी की नॉन-अवेलेब्लिटी की आड़ में व्यापारी को परेशान किया जाता है वैट लागू होने के बाद इस बात पर मंत्री जी विचार करें। सरकार इस निर्णय को ले सकती है कि विद इन स्टेट इसको हटा दिया जाए जिससे व्यापारियों को फायदा होगा। सरकार को कोई नुकसान नहीं होगा।

श्री विनोद कुमार शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इन्टर डिस्ट्रिक्ट इस्तेमाल नहीं है मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि अगर ऐसा कहीं इन्टर डिस्ट्रिक्ट है तो हम इस पर विचार करेंगे और इसको विद-इन स्टेट सिम्पलीफिकेशन किया जायेगा।

Allotment of Land to Ch. Devi Lal Momorial Trust

*76. **Sh. Karan Singh Dalal :** Will the Minister for Industries be pleased to state the details of the Municipal and other urban lands in the State which have been transferred to Ch. Devi Lal Memorial Trust during the period from 2001-2002 to 2004-2005 ?

Industries Minister (Shri Lachhman Dass Arora) : During the period from 2001-2002 to 2004- 2005, no Municipal Land in the State has been transferred to Ch. Devi Lal Memorial Trust. However, the State Government had, in December, 2004, permitted Municipal Council, Narnaul, to sell a piece of land measuring 7110 sq. yards to this Trust. Municipal Council, Narnaul has reported that till date no allotment letter has been issued to the Trust. Haryana Urban Development Authority has reported that no land or plot has been allotted or transferred to this Trust during this period.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने जवाब में भी माना है कि अकेले नारनौल में कोई जमीन ट्रांसफर करने की बात चली थी जो ट्रांसफर नहीं हो सकी। साथ ही इन्होंने कहा कि हुड्डा की जमीन भी चौधरी देवीलाल ट्रस्ट के नाम नहीं हो सकी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि हरियाणा के हर म्युनिसिपल पार्क में, हरियाणा के हर हुड्डा टाऊन और सैक्टर में चौधरी देवीलाल की मूर्तियां लगातार दुनिया भर के

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

पार्क चौधरी देवीलाल जी के नाम पर खड़े कर दिए गए हैं। किस की इजाजत से कौन से एक्ट के तहत, आपकी म्यूनिस्पिल कमेटीज और हुडा ने ये नाम रखे हैं ? क्या सरकार चौधरी देवीलाल जी का नाम हटवाकर हमारे प्रदेश के रणबांकुरे जिन्होंने हमारे देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहूति दी उन शहीदों के नाम पर इन पार्कों का नाम रखने पर सरकार विचार करेगी ?

श्री लछमन दास अरोड़ा : स्पीकर सर, मेरे आदरणीय साथी ने जो प्रश्न किया है, उसके बारे में मैं विशेष रूप से यह कहना चाहता हूं कि उस वक्त चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की सरकार थी और चौधरी देवीलाल जी उनके पिता जी थे। श्री ओमप्रकाश चौटाला ने इस बारे में किसी से इजाजत लेने की आवश्यकता नहीं समझी, जो जी में आया वह किया और सारे स्टेट को अपने घर की जागीर समझ कर अपने पिता की प्रतिमाएं लगवाई और ये पार्क बनाये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि हरियाणा की जनता जिस प्रश्न का जवाब चाहती थी, इन्होंने माना कि किस तरह से पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने परिवार की राजनीति को बढ़ावा देने के लिए पद और सत्ता का दुरूपयोग किया। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं, कि क्या उन अधिकारियों के खिलाफ और उस मुख्यमंत्री के खिलाफ जिन्होंने अपने पैतृक और अपने पूर्वजों के नाम को बढ़ावा देने के लिए सरकार के पैसे का दुरूपयोग किया, विभाग के कायदे कानूनों की उल्लंघना करके ऐसे पार्क बनाए क्या जगह जगह बने हुए इन पार्कों से उन का नाम हटाकर प्रदेश के शहीदों के नाम पर रखने के काम को बढ़ावा देने का सरकार आश्वासन देगी ?

श्री लछमन दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, जहां तक स्टेट के अधिकारियों का सवाल है मैं स्पष्ट कहने को तैयार हूं कि अधिकारी मजबूर होता है, सरकार उसे मजबूर करने पर आए तो उसे कुछ भी करना पड़ता है। यह हालत ओम प्रकाश चौटाला जी ने अधिकारियों के साथ की हुई थी और उनको मजबूर करके जबरदस्ती उनसे यैस कराई जाती थी। जहां तक नाम बदलने या चेंज करने का सवाल है, तो वह माननीय मुख्यमंत्री जी की पोलिसी पर निर्भर है।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, कर्ण सिंह दलाल जी ने जो सवाल उठाया है वह बहुत ही वाजिब सवाल है कि जो हमारे शहीद हैं पूरी स्टेट को उनकी इज्जत करनी चाहिए। आम आदमी अपने घरों में आराम से सोते हैं और ये लोग हमारी सीमाओं की रक्षा करते हैं और अपने प्राणों की बाजी खेल रहे होते हैं, चाहे वह कारगिल की लड़ाई हो, चाहे आज की कोई और लड़ाई हो। जो शहीद हुए हैं या स्वतंत्रता संग्राम में फ्रीडम फाइटर रहे हैं। सरकार यह कंसीडर करेगी कि उनके नाम के स्टैच्यू लगें या उनके नाम से कोई और कार्य हों।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि जो पानीपत, सोनीपत, करनाल और हरियाणा में हर जगह जी०टी० रोड पर बड़े बड़े पार्क चौधरी देवीलाल के नाम से बने हुए हैं और उनमें देवीलाल जी के बुत लगे हुए हैं। काफी बिल्डिंग्ज भी बनी हुई हैं, इन सबके डिवैल्पमैंट पर सरकार का काफी खर्च हुआ होगा चाहे वह पैसा

हुड्डा का हो या म्यूनिसिपल कमेटीज का हो । I think most of the land belongs to HUDA. अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इन बुतों पर जो रुपया खर्च हुआ है वह पैसा किसने दिया और ये बुत कितने रुपये के बने हैं। इस कार्य के लिए जो जमीन हुड्डा ने दी, वह किसी कायदे कानून के तहत दी या चैरिटी में दी गई, क्या यह जमीन जुबानी दी गई या इसका कोई रिकार्ड है ? इन पार्कों को मेंटेन करने का और इनको डिवैल्प करने का खर्चा किसने दिया ? अगर ये सब अनअथोराइज्ड हैं तो क्या सरकार उन राजनीतिक लोगों से या उन अफसरों से खर्च हुआ सारा रुपया वसूल करेगी ? इसी तरीके से जमीन लोगों से जिस परपज के लिए एक्वायर की गई थी उस परपज के लिए यूज करेंगे? क्या इन बुतों को वहां से रिमूव करके और इनके पैसे चार्ज करेंगे।

श्री लछमण दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, जहां तक इस प्रश्न का सवाल है यह मेरे ज्यूरिडिक्शन का विषय नहीं है, बल्कि यह सरकार की पोलिसी पर निर्भर है। जहां तक अधिकारियों से रुपया वसूल करने का सवाल है इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि अधिकारियों को चाहे कैसे भी टांगे रखें यह सरकार से जुड़े लोगों का काम है। जिन जमीनों पर यह पार्क बने हैं वह जमीनें उस वक्त की सरकार द्वारा अपनी मर्जी से ली गई, किसी को इन्वाल्व नहीं किया गया, अधिकारियों से जबरदस्ती रिपोर्ट करवाकर उन जमीनों पर पार्क बनाए गए।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : क्या वह पैसा वसूला जाएगा । (विघ्न)

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि इन्होंने बार बार एक बात कही की जमीन धक्के से ले ली। संविधान में कानून हैं और कोई किसी से धक्के से जमीन नहीं ले सकता। कानून के दायरे में रहकर सभी काम होते हैं। यदि सरकार को लगता है कि कहीं कोई असंवैधानिक कार्य हुआ है तो सरकार की जिम्मेवारी बनती है कि वह उसकी इन्क्वायरी करवाएं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवीलाल जी उप प्रधानमंत्री भी रहे हैं और फ्रीडम फाइटर भी रहे हैं, और इसके अतिरिक्त देश की राजनीति में भी उन्होंने बहुत अहम भूमिका निभाई है। उनके नाम से जितने भी पार्क हैं, ये सभी उसी का नतीजा हैं। मैं मुख्यमंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं इसके अलावा हरियाणा में ऐसे कितने पार्क हैं जो हमारे शहीदों के नाम से हैं या फ्रीडम फाइटर्ज के नाम से है क्या ये इस बारे में विस्तार से विवरण देने की कृपा करेंगे।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, यह जो सवाल चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला जी ने किया है, इस बारे में मैं पहले ही कह चुका हूं कि जो लोग हमारी सीमाओं के रक्षक रहे हैं या जिन्होंने हमारी आजादी की लड़ाई लड़ी है उनके नाम पर पार्कों, सड़कों और चौराहों आदि के नाम रखेंगे ताकि आने वाली पीढ़ी उनसे प्रेरणा ले और उनमें देश भक्ति की भावना पैदा हो। अध्यक्ष महोदय, 1966 से पहले जब हरियाणा और पंजाब एक प्रदेश था उसका निर्माता हम सरदार प्रताप सिंह कैरों को मानते हैं उनकी हत्या रसोई गांव में हो गई थी। वहां पर हमने जी०टी० रोड पर उनके नाम से एक मैमोरियल बनाने का फैसला लिया है। (विघ्न)

Mr. Speaker : Please listen to me. Hon'ble Chief Minister has replied this question twice.

Vacant Posts of Teachers

*32. **Dharam Pal Singh Malik**
Sh. Sher Singh } : Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) whether the posts of teachers are lying vacant in some Government Schools in Haryana State at present ;

(b) if so, the schools-wise details of the posts lying vacant in Sonepat district along with reason thereof and

(c) if the reply to part (a) & (b) is in affirmative the time by which these posts are likely to be filled up ?

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) :

(a) Yes, Sir.

(b) List of district Sonepat (school wise) of vacant posts of JBT Teachers/all categories of Secondary Teachers is enclosed at Annexure-I and Annexure-I-A. These posts have become vacant due to the retirement, promotion and death of the teachers.

(c) Efforts will be made to fill-up these vacant posts of Teachers as early as possible after following due procedure of recruitment.

Annexure-I

Vacant post of JBT Teachers in Sonepat District as on 30-4-2005.

Sr. No.	Name of the School	Vacant
1	2	3
	B.E.O. Sonepat-I	
1.	GPS Asadpur Nandnaur (G)	1
2.	GPS Badoli	1
3.	GPS Garh Mirakpur	1
4.	GPS Fazilpur	1
5.	GPS Pabnera	1
6.	GPS Sikka Colony	1
7.	Tharu Uldepur	1
8.	GPS Murthal	3
9.	GPS Mirnarpur	1
10.	GPS Gyaspur	1
11.	GPS Machranda	1

1	2	3
12.	GPS Nangli Khurd	1
	B.E.O. Sonepat-II	
13.	GPS Hullaheri	1
14.	GPS Gulna	1
15.	GPS Luhari Tibba	1
	B.E.O. Kharkhoda	
16.	GPS Gorar (B)	1
17.	GPS Barona	1
18.	GPS P. Pur Kirholi	1
19.	GPS N.P. Majra	1
20.	GPS Nirthan	1
	B.E.O. Rai	
21.	GPS Atterna	1
22.	GPS Rasoi	1
23.	GPS Dahisra	1
24.	GPS Depalpur	1
25.	GPS Jakholi (B)	1
26.	GPS Jakholi (G)	1
27.	GPS Patia	1
28.	GPS Manoli	1
29.	GPS Bhera Bankipur	1
30.	GPS Jhundpur	1
31.	GPS Pubsara	1
32.	GPS Badhmalik	1
	B.E.O. Gannaur	
33.	GPS Agawanpur	1
34.	GPS Atail (G)	2
35.	GPS Atail (B)	1
36.	GPS Bharua Rasulpur	4
37.	GPS Ahulana	2
38.	GPS Bali Qutabpur	5

[Capt. Ajay Singh Yadav]

1	2	3
39.	GPS Bega	4
40.	GPS Garhipeer	2
41.	GPS Garhi Bilanda	1
42.	GPS Datauli	3
43.	GPS Khori Taga	3
44.	GPS Ghasauli	3
45.	GPS Gannaur Mandi-I	1
46.	GPS Gannaur (G)	1
47.	GPS Chirasmi	3
48.	GPS Bhakarpur	1
49.	GPS Garhi Kalan	1
50.	GPS Moi Majri	2
51.	GPS Kailana	1
52.	GPS Dubheta	1
53.	GPS Tewari	4
54.	GPS Kheri Gujjar	4
55.	GPS Khubru (B)	2
56.	GPS Samaspur Gamra	1
57.	GPS Udeshi Pur	1
58.	GPS Purkhas	1
59.	GPS Purkhas (G)	1
60.	GPS Shekhpura	1
61.	GPS Pugthala	4
62.	GPS Sardhana	3
63.	GPS Bajana Khurd	3
64.	GPS Bajana Khurd (G)	1
65.	GPS Bajana Kalan	3
66.	GPS Sanpera	2
67.	GPS Umedgarh	1

1	2	3
68.	GPS Ramnagar	3
69.	GPS Garhi Jhanjara	2
70.	GPS Gumar (B)	2
	B.E.O. Gohana	
71.	GPS Mughalpura	1
72.	GPS Nagar	1
73.	GPS Anwali	2
74.	GPS Anwali (G)	1
75.	GPS Tihar Kalan	1
76.	GPS Rabbra	1
77.	GPS Rabbra (G)	1
78.	GPS Sikanderpur Majra	1
79.	GPS Bali Brahman	1
80.	GPS Jasrana (G)	1
81.	GPS Giwana	1
82.	GPS Lath	2
83.	GPS Katwal	2
84.	GPS Jauli	2
85.	GPS Kheri Damkan	1
86.	GPS Vazirpura	1
87.	GPS Mahra	1
88.	GPS Bhaiswan Khurd	1
89.	GPS Chhanna	1
90.	GPS Putni	2
91.	GPS Moi Hooda	5
92.	GPS Rewara	1
93.	GPS Dhanana	1
94.	GPS Dhanana (G)	1
95.	GPS Mirjapur Kheri	4
96.	GPS Madina	1
97.	GPS Chhichhrana	1

[Capt. Ajay Singh Yadav]

1	2	3
98.	GPS Kathura (G)	1
99.	GPS Kehalpa	1
100.	GPS Chhapra	1
101.	GPS Ahulana	1
	B.E.O. Mudlana	
102.	GPS Banwasa	3
103.	GPS Bhawar (B)	5
104.	GPS Bhawar (G)	1
105.	GPS Nizampur (B)	1
106.	GPS Gharwal	3
107.	GPS Bhutana (B)	1
108.	GPS Bhutana (G)	1
109.	GPS Butana Kundu	2
110.	GPS Butara Khetlan	1
111.	GPS Gangana (G)	1
112.	GPS Hooda Wala	1
113.	GPS Jagsi (B)	3
114.	GPS Mataud	4
115.	GPS Bichpari (B)	1
116.	GPS Bichpari (G)	1
117.	GPS Garhi Ukhan	1
118.	GPS Khandrai (B)	1
119.	GPS Chhatehra	2
120.	GPS Busana	1
121.	GPS Sirsad	2
122.	GPS Mundlana (B)	3
123.	GPS Chidana	1
124.	GPS Dhurana	1
125.	GPS Jwahara	6
126.	GPS Samri (G)	2
127.	GPS Samri (B)	1

1	2	3
128.	GPS Kakana Bhadsi	1
129.	GPS Gamri	1
130.	GPS Kasandi	1
131.	GPS Kasanda	1

Note:—**Vacant posts of JBT Teachers in the District Sonepat = 212**

Excess JBT Teachers in the District Sonepat

(i)	No. of schools having 1 teachers in excess. 59x1	= 59
(ii)	No. of schools having 2 teacher in excess. 32x2	=64
(iii)	No. of schools having 3 teacher in excess. 10x3	=30
(iv)	No. of schools having 4 teacher in excess. 6x4	=24
(v)	No. of schools having 5 teacher in excess. 1x 5	= 5
Total No. of excess teachers in Sonepat District		**= 182**
Net Vacant posts in the District Sonepat		**= 30**

Annexure-IA

School wise Vacancy Position of District Sonepat as on 30-4-2005

S.No	Name of school	Principal	Lecturer	S.S. Master	S.C. Master	Math Master	Agri. Master	E&HE	H.SC. Mistress	Hindi TR	SKT. TR	DRG. TR	PTI	Punjabi Teaher	Total
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
	G.S.S.S.														
1.	Ahelana	0	0	2	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	4
2.	Ahulana (G)	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2
3.	Akbarpur Barota	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
4.	Anwali	0	5	2	2	0	0	1	0	0	0	0	0	0	10
5.	Aterna	1	5	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	7
6.	Bajana Khurd	1	3	1	-	1	0	1	0	0	0	0	0	0	6
7.	Banwasa	0	1	3	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	5
8.	Baroda	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	2
9.	Baroli	1	4	3	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	8
10.	Badwasni	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
11.	Bhainswal Ki (B)	0	4	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	7
12.	Bhainswal Ki (G)	0	3	1	2	0	0	1	0	0	0	0	0	0	7
13.	Bhatgaon	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1

[Capt. Ajay Singh Yadav]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
14.	Bhawar	1	2	2	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	6
15.	Bhidal (G)	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2
16.	Bhigan	0	3	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	4
17.	Bichpari	0	7	4	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	13
18.	Bidhlan	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	4
19.	Butana (B)	1	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
20.	Butana (G)	0	2	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	5
21.	Chichrana	0	4	3	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	8
22.	Chirana	0	4	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	7
23.	Deepalpur	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
24.	Farmana (B)	0	2	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4
25.	Farmana (G)	0	3	3	0	1	0	1	0	0	0	0	0	0	8
26.	Gannaur (B)	0	6	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	8
27.	Gannaur (G)	0	6	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	9
28.	Gangana	0	5	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	8
29.	Gharwal	0	6	1	2	1	0	1	0	0	0	1	0	0	12
30.	Ghasouli	1	3	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	6
31.	Gohana Mandi	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
32.	Gohana (G)	0	10	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	12
33.	Gannaur	0	3	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	4
34.	Jagsi	0	4	3	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	9
35.	Jakholi (G)	0	4	3	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	8
36.	Jasrana	0	1	2	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	6
37.	Jauli	1	3	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6
38.	Juan (B)	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2
39.	Juan (G)	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2
40.	Kalyana	0	1	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
41.	Kakroi	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
42.	Karewari	0	5	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	6
43.	Kathura (B)	0	6	3	1	1	0	1	0	0	0	0	0	0	12
44.	Kathura (G)	0	5	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	8
45.	Khanpur Ki	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
46.	Kharkhoda (G)	0	3	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5
47.	Kheri Gujjar	0	3	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	6
48.	Khabru	1	3	1	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	6

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
49.	Kiroli P Pur	1	5	3	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	11
50.	Kundli	0	2	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5
51.	Mt. Sonepat	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
52.	Mahra	0	6	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6
53.	Mandora	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
54.	Matindu	0	3	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4
55.	Murthal (B)	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
56.	Murthal (G)	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
57.	Nahra (G)	0	4	4	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	10
58.	Nahri (G)	0	4	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6
59.	Nangal Ki (G)	0	3	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6
60.	Nuran Khera (G)	1	5	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	8
61.	Pipli Khera	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2
62.	Purkhas	1	2	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	5
63.	Rabhra	0	5	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	7
64.	Rajlu Garhi	1	3	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	5
65.	Rindhana	0	2	1	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	6
66.	Robat	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
67.	Rohna (G)	0	2	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
68.	Saidpur	1	1	1	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	4
69.	Saragthal	1	4	2	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	8
70.	Shamri	1	6	4	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	14
71.	Shehzadpur	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2
72.	Silana (G)	0	2	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	3
73.	Sisana (B)	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
74.	Sisana (G)	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	2
75.	Sonepat (G)	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	4
76.	Tajpur	0	1	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	3
77.	Tewri	1	4	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	6
78.	Tihar Malik	1	3	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	5
79.	Bali Brahman	1	6	2	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	9
80.	Baroda (G)	1	6	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	7
81.	Dhanana	1	6	2	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	10
82.	Gohana (B)	1	6	1	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	8
83.	Jakholi	1	6	2	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	10

[Capt. Ajay Singh Yadav]

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
84.	Jatola (G)	1	6	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	8
85.	Kamaspur	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
86.	Madina (G)	1	6	4	2	0	0	1	0	1	0	0	0	0	14
87.	Mandori (G)	1	6	1	0	0	0	1	0	0	0	0	1	0	9
88.	Shahpur Turk	1	6	1	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	9
	G.H.S.	H.M.													
89.	Bindroli	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
90.	Chitana	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
91.	Garhi Bala	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
92.	Guhna	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
93.	Halalpur	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
94.	Halalpur (G)	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
95.	Harnana Ki	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
96.	Janti Ki	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
97.	Jetheri	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
98.	Katlupur	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
99.	Khanda (G)	0	0	3	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	5
100.	Kharkhoda	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
101.	Khewra	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
102.	Kami	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
103.	Mehndipur	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	3
104.	Nahri	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
105.	Nakloi	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
106.	Nangal Ki	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
107.	Pai	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
108.	Pinana	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	2
109.	Rohna	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
110.	SS Majra	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
111.	Sohti	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
112.	Thana Khurd	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
113.	Masad (SPT)	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1
114.	Raipur	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
115.	GHS Kurar	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
116.	Saboli	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	3

1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
117. Kundal	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
118. Kiroli P Pur	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
119. Barona	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	2
120. Anayat	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
121. Bhainswan Khurd	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
122. Bichpri (G)	1	0	3	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5
123. Busana	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
124. Chetehra	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	4
125. Jagsi (G)	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	4
126. Jawahra	0	0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	2
127. Kasandi (G)	1	0	2	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	5
128. Khanpur Ki (G)	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
129. Khanpur Khurd	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
130. Kheri Daukan	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
131. Lath	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
132. Mahmudpur	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	2
133. Mudiana	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
134. Rindhana (G)	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	4
135. SP Majra	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
136. Sirsad	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
137. Siwarka	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
138. Thaska	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
139. Bhandri	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
140. Dhurana	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
141. Kohla	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
142. Katwal	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	2
143. Mohra	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
144. M. Pur Kheri	1	0	1	0	1	0	0	0	1	0	0	0	0	3
145. Jauli (G)	1	0	2	1	1	0	0	0	1	0	0	0	0	5
146. Giwana	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
147. Agwanpur	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
148. Bajana Ki	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
149. Bali Kutubpur	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
150. Bega	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2

[Capt. Ajay Singh Yadav]

1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
151. Kheri Tega	0	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
152. Khijarpur Ahir	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
153. Iarnoli	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
154. Moi Majri	1	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	3
155. Panchi Jatan	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
156. Purkhas (G)	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
157. Rajpur	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
158. Sanpera	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
159. Sardhana	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
160. Sekhpura	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
161. Pugthala	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
G.M.S.	Head													
162. A.P. Majra	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
163. Baroda (G)	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	3
164. Asadpur Nandnaur	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
165. Atali	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
166. Bhawar (G)	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3
167. Bhara Rasulpur	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
168. Dhurri	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
169. Bibilan	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
170. Nohla	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
171. Chatia Aulia	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
172. Chathera Bahadurpur	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
173. Chhapra	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3
174. Chiraami	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
175. Dadwa	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
176. Gangana (G)	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
177. Garh Mirakpur	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
178. Garhi Hakikat	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
179. Garhi Kalan	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2
180. Garhi Kesri	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1
181. Isapur Kheri	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3
182. Jat Joshi	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
183. Jhinjoli	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
184. Kahalpa	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	3
185. Khari Dahiya	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
186. Khizarpur Jat Nara	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
187. Kamashpur (G)	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

1 2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
188. Lalheri Kalan	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
189. Liwaspur	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
190. Machari	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
191. Manoli	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
192. Matand	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
193. Mundlana (G)	1	0	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
194. Nagar	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
195. Nahra (G)	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	2
196. Saina Tatarpur	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
197. Nangal Khurd	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
198. Nasirpur Bangar	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
199. Nimampur	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
200. Pubsara	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	4
201. Pipli	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
202. Puthi	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2
203. Ram Nagar	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
204. Rane Kheri	1	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	3
205. Rahmana	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2
206. Ridkue	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
207. Rolad Latifpur	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
208. Safia Bad	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2
209. Saiya Khera	1	0	2	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	4
210. Salarpur Majra	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
211. Sewli	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	2
212. Sohri	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
213. Shahpur Taga	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	2
214. Shamri	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
215. Teha	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
216. Turkpur	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	2
217. Khanpur Kalan	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
218. Wazirpura	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
219. Dhuhheta	1	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
220. Bakhtawarpur	1	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1
221. Mimarpur	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1
222. Kheri Manajit	1	0	1	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	2
223. Pubners	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0
Total	**110**	**27**	**4**	**248**	**69**	**11**	**2**	**52**	**0**	**6**	**12**	**16**	**23**	**1 820**

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, सर्व शिक्षा अभियान के तहत अभी रिक्रूटमैंट्स की जा रही हैं, इसके बारे में मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या जो रिक्रूटमैंट्स की जा रही हैं उन्हें इन्हीं पोस्टों को फिलअप करने के लिए इस्तेमाल किया जायेगा ? इसके साथ-साथ मैं यह भी बताना चाहता हूं कि कुछ टीचर्ज़ रिटायर्ड हो रहे हैं, कुछ की परमोशन हो रही है और कुछ की डैथ हो गई है जिसके कारण अध्यापकों की काफी पोस्टें खाली हो गई हैं। ये पोस्टें पिछले चार-चार साल से खाली पड़ी हैं। जिस तरह मशरूम फैलती है उस तरह पिछली सरकार के समय में स्कूलों को अपग्रेड कर दिया गया । क्या स्कूलों के अपग्रेडेशन को दोबारा से हमारी सरकार कंसीडर करेगी ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी ने सर्व शिक्षा अभियान का जिक्र किया, मैं इनको बताना चाहता हूं कि ज्यादातर जो हमारे टीचर्ज़ हैं उनकी ही पोस्टिंग कर रहे हैं तथा कुछ पोस्टें कंट्रेक्ट पर भी भरी जायेंगी। मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि तकरीबन 1587 जे०बी०टी० और 9755 सैकेण्डरी अध्यापकों की पोस्टें खाली हैं। 15 जुलाई के बाद जो पोस्टें भरी हुई हैं उनको रैशनलाईज करके और ट्रांसफरज़ करने के बाद जो भी पोस्टें खाली बचेंगी उनको कंट्रैक्ट के बेस पर भरने के बारे में हम सोच रहे हैं और तकरीबन 15 अगस्त तक यह कार्य पूरा कर देंगे।

Mr. Speaker : This is the last supplementary. एक मिनट का समय रह गया है। धर्मपाल जी, आप अपना सप्लीमैंट्री पूछिये।

श्री धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को यह बताना चाहता हूं कि रूरल और रिमोट एरियाज़ में ऐसे-ऐसे स्कूल्ज हैं जिनमें 18-18 अध्यापकों की पोस्टें खाली पड़ी हैं और फिर हम कहते हैं कि रिज़ल्ट ठीक नहीं आया । इस बारे में मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि शहरों के स्कूलों में जो सरप्लस स्टाफ हैं क्या उसे ट्रांसफर करके रूरल और रिमोट एरियाज़ के स्कूल्ज में भेजा जायेगा ताकि वहां बच्चों की ठीक तरह से पढ़ाई हो सके ?

श्री अध्यक्ष : अब प्रश्नकाल समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज़ पर रखे गए
तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Remittance of the Amount of Electricity Bills

***70. Sh. Ram Kumar Gautam :** Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to remit the amount of outstanding electricity bills in rural areas of the State ?

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली बिलों की बकाया धन राशि को माफ करने का निर्णय पहले ही ले लिया है।

Canal Based Water Works of Daungra Ahir Village

***98. Rao Dan Singh :** Will the Minister for Transport be pleased to state—

(a) the time by which the canal based water works under construction in village Daungra Ahir of district Mahindergarh is likely to be completed togetherwith the present position there of; and

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to construct canal based water works in Palpal Gadda, Nihalawas, Kuksi and Kherki villages of district Mahindergarh; if so, the time by which the said canal based water works will be constructed in these villages ?

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला)

(क) श्रीमान् जी, गांव दौंगड़ा अहीर में नहर पर आधारित जलधर 31-12-2005 तक पूरा होने की संभावना है । इस पर 50 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है।

(ख) जी हां, 7 गांवों, नामत: पल्ल, धाल, गडानियां, निहालावास, कूकसी, खेड़की और बैरावास में जल आपूर्ति के लिए गांव बैरावास में 193.00 लाख रुपये की लागत से नहर पर आधारित जलधर बनाने का प्रस्ताव है। उक्त प्रस्तावित योजना दो वर्ष में पूरी होने की संभावना है।

Security Provided to Persons in the State

***110. Sh. Naresh Malik :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the number of persons in the State to whom security has been provided by the Government;

(b) the number of persons to whom Y category and Z category security has been provided ; and

(c) the number of persons to whom security has been provided on the direction of the Court and their own expenses.

मुख्य मंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा)

(ए)	राज्य में कितने व्यक्तियों को सरकार द्वारा सुरक्षा प्रदान की गई	= 351
(बी)	कितने व्यक्तियों को वाई श्रेणी और जैड श्रेणी सुरक्षा प्रदान की गई, और	= वाई - 06 = जैड - 01 = जैड + -02
(सी)	किसने व्यक्तियों को न्यायालय के आदेशानुसार और उनके अपने खर्चे पर सुरक्षा प्रदान की गई	= न्यायालय के आदेशानुसार - 16 = अपने खर्चे पर -11

अल्प सूचना प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker : Next question is a short notice question by Sh. S.S. Surjewala. Will the Hon'ble member please read out his question ?

Construction of a Modern Hospital at Kaithal

***120. Sh. Shamsher Singh Surjewala :** Will the Minister for Health be pleased to state —

(a) whether it is a fact that the Civil Hospital at Kaithal is in a very bad shape both from the point of view of building accommodation as well as of the staff and equipment; and

(b) if so, whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a new Modern Hospital at Kaithal with super specialities ?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी) :

(क) जी नहीं, श्रीमान्।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

इसके अलावा अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने शॉर्ट नोटिस प्रश्न के जरिये से जो सवाल पूछा है मैं आपके माध्यम से विनम्रता से उनको बताना चाहूंगी कि कैथल के हॉस्पिटल की पूरी हालत खराब नहीं है। कुछ हिस्से अवश्य खराब हैं जिनको दोबारा बनाये जाने के बारे में विचार किया जा रहा है । जो उपकरण हैं वे सही हैं। इसके अतिरिक्त स्टाफ की भी कमी है जो जल्दी ही पूरी कर दी जायेगी।

श्री एस० एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री महोदया जी से जानना चाहूंगा कि मैंने कैथल से जब इस सवाल के जवाब के आंकड़े इकट्ठे किए और पी०डब्ल्यू०डी० विभाग ने बिल्डिंग के बारे में जो रिपोर्ट दी उसने काफी डर पैदा कर दी। फिर भी उन्होंने जो लिखा वह यह है कि जो ऑपरेशन थियेटर और रैम्प हैं वे खराब हो चुके हैं और पीछे जितनी भी बिल्डिंग थी या स्टाफ क्वार्टरर्ज थे वे भी खराब हैं और उनको अनसेफ डिक्लेयर कर दिया गया है। जो सामने का फ्रन्ट है उसकी मुरम्मत की जरूरत है क्योंकि ऐसी सूरत में सरकार यह कहती है कि होस्पीटल की हालत उतनी खराब है जो खण्डहर की होती है। अध्यक्ष महोदय, मैं इनका शुक्रिया अदा करता हूं कि इन्होंने नया अस्पताल बनाने का आश्वासन दिया है कि नया अस्पताल बनाने के बारे में सोचा जा रहा है। स्पीकर सर, इसके साथ ही मैं माननीय मन्त्री महोदया से यह भी पूछना चाहता हूं कि क्या यह बात सच है कि हुड्डा ने सैक्टर-18 में होस्पीटल के लिए जगह देने के लिए ऑफर की है। हालांकि इसकी फाईनल पेमैंट नहीं हुई है लेकिन अण्डर सैक्शन 6 के नोटिस जारी हो चुके हैं । हुड्डा ने 15 एकड़ जमीन होस्पीटल की नई बिल्डिंग बनाने के लिए ऑफर कर दी है जो शहर के अन्दर है। हालांकि यह जगह शहर की घनी आबादी के अन्दर तो नहीं है लेकिन जो बाईपास है उसके ऊपर है और यह जगह शहर के नजदीक है। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मन्त्री महोदया से यह जानना चाहता हूं कि क्या वे जल्दी ही इस जगह पर होस्पीटल तामीर करवाएंगी ?

बहिन करतार देवी : स्पीकर सर, माननीय सदस्य ने ही यह सूचना हमारे डिपार्टमैंट को दी थी और कमिश्नर के साथ एक मीटिंग भी हुई है जिसमें मैं भी शामिल हुई थी लेकिन डिपार्टमैंटल तौर पर हुडा डिपार्टमैंट से अभी तक कोई बात नहीं हुई है। जो भी प्रक्रिया है उसको अपनाये जाने के बाद ही कोई सही बात कही जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी हमारे बहुत ही सम्मानित हैं, मैं उनसे यह कहूंगी कि सारी स्थिति का उनको पता है। इसके बारे में हमारे सामने एक और बात भी है कि दादरी होस्पीटल में भी ऐसी ही हालत है। वहां के सदस्यों की मांग पर यह होस्पीटल शहर से कुछ बाहर बनवा दिया गया है लेकिन वहां की जनता आज भी जहां पुराना होस्पीटल था वहीं पर होस्पीटल को बनाने की बात कह रही है और उनकी मांग पर वहां पर केवल एक डिस्पैंसरी चालू की है और आउटडोर डिस्पैंसरी वहां पर चल रही है। वहां पर बड़ा होस्पीटल इतना कामयाब नहीं है। मैं माननीय सदस्य से यह अनुरोध करूंगी कि एक बार फिर बैठ कर उस पर विचार कर लेंगे और फिर उसके बाद उस पर निर्णय कर लेंगे । (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, जैसे कि हमारे माननीय सदस्य ने कहा है कि कैथल सिविल होस्पीटल की इमारत की हालत बहुत ज्यादा खराब है और वाकेय में ही जितनी इमारत की हालत बुरी है उतनी ही बुरी हालत डॉक्टरों की भी है। वे मरीज को देखते ही रैफर टू पी०जी०आई० का पर्चा काट देते हैं। जो कुछ ऐसे मरीज हैं जो उन्हें पैसा देने में सक्षम हैं उन लोगों से पैसा लेकर कुछ समय के बाद उनको प्राईवेट होस्पीटल के लिए रैफर कर देते हैं ये होस्पीटल उनके कैथल में ही चल रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मन्त्री महोदया से यह जानना चाहूंगी कि क्या ऐसे डॉक्टरों के खिलाफ वे कार्यवाही करेंगी ? स्पीकर सर, इसके साथ ही साथ मैं यह भी कहना चाहूंगी कि वहां पर जो उपकरण हैं उनकी भी हालत बहुत खराब है। उपकरणों की दृष्टि से नये उपकरण खरीदने की बजाय जिन उपकरणों की हालत खराब है वह कुछ रिपेयर से सुधर सकती है। माननीय स्वास्थ्य मन्त्री जी से मेरा निवेदन है कि वे इस बारे में पूरा ध्यान दें। कलायत हल्के में भी जो हमारी सी०एच०सी० है और पी०एच०सी० के उपकरण पड़े हैं उनके ऑपरेटरज हमारे पास नहीं है जिसके लिए हमने मांग की हुई है (विघ्न) वहां पर भी डॉक्टर पेशैंटस को देखते ही रैफरड टू कैथल कर देते हैं और कैथल के डॉकटर्ज पेशैंटस को देखते ही रैफर टू पी०जी०आई० कर देते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय स्वास्थ्य मन्त्री जी से यह कहना चाहती हूं कि ऐसे डॉक्टरों के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

बहिन करतार देवी : स्पीकर सर, कलायत में इस वक्त हमारा एक सी०एच०सी० काम कर रहा है और गुहला, कलायत और कौल तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जिला कैथल में इस वक्त काम कर रहे हैं और माननीय सदस्या ने जो आपत्ति उठाई है मैं मानती हूं कि अस्पताल में जो उपकरण हैं वे खराब हैं। कैथल की स्थिति सही है क्योंकि वहां की विभाग की रिपोर्ट मेरे पास आ गई है। स्पीकर सर, जहां पर भी कोई कमी है उसको ठीक करवाया जाएगा हमारा ध्यान इसी बात पर है कि जो कुछ साधन हमारे पास अवेलेबल हैं उनका पूरा इस्तेमाल किया जाए और मैं यह मान चुकी हूं कि स्टाफ की कुछ कमी है। डॉक्टरों की भी और पैरा मैडिकल स्टाफ की जो कमी है उसको जल्दी ही पूरा कर दिया जाएगा।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी माननीय बहिन जी ने जो शंका जाहिर की है कि हुड्डा ने सैक्टर-18 की जो जमीन देना परपोज किया है वह जमीन शहर से दूर होगी और दादरी की तरह लोग वहां पर भी पुराने होस्पीटल और डिसपैंसरी को रिटेन करने की मांग करेंगे कैथल में इरगिज लागू नहीं होगा। अध्यक्ष महोदय, आप स्वयं जाते हैं क्योंकि यह ऐरिया आपके पड़ौस में ही हैं और यह ऐरिया पहले भी आपका रहा है। स्पीकर सर, मैं इनको दिखा सकता हूं कि हुड्डा ने जो 18 सैक्टर में जमीन परपोज की है वह शहर का नियरैस्ट प्लेस है और अन्दर जो होस्पीटल है वहां पर मरीज जाने के लिए तैयार नहीं हैं। मेरी बहिन जी को कलायत से सदस्या हैं उन्होंने इस बात का वर्णन किया है कि वहां पर सब कुछ बहुत बुरा है इसलिए नयी जगह पर अस्पताल बनाने में कोई शंका की बात नहीं है और उस जगह का बहुत अच्छा इस्तेमाल हो सकता है।

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, यह सूचना माननीय सदस्या द्वारा ही हमें मिली है कि करनाल जीन्द बाईपास के नजदीक हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के सैक्टर 18 कैथल में 10 एकड़ जमीन पर अस्पताल के निर्माण हेतु पैसा लगा दिया है लेकिन अभी स्वास्थ्य विभाग और हुड्डा के बीच में ऐसी कोई बात नहीं हुई है। अध्यक्ष महोदय, कई जगहों पर हुड्डा की लैण्ड पर कई अस्पताल बनाए गए हैं । जैसा कि मैंने माननीय सदस्य जी को पहले भी कहा है कि इस बारे में हम आपस में बैठकर तफसील से चर्चा कर लेंगे।

श्रीमती अनिता यादव : स्पीकर सर, मेरे विधान सभा हल्के में जमालपुर, नाहड़ और कोसली में अस्पताल तो हैं लेकिन वहां पर एक भी डॉक्टर नहीं है। क्या मंत्री जी वहां पर डॉक्टर लगवाने का कष्ट करेंगी ताकि वहां पर पब्लिक को मुश्किल न हो।

बहिन करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहूंगी कि माननीय मुख्यमन्त्री जी की तरफ से यह कह दिया गया है कि जहां पर डॉक्टरों के पद खाली हैं उनको भरा जाएगा इसलिए हम फाईनैंशियल कमिश्नर की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक कमेटी का गठन कर देंगे और डॉक्टरों की भर्ती करके सभी अस्पातालों में डॉक्टरों का इन्तजाम कर देंगे।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव --

(i) हरियाणा राज्य में 9 तथा 10 जून, 2005 की सायं को चक्रवात से हुई जनहानि तथा करोड़ों रुपये की सम्पत्ति के नुकसान सम्बन्धी

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I have received a Calling Attention Notice from Shri Dharampal Singh Malik, regarding the cyclone in the evening of 9th and 10th June, 2005 causing causalities of human beings and damages to the property to the tune of crores of rupees in Haryana State, which has been bracketed with Calling Attention Motion No. 6 given notice of by Dr. Sushil Indora and 5 other MLAs regarding heavy loss of human beings, animals, birds, private and public buildings and various crops particularly cotton crop and other infrastructure in district of Sirsa, Fatehabad, Hisar, Bhiwani and other parts of the State of Haryana on 9th June, 2005 due to unprecedented dust storm and Calling Attention Motion

No. 7 given notice of by Shri Karan Singh Dalal, MLA regarding devastation caused by the storm in the State on 9th June, 2005. I have admitted the same on 15th June, 2005 but it was decided to be taken up today, the 20th June, 2005. Now, Shri Dharampal Singh Malik, may read his notice. Shri Karam Singh Dalal and Shri Sushil Indora, who have given the notce can also raise supplementries.

Ch. Dharampal Singh Malik : Sir, I want to draw the attention of the Government with regard to the matter of urgent public importance that the cyclone in the evening of 9th and 10th June, 2005 has caused casualities of human beings and damages to the property to the tune of crores of rupees in Haryana State and also urged the Government to make a statement on the floor of the House in this regard.

सर्वश्री सुशील इन्दौरा, बलवन्त सिंह, ईश्वर सिंह पलाका, रामफल, सहिदा तथा सीता राम एम०एल०एज०, इस महान सदन का ध्यान एक अत्यन्त लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहते हैं कि 9 जून, 2005 को अभूतपूर्व आंधी के कारण जिला सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी तथा हरियाणा राज्य के अन्य भागों में, जन, पशुओं, पक्षियों, प्राईवेट तथा सार्वजनिक इमारतों तथा विभिन्न फसलों विशेषकर कपास की फसल तथा अन्य आधारभूत ढांचों की भारी क्षति हुई है।

इसलिए वे सरकार से निवेदन करते हैं कि वह इस अत्यन्त लोक महत्व के विषय पर उस द्वारा की गई कार्यवाही के संबंध में सदन में एक वक्तव्य दें।

श्री कर्ण सिंह दलाल, एम०एल०ए० इस महान सदन का ध्यान राज्य में 9 जून, 2005 को तूफान से हुए विनाश के संबंध में एक अत्यन्त लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहते हैं।

वह सरकार से अनुरोध करते हैं कि राज्य में जिलावार जन, पशुओं तथा सम्पत्तियों को हुए नुकसान तथा सरकार द्वारा प्रभावित परिवारों को दी गई या दी जाने वाली प्रस्तावित सहायता के संबंध में सदन में एक वक्तव्य दें।

वक्तव्य—

उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी राजस्व मन्त्री द्वारा

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Mr. Speaker Sir, Haryana is an agrarian State with 75% of its population working in the field of Agriculture, contributing to the economy of the State. The Government is very anxious to safeguard the interest of the farmers. Whenever the farmers as well as the general public suffer any loss due to damage to the crops their dwelling units or cattle as a result of natural calamities, the Government would like to compensate them adequately.

A high velocity storm struck many parts of the State on 9/10th June, 2005 causing heavy damage to life and property. The damage caused by this storm was particularly heavy in Sirsa, Fatehabad, Hisar, Bhiwani, Jind and Rohtak Districts. As per reports received from the Deputy Commissioners, there were 24 human

[Capt. Ajay Singh Yadav]
deaths (6 in Fatehabad, 7 in Sirsa, 3 in Hisar, 2 in Bhiwani and 2 in Sonepat and one each in Jind, Kaithal, Mahendergarh, and Yamuna Nagar). Out of 7 deaths in Sirsa, the cause of 4 deaths is still being ascertained. In addition to this 122 Cattle deaths have also been reported. By this high velocity storm many trees were upfooted, electric poles were broken, transformers were damaged and reports about the damage to houses have also been received. The district-wise detail is attached at Annexure-A. Road transport, power and telephone services were disrupted but the District Administration swung into action immediately and all these essential services were restored quickely.

The Chief Minister, Haryana visited Sirsa and Fatehabad districts on 12-6-05 to personally see the havoc caused by this storm. He was distressed to see that the storm had caused extensive damage and announced that the next of the kin of the deceased would paid an ex-gratia grant of Rs. 2.00 lacs each. In addition to that he also announced that for the loss of Cattle the owners would be paid the following compensation :-

Sr. No.	Category of Animal	Relief norms since 1995	Relief announced by Hon'ble CM
1.	Camel	Rs. 4,000/- per animal	Rs. 10, 000/- per animal
2.	Buffalo	Rs. 5,000/- per animal	Rs. 10,000/- per animal
3.	Cow	Rs. 4, 000/- per animal	Rs. 5,000/- per animal
4.	Sheep/goat	Rs. 300/- per animal	Rs. 2,000/- per animal

For human beings the compensation amount is Rs. 2.00 lac.

The Deputy Commissioners have been directed to compensate the victims as per the relief norms announced by the Chief Minister.

All the Deputy Commissioners in the State have been directed to get the special girdawari conducted of the area affected by the storm at the earliest and to send reports to the Government immediately. The damage reports so received by the Government will be considered for taking as appropriate decision on the question of compensation. Full reports regarding damage to dwelling units is yet to be received after which the question of compensation will be decided.

The State Government is fully alive to the situation, the entire system was quickly geared up and the essential services were restored. I would like to assure this August House that the Government would duly compensate the affected persons and a proposal to revise the norms of compensation is under consideration.

Annexure-A

Districtwise details of damage due to storm on the night of 9/10-6-05

Sr. No.	District	Human deaths	Cattle deaths	House collapse	Approximate damage to property	Damage to crops
1	2	3	4	5	6	7
1.	Ambala	-	-	-	-	-
2.	Bhiwani	02 (7 injured)	-	1	Rs. 8,63,000 (One poultry farm damaged, Damage to one factory, 120 trees uprooted.)	Loss being assessed
3.	Fatehabad	06	46	81	Rs. 2,47,34,773 (One tractor, dry fodder, wheat Household goods, loss to electric installations, Forest Department and M.C. Fatehabad)	Loss being assessed
4.	Faridabad	-	-	-	-	-
5.	Gurgaon	-	-	-	-	-
6.	Hisar	03 (2injured)	18	Cracks in many houses	Rs. 9,50,000 (Due to fall of wall, roof, burning of dry fodder etc.)	Loss being assessed
7.	Jind	01	-	-	Rs. 21,00,000 (Damage to 700 electric Poles, 1110 trees uprooted, 20 transformers damaged)	Loss being assessed
8.	Jhajjar	-	-	-	Rs. 62, 000 (Loss in one fire incident)	Loss being assessed
9.	Kaithal	01	-	-	Rs. 1,40,000 (Due to burning of dry fodder and house damage)	Loss being assessed
10.	Karnal	-	-	-	Electric poles damaged-1000 Transformers damaged-195	Loss being assessed
11.	Kurukshetra	-	-	-	9 Electric poles damaged	No loss to crops
12.	Mahendergarh	01	-	-	5 trees uprooted	No loss to crops
13.	Panipat	-	-	-	-	No loss to crops
14.	Panchkula	-	-	-	-	No loss to crops

[Capt. Ajay Singh Yadav]

1	2	3	4	5	6	7
15.	Rohtak	-	-	-	Rs. 10,47,600/- (Turi & Burada of about 4100 Qtls. burnt, Electric Poles of main and small lines broken and transformers were also damaged).	No loss to crops
16.	Rewari	-	-	-	-	Being assessed
17.	Sonepat	02 (one injured)	-	-	Rs. 25,90,000/- (198 Electric Poles and 56 Transformers damaged)	Being assessed
18.	Sirsa	07	52	-	Rs. 1,71,00,000/- (loss to electric installations and loss of trees etc.)	Being assessed
19.	Yamunanagar	01	06	-	-	Being assessed
	Total	**24**	**122**	**82**	**Rs. 4,95,87,373/-**	

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : स्पीकर सर, मौसम विभाग इस बारे में पहले चेतावनी देता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अगर इनकी तरफ से चेतावनी दी गयी थी तो उसके क्या परिणाम रहे ? क्या कोई किसी प्रकार की सूचना मौसम विभाग ने पहले दी थी और अगर दी थी तो उस पर क्या ऐक्शन हुआ ? मौसम विभाग द्वारा क्या वार्निंग दी गयी ? इसके साथ ही इन्होंने यह कहा है कि इस तूफान से सोनीपत जिले में दो कैजुअलटीज हुई थीं। मैं उनको बताना चाहूंगा कि यह दो नहीं बल्कि तीन कैजुअलटीज हुई थीं। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या उस बीज का पूरा ब्यौरा वे मंगवाएंगे ?

श्री अध्यक्ष : मलिक साहब, आप सप्लीमैंट्री पूछें। आपने तो इतने क्वैश्चन कर लिए हैं कि अब तो मंत्री जी जवाब भी भूल गए होंगे।

चौ० धर्मपाल सिंह मलिक : अध्यक्ष महोदय, मैं इन लोगों के नाम बता देता हूं। एक भैंसवाल खुर्द गांव का बलजीत सिंह जोकि झीवर बिरादरी का जवान लड़का था, उसकी मौत इस तूफान में हुई थी, इसी तरह से सुभाष पुत्र श्री मुंशी राम, गोहाना का लड़का था उसकी मौत इसमें हुई थी। एक आदमी सोनीपत शहर में मरा था। इसके अलावा एक सुमित्रा पत्नी श्री धर्मपाल भी इस तूफान से इफैक्टेड हुई थीं। मैं मंत्री जी से इनके बारे में जानना चाहूंगा कि क्या सरकार इनकी कोई मदद करेगी।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा था कि क्या पहले इस तूफान की सूचना मौसम विभाग से मिल गयी थी। मैं इनको बताना चाहूंगा कि यह तूफान अचानक आया था इसलिए इसकी कोई सूचना हमारे ऐडमिनिस्ट्रेशन को नहीं मिली थी। आम तौर पर तो मौसम विभाग बता देता है लेकिन चूंकि यह तूफान अचानक आया था इसलिए इसके बारे में पहले रिपोर्ट या चेतावनी नहीं मिल पायी। जहां तक सोनीपत जिले में तीन डैथ केसिज की बात है, हमारी सूचना दो केसिज में डैथ और एक केस में इंजर्ड होने की है। अगर धाकेथ में तीन लोगों की डैथ

हुई थी तो हम इस बारे में डी०सी० से असर्टन कर लेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि ऐसा पहली बार हुआ है कि प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री स्वयं वहां पर गए हों और लोगों को रिलीफ देकर आये हों। इससे पहले इनके श्रीमान जी तो घर में ही बैठे रहते थे। सरकार के लोग ऐसी जगहों पर जाते ही नहीं थे। लेकिन हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी स्वयं 24 घंटे में वहां पर जाकर आये, Can you imagine that within 24 hours, the Chief Minister of the State himself goes there? अध्यक्ष महोदय, अगर मैं इनकी थोड़ी पोल खोलूं तो इनको पता चल जाएगा। जो ये मुआवजा दिया करते थे उसके क्या रेट थे, यह मैं बताना चाहूंगा। इनके समय में अनइरिगेटिड एरिया के लिए चार सौ रुपये प्रति एकड़, ऐवरेज इरीगेटिड एरिया के लिए एक हजार रुपये प्रति एकड़ और पैरीनियल क्राप्स के लिए 1600/- रुपये प्रति एकड़ मुआवजे के रूप में दिए जाते थे लेकिन हमारी सरकार आने के बाद ये नोर्म्ज हमने चेंज किए हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि इनके रेटस से ये करीबन दुगने हैं। जो रिवाइज्ड नोर्म्ज हैं वह मैं बताना चाहूंगा। जो रेटस इन्होंने दिए थे उससे हमारे रेटस काफी ज्यादा हैं। 1500 रुपये प्रति एकड़ व्हीट के हमने अलग से कम्पनसेशन के रूप में दे रखे हैं। इन्होंने जो टोटल पैसा दिया वह 13.83 लाख एकड़ जमीन के ऊपर 64.73 करोड़ रुपया दिया और हमारी सरकार ने केवल 2.4 लाख एकड़ जमीन पर 60 करोड़ रुपया दिया है, इस तरह यह इतना बड़ा अंतर है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते ही हैं कि जब स्टोर्म आया तो लकरीबन हमने 60 करोड़ रुपया प्रभावित लोगों को दिया केवल 2.48 एकड़ पर, हमारा जो नॉर्म है। (विघ्न)

परिवहन मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : आन ए-प्वांएट आफ आर्डर सर, अध्यक्ष महोदय, यह बड़ी खेदजनक बात है कि पिछली सरकार जो अपने आपको किसानों की हितैषी सरकार कहा करती थी जो उन्होंने 1-1 एकड़ जमीन का 25-25 पैसे मुआवजा दिया। स्पीकर साहब, आपके विधान सभा क्षेत्र के किसानों ने आपको बताया होगा। इन्होंने 50 पैसे, 25-25 पैसे और 12-12 पैसे का मुआवजा किसानों को दिया है।

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, आज सत्तापक्ष के सदस्य और पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर यह दावे कर रहे हैं कि हमारी सरकार ने 10-10 पैसे 25-25 पैसे का मुआवजा दिया है। मैं इनसे पूछना चाहूंगा कि क्या हमारी सरकार ने वर्ष 2001 में 600 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक का मुआवजा किसानों को नहीं दिया था। हमारी सरकार ने सारे का सारा 233 प्रतिशत मुआवजा बढ़ाने का काम किया था जबकि इस बार वर्तमान सरकार ने 25 से 50 प्रतिशत मुआवजा बढ़ाने का काम किया है। क्या इन्होंने गिरदावरी के नियमों में संशोधन कर दिया है ? जिन लोगों की एक कनाल जमीन है क्या उनको भी एक किल्ले का भी मुआवजा मिलेगा, क्या मंत्री जी इस बारे में बताने की कृपा करेंगे ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, बलवंत सिंह जी जो बात कह रहे हैं मुझे बड़ा अफसोस है कि इन लोगों ने जिस नॉर्म के तहत दिया था वह केवल 50 परसैंट से ऊपर जो नुकसान हुआ था उस पर दिया था, 400 रुपये पर एकड़, 1000 रुपये पर एकड़ और 1600 रुपये पर एकड़ के हिसाब से मुआवजा दिया था, जहां तक डैमेज की बात है 26 परसैंट से 50 परसैंट जहां फसल डैमेज हुई हमने उसका कम्पनसेशन 1500 रुपये पर एकड़ के हिसाब से व्हीट के लिए दिया और अदर क्रॉप्स के लिए 1250 रुपये पर एकड़ के हिसाब से कम्पनसेशन दिया था। हमने तो 26 परसैंट से लेकर 50 परसैंट तक के नुकसान पर भी किसानों को मुआवजा दिया था,

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

जबकि ये लोग तो इतने नुकसान पर कम्पनसेशन दिया ही नहीं करते थे। हमने 51 प्रतिशत से लेकर 75 प्रतिशत तक व्हीट के लिए 2250 रुपये पर एकड़ के हिसाब से कम्पनसेशन दिया है और अदर क्रॉप्स के लिए 1875 रुपये के हिसाब से मुआवजा दिया है। 100 परसैंट नुकसान पर हमारी सरकार ने व्हीट के लिए 3000 रुपये और अदर क्रॉप्स के लिए 2500 रुपये मुआवजा दिया है। आप की सरकार तो किसान के साथ मखौल किया करती थी और उनको 25-25 और 50-50 पैसे मुआवजा दिया करते थे।

डॉ० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा भी इस कालिंग अटैंशन मोशन में नाम है और मोस्ट अफैक्टिड एरिया मेरा सिरसा और फतेहाबाद जिला है। मैं पार्लियामैंट के मैंबर के तौर पर वहां का रिप्रजैंटेटिव भी रहा हूं। वह एरिया सबसे ज्यादा अफैक्टिड रहा है। नैचुरल कैलेमिटी ऐसी आपदा होती है जिसमें सबको मिलकर और सबका सहयोग लेकर उसका सामना करना चाहिए। इसकी बजाय हम यहां पर एक दूसरे को क्रिटीसाइज कर रहे है और कह रहे हैं कि आपने यह नहीं दिया, हमने वह नहीं दिया। पिछली सरकार की कहीं कोई मजबूरी रही होगी जिसके कारण वे ज्यादा कम्पनसेशन नहीं दे पाए होंगे। आप लोग मानवता के नाम पर भी राजनीति कर रहे हैं यह बड़ी ** की बात है।

श्री अध्यक्ष : यह शब्द रिकार्ड न किया जाए ?

Shri Randeep Singh Surjewala : On a point of order sir, Speaker sir, I seriously object the words which the Hon'ble Member is saying. सवाल मानवता की राजनीति का नहीं है। इंदौरा साहब, मैं आपके विधान सभा के क्षेत्र का रिकार्ड निकालकर ला सकता हूं जहां 25-25 पैसे मुआवजा दिया गया है।

डॉ० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का धन्यवादी हूं कि वे गए और उन्होंने वहां जाकर लोगों का हालचाल पूछा और उनकी मदद की । जो सच्चाई है उसको कहने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आज के दैनिक अखबार में छपा हुआ है। That has not been re-established जो इंफ्रास्ट्रक्चर है उसकी आज भी वहां दिक्कत है। जो सड़कें टूट गई थीं, जो खंभे गिर गए थे वे आज भी वैसे ही गिरे पड़े हैं और उनमें कोई सुधार नहीं हुआ है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इस नैचुरल कैलेमिटी में जो नुकसान हुआ है जो आदमी मारे गए, उन सात में से तीन आदमियों के बारे में तो ये सर्टन हैं, उनके साथ न्याय होगा कि नहीं। किसान की नरमें और कपास की फसल का इसमें स्टोर्म में सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आप तो किसान के बेटे हैं आप इस बात को अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि किसान दोबारा से नरमा कपास बो नहीं सकते। सरकार की कोई ऐसी पोलिसी है कि जिन किसानों का नरमा का खर्चा 10-15 हजार रुपये प्रति एकड़ आता है। क्या किसान को 20 हजार रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से नरमें के नुकसान का मुआवजा देने का काम करेंगे।

Mr. Speaker : Dr. Sahib, You are delivering the speech. Now he has understood your question. Please sit down.

डॉ० सुशील इन्दौरा : सर, यह बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है। जिन गरीबों के मकान गिर गए हैं और वे दोबारा मकान नहीं बना सकते, क्या उनको घर बनाने के लिए अच्छी राशि देने का काम सरकार करेगी ?

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया ।

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, सरकार ने स्पैशल गिरदावरी करवाने की इन्सट्रैक्शंज दे दी हैं। जो मकान टूट गये हैं उनका सर्वे भी किया जा रहा है। उसके बारे में नार्म्ज भी बना रहे हैं। पहली सरकार के समय में तो मुआवजे की राशि बहुत कम होती थी हमने उसको रिवाईज किया है। असैसमेंट करने के बाद जितना मुआवजा बनेगा उस हिसाब से पैसा प्रभावित लोगों को दिया जायेगा। हमने 50 हजार से 2 लाख तक मुआवजा कर दिया है। पहली सरकार के समय तो अनइरीगेटिड जमीन का 400 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा होता था। 1000 रुपये प्रति एकड़ अश्योरड इरीगेटिड जमीन का मुआवजा होता था। 1600 रुपये प्रति एकड़ पैरेनियल जमीन का मुआवजा होता था। इस सरकार ने मुआवजा की राशि को तीन गुणा किया है। इन्दौरा साहब, सिरसा में एक करोड़ 71 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। जिसमें इलैक्ट्रिक पोल भी गिरे हैं। इन सब चीजों को सामान्य करने में थोड़ा समय तो लगेगा। सरकार काम कर रही है, हम इन्फ्रास्ट्रक्चर को ठीक करने में लगे हुए है, आपको सरकार का धन्यवाद करना चाहिए कि माननीय मुख्यमंत्री जी वहां स्वयं जाकर आये हैं। आपकी सरकार के मुख्यमंत्री जी तो आराम से बैठे रहते थे। माननीय मुख्यमंत्री जी मौके पर गये हैं और सारी समस्याओं का निदान किया है। सभी प्रभावित लोगों को कम्पैंसेशन मिल गया है, इसके बावजूद भी विपक्ष के लोग सन्तुष्ट नहीं हैं (विघ्न)

(ii) फरीदाबाद तथा दिल्ली के विभिन्न उद्योगों द्वारा छोड़े गए तेजाब तथा निस्राव से युक्त गन्दे पानी संबंधी।

Mr. Speaker : I have received a Calling Attention Notice from Shri Karan Singh Dalal regarding contaminated water alongwith foil of acid and affluent discharge by the various industries of Faridabad and Delhi. I admit it. Now, Shri Karan Singh Dalal, may read his notice.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान एक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि आगरा नहर तथा गुड़गांव नहर और फरीदाबाद जिले के विभिन्न रजबाहों में फरीदाबाद तथा दिल्ली के विभिन्न उद्योगों द्वारा छोड़ा गया तेजाब तथा निस्राव से युक्त गन्दा पानी बह रहा है तथा भूमिगत जल खराब/दूषित हो रहा है। पशु तालाबों तथा नहरों में इस प्रकार का पानी पीने को मजबूर हैं जिसके परिणामस्वरूप पूरे फरीदाबाद जिले में कैंसर, अन्धापन, हैपाटाईटस तथा तपेदिक जैसी विभिन्न बीमारियां फैल रही हैं।

मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह इस संबंध में सदन में एक वक्तव्य दें।

वक्तव्य—

उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी राजस्व मन्त्री द्वारा

Revenue Minister (Capt. Ajay Singh Yadav) : Mr. Speaker Sir, the water in Agra Canal/Gurgaon Canal is released from Okhla Head regulator and availability of water upstream Okhla Head regulator is mainly from the return flow of Delhi City. There are 22 drains of Delhi and 2 drains from Uttar Pradesh, which are releasing untreated/partially treated sewage/industrial effluents into River Yamuna which make the river water polluted.

[Capt. Ajay Singh Yadav]

The matter regarding pollution in river Yamuna is pending in Hon'ble Supreme Court in writ Petition (Civil) No.725 of 1994. The Hon'ble Supreme Court in its recent order dated 12-4-2005 mentioned that it is an admitted fact that this matter is pending in this court for the last ten years having been taken up on a news item appearing in one of the leading newspapers, titled "And Quiet Flows The Maily Yamuna", concerning the polluted water in Delhi. Various orders have been passed by the Hon'ble Supreme Court with a view to solve the problem and to make the authorities concerned to implement the laws. Unfortunately, things have not improved; rather they have deteriorated. Admittedly, a large quantity of untreated sewage goes to River Yamuna, which is one of the major reasons for the pollution of the Water. The main reasons for continuing pollution of River Yamuna in Delhi pointed out are:—

(A) Lack of dilution capacity ;

(B) Siltation and Collapse of Sewerage system; and

(C) Gap in Treatment Capacity.

In regard to (B), it has been pointed out that system is silted to the extent of fifty to seventy per cent and has collapsed at a number of places with the result that it is not capable of conveying the entire quantity of intercepted sewage to the respective Sewage Treatment Plants. As per information furnished to Hon'ble Supreme Court by Govt. of India about forty eight per cent of waste water was discharged untreated into the River Yamuna, which is a very alarming situation.

There is no drinking water supply scheme based on Canal Water drawn from Gurgaon Canal/Agra Canal. It is further informed that there is no contamination of water supply from the tube-wells drilled in the vicinity of Gurgaon Canal and Agra Canal in District Faridabad, hence spreading of disease like hepatitis and Cancer cannot be attributed to pollution in Gurgaon/Agra Canal. T.B. And Blindness are not caused by water borne infection. Further, there is no out break of any disease in animals due to drinking of contaminated water either from ponds/ canals and no adverse effect on the health of the animals in District Faridabad.

There is no direct discharge of any industrial effluent into Gurgaon Canal/ Agra Canal and in its distributaries in District Faridabad. Further, the results of various samples collected on 20-4-2005 by the team of HSPCB and Environment Department show PH value varies from 7.8 to 8.4 which clearly indicates that the water of Gurgaon Canal/ Agra Canal is not acidic, rather it is alkakli.

Under National Water Quality Monitoring Programme of Central Pollution Control Board, the Haryana State Pollution Control Board is monitoring the water quality of river Yamuna before it entires Delhi near village Palla i.e. Haryana Delhi Border jointly with the Central Pollution Control Board. The water quality of river Yamuna at Vill. Palla remains 'C' class *i.e.* Biochemical Oxygen demand ranges from 1.44 mg/1 to 1.98 mg/l against the permissible limit of 3.0 mg/l. However, after river Yamuna passes through the metropolitan city of Delhi, it becomes a virtual sewer

containing high BOD as there is no fresh water availability in river Yamuna after Wazirabad Water Works. Thus the water received by Gurgaon Canal/Agra Canal through Okhla Head is badly polluted containing high BOD. The Haryana State Pollution Control Board has collected samples of water of Gurgaon/Agra Canal on 20-4-2005 from various points in District Faridabad and the results of the samples collected show that the BOD level in Agra Canal and Gurgaon Canal is very high which ragens from 27 to 34 mg/I against the permissible limit for class 'C' water of 3.0 mg/I.

The Pollution problem of Gurgaon Canal/Agra Canal is mainly because of Delhi. Being an inter-state pollution problem, the matter has been taken up by Haryana State Pollution Control Board and State Government with the Central Pollution Control Board & Ministry of Environment & Forests, Govt. of India, requesting them to direct the State of Delhi to ensure the release of only treated sewage into river Yamuna.

श्री कर्ण सिहं दलाल : अध्यक्ष महोदय,. माननीय मंत्री महोदय ने अपने जवाब में उन सारी बातों को माना था जिन की वजह से हमारे जिले फरीदाबाद और मेवात के लोग बहुत दूषित पानी जोहड़ों में डालने के लिए विवश हो रहे हैं। यह दूषित पानी धरती के नीचे जाकर पानी के जो प्रकृति के स्त्रोत हैं उनमें मिल जाता है और वही दूषित पानी बोर के माध्यम से नलकूपों के जरिए ऊपर आ रहा है जिसे इन्सान भी पी रहे हैं और पशु भी पी रहे हैं। अध्यक्ष महदोय, यही दूषित पानी हमारे इलाके में खेती बाड़ी में सिंचाई के लिए यूज होता है जिसकी वजह से कृषि के उत्पादन में इसका साफ असर दिखाई देता है और तरह-तरह की बीमारियां फैल रही हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो इन्होंने अपने जवाब में यह कहा कि किसी नाले या रजवाहे में कारखानों का वेस्ट नहीं छोड़ा जा रहा है क्या यह सही है ? इनकी यह जानकारी ठीक नहीं है।

Mr. Speaker : Dalal Sahib, please put the supplementary. You are delivering the speech.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं सप्लीमैंट्री पर ही आ रहा हूं कि क्या मंत्री जी विभाग से दोबारा पूछेंगे कि फरीदाबाद में किन-किन इण्डस्ट्रिज का वेस्ट नालों और रजबाहों में नहर महकमें की इजाजत के बिना छोड़ा जा रहा है। इस वेस्ट में कई तरह के रासायनिक तत्व मौजूद होते हैं जो फसल और पर्यावरण के लिए हानिकारक होते हैं। क्या इस बारे में मुझे चिट्ठी लिखकर सूचित किया जायेगा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं पहले ही अपने जवाब में बता चुका हू कि फरीदाबावद के एरिया में कहीं पर भी कैनाल बेस्ड वाटर सप्लाई स्कीम नहीं चल रही वहां पर डीप बोर टयूबवेलों के जरिये पानी दिया जा रहा है। जहां तक कैटल्ज की बात है इस बारे में एनिमल हस्बैंडरी विभाग की चिट्ठी आई हुई है कि उस पानी के पीने से कैटल्ज पर कोई फर्क नहीं पड़ रहा है। अध्यक्ष महोदय, यह बात हम मानते हैं कि दिल्ली इण्डस्ट्रीज के गंदे पानी के कुछ सीवर रूट्स आलरैडी बने हुए हैं जिसके कारण वहां 3 एम०जी० के एगेंस्ट 17 से 24 एम०जी० पोल्यूशन रेट हो गया है। अगर मेरे माननीय साथी के पास कोई ऐसी इन्फोर्मेशन है कि वहां की इण्डस्ट्रीज का

[कैप्टन अजय सिंह यादव]

वेस्ट हरियाणा के एरिया में आ रहा है तो हमें बताये हम उस पर कार्यवाही करेंगे। इसके अतिरिक्त मैं मेरे माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हम इस बारे में पूरे सजग हैं और हमारी सरकार की तरफ से कई लैटर्ज दिल्ली सरकार को लिखे गये हैं। और इन्वायरनमैंट विभाग को, पोल्यूशन विभाग को, जल बोर्ड को भी पत्र लिखे हैं। महोदय, इन सभी लैटर्ज की कॉपियां मेरे पास हैं और मैं आदरणीय मैंबर को पूरी जानकारी दे सकता हूं । सुप्रीम कोर्ट ने बाकायदा अपनी रूलिंग में कहा है कि इससे बुरी बात नहीं हो सकती है। कि पिछले दस साल से कोई कार्यवाही न तो सैंट्रल पोल्यूशन बोर्ड कर रहा है और न दिल्ली गवर्नमैंट कर रही है। माननीय मुख्यमंत्री जी की तरफ से भी डी०ओ० लैटर लिखा जा रहा है। और मैं स्वयं जाकर उनके मुख्यमंत्री जी से बात करूंगा कि वे इस बारे में आवश्यक कदम उठायें। हम फरीदाबाद से पूरी तरह कंसर्न्ड हैं। वहां पर जो अन लाईंड एरियाज हैं उनमें यदि कोई हैंड पम्प या शैलो वैल्ज का पानी पीने के लिए इस्तेमाल कर रहा हो तो वहां गंदे पानी का असर हो सकता है लेकिन जो डीप बोर ट्यूबवैल हैं उनका पानी बिल्कुल ठीक और पीने योग्य है। उन पर किसी तरह के गंदे पानी का असर नहीं पड़ रहा।

Shri A.C. Chaudhary: Speaker Sir .....(Insterruptions)

Mr. Speaker : A.C. Chaudhary ji, this is not the procedure. This is not the rule. Let us follow the rules. I am sorry. Please take your seat.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से आश्वसन चाहता हूं कि जैसा सिंचाई मंत्री जी ने जवाब में कहा है और माना है कि पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड हमारा विफल हो चुका है और पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों की औद्योगिक कारखानों से मिलीभगत होने के कारण कोई भी कार्यवाही सही तरीके से अमल में नहीं लाई गई जिसके कारण मामला सुप्रीम कोर्ट में गया। ऐसे अधिकारी जो लोगों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे थे क्या ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी ? उसमें पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी और दूसरे विभाग के अधिकारी भी शामिल हैं जिनकी जिम्मेवारी इस तरह के खतरनाक रसायन युक्त पानी को नहरों में न जाने देने की थी। इन अधिकारियों की लापरवाही तथा वैस्टिड इंट्रस्ट की वजह से इन रजबाहों का पानी पीना तो दूर आप इन रजबाहों और नहरों के पास खड़े भी नहीं हो सकते क्योंकि इन नहरों तथा रजबाहों में बहुत ज्यादा बदबू हो गई है। अध्यक्ष महोदय, यह हमारे इलाके के लोगों के जीवन का सवाल है। मैं आपके माध्यम से सरकार से आश्वासन चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट में लम्बित कार्यवाही को और आगे बढ़ाने के लिए क्या दिल्ली सरकार के खिलाफ हरियाणा सरकार का पर्यावरण विभाग या संबंधित विभाग कोई कार्यवाही अमल में लायेगा ?

कैप्टन अजय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने पहले ही बताया है हम इस मामले से कंसर्न्ड हैं । हमारे मुख्यमंत्री जी दिल्ली सरकार को डी०ओ० लैटर लिख रहे हैं और हम वहां जा भी रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि सुप्रीम कोर्ट ने अपनी जो जजमैंट दी है उसमें बाकायदा लिखा हुआ है कि It seems evident that the Government and its functions & authorities have failed in its public duty and obligations towards the citizens of Delhi. Depite all these years they have not been able to provide clean water to class-C category, which had been directed years

back. स्पीकर सर, मेरे कहने का मतलब यह है कि हम सारी प्रॉब्लम को समझ रहे हैं। माननीय मुख्यमन्त्री जी स्वयं भी इसके बारे में बात करेंगे और मैं स्वयं भी जाकर बात करूंगा। इनकी जो समस्या है हम उसके बारे में जानते हैं। इनकी समस्या बहुत भारी है और इनको पॉल्यूटिड वाटर मिल रहा है। इसके बारे में जो भी उचित कार्यवाही होगी वह हम करेंगे और इसके लिए दिल्ली गवर्नमैंट को भी एप्रोच करेंगे तथा इस बारे में जो भी करैक्ट स्टैप्स होंगे वे हम लेंगे।

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the motion under Rule 15.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker : Question is—

> That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule 'Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move the Motion under Rule16.

परिवहन मन्त्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि—

सभा अपनी आज की बैठक से उठने के बाद अनिश्चितकाल तक स्थगित रहेगी।

Mr. Speaker : Motion moved—

> That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die*

Mr. Speaker : Question is—

> That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned *sine-die*

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गए कागज-पत्र

Mr. Speaker : Now, a Minister will lay the papers on the Table of the House.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I lay on the Table—

1. The 3rd Annual Report of Dakshin Haryana Bijli Vitran Nagam Limited for the year 2001-2002, as required under Section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.
2. The 4th Annual Report of Dakshin Haryana Bijli Vitran Nagam Limited for the year 2002-2003, as required under Section 619-A (3) (b) of the Companies Act, 1956.

विधान कार्य

दि हरियाणा स्टेट इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (रिपील) बिल, 2005

Mr. Speaker : Now, the transport Minister will introduce the Haryana State Industrial Security Force (Repeal) Bill, 2005 and move the motion for its consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to introduce the Haryana State Industrial Security Force (Repeal) Bill, 2005.

Sir, I also beg to move—

> That the Haryana State Industrial Security Force (Repeal) Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

> That the Haryana State Industrial Security Force (Repeal) Bill be taken into consideration at once.

डा० सुशील इन्दौरा (ऐलनाबाद, एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स रि अपील बिल, 2005 जो यहां पर हाउस में प्रस्तुत किया गया है मैं उसका विरोध करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं इसके विरोध में इसलिए खड़ा नहीं हुआ कि हम विरोधी पक्ष के लोग हैं इसलिए इसका विरोध कर रहे हैं। (विघ्न) माननीय मुख्यमन्त्री जी ने जो अच्छे स्टैप्स लिये हैं हमने उनकी तारीफ भी की है। जब वे हमारे हल्के में गए थे तो हमने उनको पूरा सहयोग किया था। अध्यक्ष महोदय, मैं इसका विरोध इसलिए नहीं कर रहा हूं क्योंकि मैं विरोधी पक्ष में हूं। इसके जो उद्देश्य और कारण रखे गए हैं उससे स्पष्ट ऐसा लगता है कि हमारे यहां सामाजिक अव्यवस्था होगी और सारी बातें इस बिल के आखिर में आई हैं इसके उद्देश्यों तथा कारणों में लिखा है कि हरियाणा के लोगों पर किसी हितकर प्रयोजन को प्राप्त किये बिना अनावश्यक भार होगा। वर्तमान गणना के अनुसार बल पर वार्षिक खर्च 47 करोड़ रुपये से अधिक होगा तथा इसकी प्रतिपूर्ति केवल 2.50 करोड़ रुपये के होने की संभावना है। भारी वित्तीय हानि के अतिरिक्त सम्पूर्ण

चयन प्रक्रिया में अनियमितताएं/कमियां नोटिस की गई है। स्पीकर सर, इस बात को विशेष रूप से नोट किया जाए कि वित्तीय हानि के अतिरिक्त सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया में गम्भीर अनियमितताएं कमियां **नोट की गई है।** सर, हमारा देश और हमारा प्रदेश एक वैल्फेयर स्टेट है और हमें रोजगार देना पड़ता है। उस रोजगार को देने के लिए हमें लाभ और हानि को नहीं देखना पड़ता है। अगर हम यह देखें तो शिक्षा से हमें कौन सा लाभ मिलता है फिर भी हम शिक्षा देते हैं, पब्लिक सोशल सर्विस के लिए देते हैं, टीचर्ज को भी नौकरी पर लगाते हैं । (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, मुझे इस की बात पर आब्जैक्शन हैं। इन्होंने कहा है कि शिक्षा से कोई लाभ नहीं मिलता। आपके माध्यम से मेरा यह कहना है कि माननीय सदस्य अपने ये शब्द वापिस लें। अध्यक्ष महोदय, मुझे लगता है कि माननीय सदस्य बहुत बड़ी गलत फहमी के शिकार हैं। उन्हें अपनी बातों को और सोच को भी दुरुस्त करने की जरूरत है। यह सच बात है कि चौटाला साहब यह समझते हैं कि पूरा प्रान्त अनपढ़ रहे और तो और स्पीकर सर, इनकी पार्टी का रहा है कि पूरा प्रान्त अशिक्षित रहे और उनको शिक्षा का लाभ न मिले।

डॉ० सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, मैं यह कहना चाहता हूं कि यहां पर वित्तीय खर्चे की जो बात कही गई है, उसी सदर्भ में मैंने शिक्षा के बारे में कहा है । इसी के साथ मैडिकल खर्चे की और ऐसी ही जितनी भी बातें लें उनके लिए हर वैल्फेयर स्टेट में सरकार की जिम्मेवारी होती है कि वह प्रदेश के लोगों को ये सुविधाएं प्रदान करे। हमारी सरकार ने उस वक्त लोगों की भावनाओं के अनुरूप सर्वे करवाया था ताकि बेरोजगार युवाओं को रोजगार मिल सके। उस वक्त 3500 हरियाणा सुरक्षा औद्योगिक बल के जवानों को ट्रेनिंग दी गई थी और नौकरी पर लगाया गया था। जब इस सरकार का पहला फैसला आया तो आप देखें कि जिला करनाल में मधुबन में एक लड़की ने आत्महत्या कर ली थी, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री जी ने बाद में कम्पनसिशन भी अनाऊंस किया था यानि की यह सामाजिक अव्यवस्था की बात है इसी तरह से सरकार कहती है कि हम 27,000 बच्चों को नौकरियां देंगे, यह सरकार का ऑन दि फ्लोर आफ दि हाउस वायदा है। स्पीकर सर, सदन में जो बात कही जाती है उस बात की अहमियत तब होती है जब वह पूरी करी जाए। स्पीकर सर, माननीय संसदीय मंत्री जी, वित्तमंत्री जी सदन में बैठे हुए हैं। इन्होंने कहा था कि 27,000 लोगों को पिछली सरकार के वक्त चौटाला जी ने हटा दिया था और इस का लांछन हमारे उपर लगाया गया था। इस बारे में इन्होंने कहा था कि उन 27,000 लोगों को हम नौकरियां देंगे, अब उनको नौकरियां देने की बजाए यह सरकार बहाने बना करके 3500 औद्योगिक सुरक्षा बल के कर्मचारियों को, 819 जवानों को जो कि ट्रेनिंग ले चुके थे, उनको नौकरी से निकाल दिया गया है। स्पीकर सर, हम माननीय सुरजेवाला जी की अध्यक्षता में कमेटी के साथ रोहतक मैडिकल कालेज में गए थे और वहां के हालात देखकर तो यह लगता था कि वहां पर और लोगों को रोजगार देना चाहिए। लेकिन इस सरकार ने पैरामैडिकल स्टाफ के 300 कर्मचारियों को निकाल दिया है। इसके साथ ही चौधरी देवी लाल के नाम से जो ट्रस्ट था वहां से भी 200 सपोर्टिंग स्टाफ के लोगों को भी निकाल दिया गया है। यानि कि इन्होंने कोई न कोई बहाना बना करके उनको नौकरियों से निकाल दिया है। स्पीकर सर, माननीय मुख्यमंत्री जी यहां पर बैठे हुए हैं, इन्होंने किसानों के बिलों को माफ किया है और मैंने इनके इन प्रयासों की प्रशंसा भी की थी। स्पीकर सर, यह सरकार 10,000 सुरक्षा कर्मियों को नौकरी देने के बारे में बात करती है। यह जो 10,000 पद भरने वाली बात

[डा० सुशील इन्दौरा]

इन्होंने कही है, मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि ये पद कैसे भर जाएंगे, इस बारे में इन्होंने कुछ नहीं बताया है। इसके अलावा इन्होंने यह कह दिया कि हम किसानों को 1600 करोड़ का लाभ देंगे, ये सदन में यह बताएं कि उससे हरियाणा के कितने प्रतिशत लोगों को फायदा होगा। जबकि मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे जो दलित वर्ग के लोग हैं, व्यापारी वर्ग के लोग हैं, शहरी लोग हैं.....

Mr. Speaker : Please come to the point please speak regarding this Bill only.

डा० सुशील इन्दौरा : 1600 करोड़ रुपये बिजली बिलों के मुआफ करने के बारे में मुख्यमंत्री जी ने जो कहा है उससे स्टेट को कितना घाटा होगा ?

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, बात 1600 करोड़ रुपये की नहीं है, आप इस बिल की बात करें।

श्री सुशील इन्दौरा : स्पीकर सर, एच०एस०आई०एस०एफ० के जो लोग थे, जिनको नौकरियां दी गई थीं, उनसे इस सरकार को कितना घाटा हो रहा था।

Mr. Speaker : Please sit down. Prof. Chhattarpal Ji wants to say something.

Prof. Chhattarpal Singh : Sir, I am saying that Hon'ble Member has nothing to say on this Bill.

Mr. Speaker : I know it. I will request Mr. Indora to confine his argument only qua this Bill, not this way or that way.

Dr. Sushil Indora : Speaker Sir, I am giving the example, I am asking how the losses are there ? I am saying that they have pleaded that the Government has a great loss due to HSISF.

सरकार एक तरफ तो कहती है कि वित्तीय घाटा होगा, सरकार को हानि होगी। अध्यक्ष महोदय, एक वैल्फेयर स्टेट में घाटे की बात नहीं सोची जाती है। ये लोग दावा करते थे कि 27 हजार लोगों को नौकरी देंगे। इन सारी बातों को देखते हुए मैं यह अनुरोध करूंगा कि इस बिल को वापस लिया जाए। अगर सरकार इस बिल को वापस नहीं लेगी तो हम इसके विरोध में सदन से वाक आउट करेंगे।

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, इनको किसी पर तो विश्वास होना चाहिए। हरियाणा सरकार ने हाई कोर्ट से रिक्वैस्ट की है कि सिटिंग या रिटायर्ड जज का कमीशन बिठा दिया जाए। अध्यक्ष महोदय, यह टर्म्ज ऑफ रैफरैन्स है। इसलिए इनको विश्वास होना चाहिए। अब इनका असली चेहरा बेनकाब होगा। (शोर एवं व्यवधान) अब ये बातें बेनकाब हुए बिना नहीं रह सकती हैं। (विघ्न)

डा० सीताराम : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनें।

Mr. Speaker : Sita Ram ji, what are you saying. Please take your seat. This is not the way. (Interrupations). Arjan Singh ji, Please speak.

राजस्व मंत्री (कैप्टन अजय सिंह यादव) : आन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, ये जनता के दोषी हैं इसलिए इनको जनता से माफी मांगनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात तो सुनिए।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, अगर आपको वाक आउट नहीं करना है तो आप बैठ जाएं। I request you Mr. Indora, please take your seat. This is not the way. (Interruptions). Nothing to be recorded what he is saying. (Interruptions).

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय * * * *

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, लीडर ऑफ हाउस ने माननीय इन्दौरा जी के वक्तव्य पर आश्वासन दिया है। कमीशन मुकर्रर कर दिया गया है। हाई कोर्ट को सरकार ने लिखा है। इस तरह से हम पूरी पारदर्शी प्रक्रिया अपना रहे हैं लेकिन फिर भी इन्दौरा जी को ऐतराज है तो वे ही बताएं कि सरकार को और कौन सा मसौदा तैयार करना चाहिए ?

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय * * * *

Mr. Speaker : Please take your seat Indora ji. Arjan Singh ji, go ahead. (Interruptions).

चौ० अर्जन सिंह (छछरौली) : स्पीकर सर, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे इस बिल पर बोलने का टाईम दिया । इनको दर्द यूं हो रहा है क्योंकि पहले तो ये लोग पैसा निकाल रहे थे और अब ये पूछ रहे हैं कि पैसा कहां से दोगे। (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने तो बरल ली ईमानदारी ये तो विदेश में पैसा लेकर जाते थे। जिन लोगों ने इनको पैसा दिया था अब वे इनसे पैसा निकालेंगे। (विघ्न)

Mr. Speaker : He is sitting on your side, Indora ji. (Interruptions)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, विपक्ष के साथियों को बात सुननी चाहिए। इनको संसदीय प्रणाली की कुछ परम्पराएं निभानी चाहिएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: अर्जन सिंह जी, आप बोलिए।

श्री अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने तो बोलना ही बोलना है क्योंकि इनको सिखाकर भेज रखा है। चाहे गलत हो या सही इन्होंने बोलना ही है। मैं तो अच्छी बात को अच्छी कहूंगा और गलत को गलत कहूंगा। अध्यक्ष महोदय, जो सरकार जायज काम कर रही है वह सबको अच्छा लग रहा है और जो नाजायज काम ये करेंगे वह भी सबको पता लग जाएगा। जो कुछ हाउस से निकल कर बाहर जा रहा है उसको पब्लिक देख रही है। आज पब्लिक अनजान नहीं है वह अपने फायदे की बात देख रही है। अध्यक्ष महोदय, जो कुछ इन्होंने किया उसका सिला इनको मिल गया। अध्यक्ष महोदय, आज इनको इस बात का पश्चाताप है कि आज ये 57 में से केवल 9 ही रह गये हैं ! (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा जी, आप 9 तो रह गये हो इसमें गलत बात क्या है। (शोर एवं व्यवधान)

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुडडा : अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा जी, पार्लियामैंट में भी हमारे साथ रहे हैं। वहां पर हमने देखा है कि वे बड़े सुधारू रूप से पार्लियामैंट को चलाने में सहयोग देते थे। इनका इस किस्म का बिहेवियर हमने वहां कभी नहीं देखा था। जो रैलेवैन्ट नहीं है उस पर भी ये बोलते हैं। हमारा पूरा प्रयास है कि इस संस्था की जो क्रैडिबिलिटी खत्म हो गयी थी उसको हम कायम करें। लोगों ने हमें चुनकर भेजा है। इसलिए हम उनके लिए काम कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं एक उदाहरण देना चाहता हूं। इसमें कोई ऐसी बात नहीं है। चौधरी धन सिंह फरीदाबाद जिले से कर्ण सिंह दलाल जी के हल्के पलवल से एम०एल०ए० होते थे। एक दिन वे काका होटल, दिल्ली में खाना खाने चले गये। खाना खाने के बाद यहीं कुरली मेज पर कर दी। जब वहां बे— आया तो वह उनसे बोला कि क्या कर रहे हैं। वे बोले मैं कुरली कर रहा हूं। वेटर बोले कि क्या आपने अच्छे होटल में खाना नहीं खाया। वे बोले खाया है। ओबराय होटल में खाया हुआ है, शिमला क्लार्क होटल में खाया हुआ है। वेटर बोला कि क्या उन्होंने आपको खाना खाना नहीं सिखाया। वे बोले सिखाया है और कहा है कि कुरली करनी हो तो काका होटल मे जाओ। तो मैं इनसे कहना चाहूंगा कि विधान सभा को काका होटल न बनाएं। हम विधान सभा की क्रैडिबिलिटी बनाना चाहते हैं। (शोर एवं व्यवधान) मेहरबानी करके ये इस असैम्बली की क्रैडिबिलिटी बनाये रखें।

श्री बलवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता अगर विधान सभा को काका का होटल मान रहे हैं तो क्या यह ठीक है ? (विघ्न)

Mr. Speaker : He is not saying so. (Interruptions). This is wrong. Arjan Singh Ji, go ahead. Mr. Indora, you are making ground. (Interruptions) Nothing to be recorded.

वाक आउट

डा० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय, सरकार हमारी बात नहीं मान रही इसलिए हम इस बिल को वापस न लिए जाने के विरोध में सदन से वाकआउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नैशनल लोकदल के सदन में उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाकआउट कर गए।)

विधान कार्य

दि हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स (रिपील) बिल, 2005 (पुनरारंभ)

श्री अर्जन सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से अपील करना चाहता हूं कि आज चर्चा देहात में बिजली के बिलों की माफी की चल रही है, यह बहुत ही सराहनीय कार्य सरकार ने किया है, मैं इसका समर्थन करता हूं। इसके साथ ही साथ मैं यह भी निवेदन करना चाहता हूं कि यह जो 5 परसैंट या 10 परसेंट वाली बात की गई है मेरी राय यह है कि जिन लोगों ने समय पर बिल भरे हैं उनको भी उतना ही लाभ मिलना चाहिए।

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद) : अध्यक्ष महोदय, जहां तक हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स बिल की बात है, यह तो ठीक है इसको रिपील करना ठीक है लेकिन हमारी तो

*Not recorded as orderdby the chair

सरकार से और मुख्यमंत्री जी से एक प्रार्थना है कि जितने बेचारे इम्पलॉयी हटाये हैं इनको कहीं न कहीं ऐडजस्ट करें। ये बेचारे बहुत पैसा देकर या खुशामद करके नौकरी में लगे होंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं थोड़ी सी बात और कहना चाहता हूं कि आदमी को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। हम विरोध केवल विरोध के लिए नहीं करेंगे, सरकार जो अच्छे काम करेगी, हम उनकी तारीफ भी करेंगे। मुख्यमंत्री जी ने सिरसा कालेज की जो डिसएफिलिएशन की वह बहुत अच्छा काम किया है। विडो, विकलांग और फ्रीडम फाइटर्स और खिलाड़ियों का भत्ता दुगना किया है ये सभी बड़े अच्छे काम सरकार ने किए हैं। इसके साथ ही मैं यह कहना चाहता हूं कि इस सरकार के लोग जनता से जो वायदे करके आए थे कि पिछली सरकार ने जितने कर्मधारी छंटनी किए थे, नौकरी से हटाए थे 27000 कर्मचारी उनको नौकरी में वापस लेंगे। उनका जिक्र माननीय पार्लियामैंट्री अफेयर्स मिनिस्टर साहब भी करते हैं उसके बारे में सरकार ने एक कमेटी बना दी है और सरकार लीपापोती कर रही है। जो कि ठीक बात नहीं है। जो 1600 करोड़ रुपये के बिलों की माफी की बात है, यह अपने आप में एक हिस्टोरिक कदम है लेकिन इसके साथ साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जिन्होंने बिलों की रैगुलर पेमेन्ट की है उन्होंने क्या गुनाह किया है। उनको भी उतना ही लाभ दिया जाए। मुख्यमंत्री जी हम बी०जे०पी० के एम०एल०ए० हैं सिर्फ इसलिए हम सरकार का विरोध नहीं करेंगे। जो अच्छे काम आप करेंगे। उनकी बाकायदा हम तारीफ करेंगे। हम जानते हैं कि आपकी रगों में चौधरी मातू राम जी का खून है जो बहुत बड़े फ्रीडम फाइटर थे। मुख्यमंत्री जी आपने कई ईमानदार अफसर लगाए हैं कई एस०पी० और डी०सी० बदले हैं उनमें बहुत सारे लोग ईमानदार भी हैं लेकिन कई बदनाम अधिकारी अभी भी जिलों में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे हैं। फोर्थ फ्लोर पर भी कई अच्छे ईमानदार लोग लगे हैं लेकिन उनमें से भी कुछ लोग घोटालेबाज हैं और उनमें अभी भी कई लोकदल वाले लोग शामिल हैं। भाई छोकर जी ने कहा था कि आज कल लोग कह रहे हैं कि पहले वाले हैडीक्ड थे केवल टांग टोंग बदली है। कुछ दूसरे लोग अभी भी ऐसे हैं। जो डी०सीज 16.00 बजे और एस०पीज० ऐसे हैं उनको बदल दीजिए। इन आफिसर की तीन जमात होती है एक ईमानदार, दूसरा माडरेट और तीसरा निहायत बेईमान। ईमानदार और माडरेट से काम चलाईए और तीसरे को ठीक करने का जुगाड़ करें। हुड्डा साहब, यहां पर मैं एक बात कहना चाहूंगा कि रात को मैं एक कांग्रेस भाई की शादी में हिसार में था वहां पर लोग खुश थे कि हुड्डा साहब मुख्यमंत्री बने हैं। वहां पर जो चर्चा थी वह मैं बता रहा हूं पहले ये कहते थे कि चौधरी भजनलाल जी मुख्यमंत्री बने फिर लोग कहते थे कि अच्छा हुआ चौधरी भजनलाल जी मुख्यमंत्री नहीं बने क्योंकि वे बन गये होते तो चौटाला साहब और उनकी तो सैटिंग है तो एक ही बात है कि अब हुड्डा साहब को भगवान ने मुख्यमंत्री बना दिया तो चौधरी ओमप्रकाश चौटाला का 100 प्रतिशत डंक दे काढ़ देंगे। लेकिन अभी तक वह डंक नहीं निकला है और न ही उसने जितनी ज्यादती की है उसका हिसाब लिया गया है लोग तो यहां तक कहते थे कि पहले जो गल्त टैक्स लगता था और जब चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने इस स्टेट की सरकार को टेक ओवर किया उस समय रोडी और बजरी का भाव साढ़े पांच रुपये और छः रुपये फुट था जिसको बढ़ाकर साढ़े ग्यारह रुपये कर दिया। माननीय मुख्यमंत्री जी मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि खामक का कल का रेट 14, 15 और 16 रुपये प्रति फुट है। वे कहते हैं कि क्या मुख्यमंत्री जी को पता नहीं है कि रेट्स कितने बढ़ रहे हैं (विघ्न)

Mr. Speaker : Gautam Ji, I am sorry to say that you are going off the track.

श्री रामकुमार गौतम : मुख्यमंत्री जी, आप स्वच्छ और क्लीन हैं तो हम आपके साथ हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गौतम साहब, आप बिल का समर्थन कर रहे हैं या विरोध कर रहे हैं।

श्री रामकुमार गौतम : अध्यक्ष महोदय, अगर स्वच्छ राज चलायेंगे तो हम इनके साथ हैं।

आबकारी एवं कराधान मन्त्री (श्री विनोद कुमार शर्मा) : आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर। जो पिछला राज चला जिसकी आज आप बात कर रहे हैं। वह आपकी बैशाखियों के सहारे ही चला है। वह राज आप चलाने वाले थे और आज आप इस प्रकार की बात कर रहे हैं। लोगों के साथ जो ज्यादतियां हुई हैं उनमें आप लोग भी भागीदार थे।

श्री रामकुमार गौतम : रामकुमार गौतम की न तो पहले बैशाखी थी और न कभी आगे होगी।

श्री विनोद कुमार शर्मा : आज आप जिस ढंग से बात कर रहे हैं आप उतने ही भागीदार हैं आपने सारे काम मिलजुल कर किए हैं सारे काम आप लोगों ने करवाये हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गौतम जी, आप बैठिए। अब श्री कर्ण सिंह दलाल बोलेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जो बिल इस सदन के पटल पर माननीय संसदीय प्रणाली मंत्री जी ने रखा है। इस बिल का भी श्री इन्दौरा साहब और उनके साथियों ने विरोध किया है। अध्यक्ष महोदय, इनको जो तकलीफ बिल से है उसके कई माथने हैं और कई कारण हैं। जैसा श्री गौतम जी कह रहे थे कि पिछले 5 साल में हरियाणा के इतिहास में पिछली सरकार के मुखिया चौधरी ओमप्रकाश चौटाला ने इतनी बेरहमी से इतने गलत तरीके से इस प्रदेश को रौंदा कि लोग त्राहि-त्राहि करने लगे। श्री इन्दौरा जी दलित समाज, हरिजन समाज और बैकवर्ड वर्ग की नौकरियों का जिक्र कर रहे हैं। मैं इन्दौरा जी से पूछना चाहता हूं क्या इनके राज में हरिजन और बैकवर्ड वर्ग की कैटेगरी के लोगों के साथ श्री ओमप्रकाश चौटाला जी ने न्याय किया ? जिस बिल का ये विरोध कर रहे हैं क्या इन्दौरा जी यह जानते हैं कि उन्होंने भर्ती के लिए कोई नियम बनाये ? भर्ती करने के लिए इनकी सरकार ने हरिजन और बैकवर्ड वर्ग के लोगों के लिए कोई प्रावधान नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, एक-एक भर्ती पर दो-दो और तीन-तीन लाख रुपये रिश्वत के इनकी पार्टी के लोगों ने लिए । (विघ्न)

Mr. Speaker : Please come to the Security Bill. You have been discussing on this Bill.

Shri Karan Singh Dalal : Sir, I am speaking on this very Bill. अध्यक्ष महोदय, इनको तो धन्यवाद करना चाहिए। माननीय मुख्यमंत्री जी ने इतनी उदारता दिखाते हुए अपने ब्यान में यह कहा है कि जो साढे तीन हजार बच्चे हटाये गये हैं जब इस प्रदेश में अगली भर्ती होगी तब सहानुभूतिपूर्वक उनको दोबारा स्थापित करने का प्रयास किया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जो कमीशन मुकर्र किया गया है, वह कमीशन मुकर्र करने की कोई जरूरत नहीं थी। यह सदन इस बात का गवाह है कि यहां सदन में बिल आते हैं, बिलों को वापिस किया जाता है मगर कोई पूछने वाला नहीं होता कि क्या कारण है, क्यों ये बिल लाये गये हैं और क्यों यह काम किया गया है और क्यों उनको हटाया गया है। मुख्यमंत्री जी ने मानवता का परिचय देते हुए प्रदेश के लोगों की आस्था इस सरकार में स्थापित करने के लिए, ऐसी मर्यादा कायम की है। इनकी पार्टी के जो मुखिया थे वे आज डर के मारे हिमाचल की वादियों में बैठे हैं। (विघ्न)

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात सुनें।

Mr. Speaker : I have clarified what he has said. वे छुपे नहीं बैठे, वे बैठे हैं, इन्दौरा साहब आप बैठें । (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रशंसा करता हूं आज हरियाणा के लोग उनकी कार्यप्रणाली की निष्पक्षता की इज्जत करते हैं। (विघ्न)

(इस समय कई माननीय सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर बोलने लगे)

Mr. Speaker : Please let me hear. (Interruptions). Whether I should hear all the four members at one time or one member ? (Interruptions)

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है, माननीय सदस्य इस सदन के सम्मानित सदस्य हैं, ओम प्रकाश चौटाला भी इस सदन के सम्मानित सदस्य हैं उन्होंने आपको लिखित तौर में दिया हुआ है कि वे बीमारी की वजह से सदन में नहीं आ सकते।

श्री अध्यक्ष : मैं यही तो कह रहा हूं कि यहां बैठे हैं, छुपे नहीं हैं।

डा० सुशील इन्दौरा : बार बार उन पर आरोप लगाए जा रहे हैं, उनके बारे में बार बार गलत शब्दों का जो प्रयोग किया जा रहा है मेरा अनुरोध है कि उन शब्दों को कार्यवाही से निकलवाया जाए।

श्री एस०एस०सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, आप आरोप लगा रहे हैं, आप इंटरवीन कर रहे हैं। Please take your seat, Indora ji, Shamsher Singh Surjewala ji is on his legs. जब मैंने यह कह दिया कि वे छुपे हुए नहीं बैठे हैं, वे पहाड़ों में बैठे हैं तो बात खत्म हो गई । (विघ्न)

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ...(शोर एवं विघ्न)

Mr. Speaker : Please, take your seats because Senior most member of the House, Surjewala ji, is on his legs. Dr. Indora ji, all of you are misbehaving. (Interruptions).

श्री एस०एस० सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वांयट आफ आर्डर यह है कि इन्दौरा साहब 2 बार पार्लियामैंट में सदस्य रहे अगर इनको रूल्ज नहीं आते तो इनको रूल्ज समझाने के लिए क्लास का इन्तजाम किया जाए ताकि हाउस अच्छी तरह से चल सके। चौटाला साहब के बारे में जो लोग आमक बातें कर रहे हैं तो वे तो ******* से मिलने के लिए गए हैं। (विघ्न)

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, ऐसे शब्द कार्यवाही से निकलवाए जाए।

श्री अध्यक्ष : चौटाला साहब के बारे में जो यह अनपार्लियामैंट्री शब्द कहा है इसको कार्यवाही से निकाल दिया जाए। (Interruptions) I have said it.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, इन्दौरा साहब और इनके दल के लोग हर मुद्दे पर अपनी सीट से खड़े होकर हाउस की वैल में आ जाते हैं। (विघ्न) इनको संसदीय प्रक्रिया का

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

कुछ तो सम्मान करना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, ये संसदीय प्रक्रिया की दुहाई देते हैं। इनकी सरकार के वक्त में हम यहीं बैठते थे और हमने देखा हुआ है कि जब इनके नेता कुर्सी पर बैठा करते थे तो किस प्रकार संसदीय प्रक्रिया का हनन किया करते थे यह बात पूरा हरियाणा और पूरा हाउस जानता है। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात को समाप्त करने जा रहा हूं। मैं सदन में इस बात को आपके सामने लाना चाहता हूं, यह जो बिल सदन में लाया गया है और जिस पर चर्चा हो रही है, मुख्यमंत्री जी ने माननीय उच्च न्यायालय के माध्यम से एक निष्पक्ष जांच समिति का गठन करने का निर्णय किया है। कमीशन आफ इन्कवायरी एक्ट के तहत पिछले दिनों यहां पर जो बिल सरकार लाई थी, यह एक प्रशंसनीय काम किया गया है। इन बातों को हरियाणा प्रदेश में से मिटाना होगा। जिस तरीके से अपने परिवार की राजनीति के लिए प्रदेश को हांका गया और जिस तरीके से अपने लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए हरियाणा के नौजवानों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया गया ऐसे लोगों के साथ सख्ती से पेश आना चाहिए। अंत में मैं इस बिल का समर्थन करता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ए०सी० चौधरी : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। यदि कोई सदस्य या पार्टी किसी एक मुद्दे पर वाक आउट कर जायें तो क्या उसी मुद्दे पर अथवा उसी आईटम पर उन्हें दखल देने का अधिकार है ? क्या यह सदन की मर्यादा के अन्तर्गत है ? जहां तक मेरा ज्ञान है अगली आईटम पर तो वापस आ सकते हैं लेकिन उसी मुद्दे पर वाक आउट के बाद दखल नहीं कर सकते। अध्यक्ष महोदय, आप ही बताने की कृपा करें कि क्या उसी मुद्दे पर दखल कर सकते हैं ? (शोर एवं विघ्न)

प्रो० छत्तरपाल सिंह (सिरसा) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बिल पर बोलने के लिए समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं इस बिल के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के साथियों को कहना चाहूंगा कि ये सदन में जिस किसी बात का विरोध करें उसका इनके पास substantial evidence होना चाहिए। विपक्ष के साथी बिना तथ्यों के ही बातें करते हैं । मैं कहना चाहूंगा कि इनकी पार्टी की तो फिजा ही बिगड़ी हुई है। यदि हालत ऐसी ही रही तो जैसा हमारे साथी जून साहब ने कहा है कि जो इनके पास अब 8-9 सीटें हैं वे भी आने वाले समय में कांग्रेस द्वारा ही भरी जायेंगी। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जैसा अभी ए०सी० चौधरी जी ने कहा कि ये इस मुद्दे पर वाक आउट कर चुके हैं इसलिए they have no right to ask any question. They should keep silence or go away. (शोर एवं व्यवधान) ये लोग इस मामले में वाक आऊट कर चुके हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बलवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये कौन होते हैं हमें सदन से बाहर जाने के लिए कहने वाले । (शोर एवं व्यवधान)

डा० सुशील इंदौरा : अध्यक्ष महोदय,..... (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० छत्तरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, ... (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैंबर साहिबान को यह बात नहीं कहनी चाहिए थी यह मैं मानता हूं। Sadhaura Ji, please take your seat.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैं सभी से नम्र निवेदन करता हूं कि सदन के डैकोरम को बनाये रखें लेकिन ए०सी० चौधरी साहब ने जो बात वाक आउट के बारे में कही है वह सच है कि एक बार यदि कोई सदस्य या पार्टी किसी मुद्दे पर वाक आउट कर जाये तो उसी मुद्दे पर वे नहीं बोल सकते। लेकिन फिर भी माननीय विपक्ष के साथी इस मुद्दे पर बात करना चाहते हैं तो हम उनका स्वागत करते हैं। मेरा उनसे अनुरोध है कि वे माननीय साथी की बात सुनें। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० छत्तरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, आप इनको भी बताओ की इनके समय में यहां क्या-क्या होता था और आज ये इस तरह से बोल रहे हैं। ये अपनी करनी के कारण ही आज अपोजीशन के नेता नहीं बन पाये । (शोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker : I appreciate your feelings. Please take your seat.

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर, अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि इंदौरा साहब और मैं पार्लियामैंट में इकट्ठे रहे हैं। इनको वहां का काफी तजुर्बा है। जिस तरह से ये हर बात पर खड़े हो जाते हैं यह बात इनको शोभा नहीं देती। हम भी यहां बैठे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, ये आपकी इजाजत लेकर जितना मर्जी चाहें बोल सकते हैं लेकिन इस तरह आपकी इजाजत के बिना बार-बार खड़े होना ठीक नहीं है। इस सदन की गरिमा को बनाये रखना हम सबकी जिम्मेवारी है। लोगों ने हम सबको यहां चुन कर भेजा है। जो पहले गलत प्रथाएं यहां पड़ गई थीं उनको अब हमें दोहराना नहीं है बल्कि उन प्रथाओं को खत्म करना है। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० छत्तरपाल सिंह : स्पीकर सर, सरकार के समय में जो Industrial Security Force की रिक्रूटमैंट की गई थी यह बात बिलकुल स्पष्ट हो चुकी है कि इनको जहां-जहां लगाया जाना था उन कंज्यूमर्स की तरफ से जवाब आ चुका है कि हमें इनकी आवश्यकता नहीं है, वे यहां तक कहते हैं कि हम इनका बर्डन नहीं झेल सकते । उन्हें सस्ते में इनसे अच्छी सिक्योरिटी मिल रही है। इसके अतिरिक्त उन्हें चौटाला साहब की सरकार द्वारा रिक्रूट किए गए सिपाहियों पर पूरा यकीन नहीं है यानि वे उन पर कम यकीन करते हैं और चाहते हैं कि they should have their own security system ताकि ईमानदारी से उनकी सुरक्षा करने वाले, व्यक्ति उनके पास रहें । क्योंकि जो फैसले नेतृत्व द्वारा लिए जाते हैं उसका जो प्रतिफल है उस पर भी उसी किस्म की repercussions होती हैं। सभी को अच्छी तरह मालूम है कि पिछली सरकार में किस तरह से रिक्रूटमैंट्स होती थीं। जिन नौजवानों ने पिछली सरकार से नौकरियां खरीदी हों क्या वे ईमानदारी से काम कर पायेंगे ? इन्हीं बातों को लेकर इण्डस्ट्रियलिस्ट डरते थे कि वे तो उनको ही चूना लगाने का काम करेंगे इसलिए उन्होंने आज वर्तमान सरकार को, कांग्रेस की सरकार को हुड्डा साहब की सरकार को अपनी चिंता जताई है कि हमारे ऊपर इस किस्म का बोझ किस लिए और क्यों लादा जा रहा है ? इस किस्म के व्यक्तित्व क्यों लादे जा रहे हैं इसके पीछे मन्शा क्या है ? हरियाणा सरकार ने इस आशंका से कि कहीं रक्षक ही भक्षक न बन जाएं इस बात से बचने के

[प्रो० छत्तरपाल सिंह]

लिए पब्लिक इन्ट्रस्ट में यह उचित फैसला लिया है। 47 करोड़ रुपये सालाना खर्चा है वह हमारी जेब से, किसान और गरीब की जेब से ही जाता है। यह पब्लिक का पैसा है किसी बहुत बड़े उद्योगपति का पैसा नहीं कि जहां भी चाहें उसको बांट दें। ऐसा नहीं है कि यह पैसा सरकार ने हरियाणा के लोगों में बांटना था और अब यह सरकार उसको विदड्रा कर रही है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की सरकार के मुखिया को हमेशा चिन्ता रहती है और हमारे वर्तमान माननीय मुख्य मन्त्री जी ने विशेषतौर पर इस बात की चिन्ता जाहिर की है कि जो किसान की बात है, आर्थिक तौर पर कमजोर व्यक्ति की बात है, मज़दूर की बात है, हरियाणा की जनता की बात है, उसका जो पैसा है वह सरकार के पास सुरक्षित है। वह पैसा कहीं जाया न हो जाए, कहीं गलत जगह पर खर्च न हो जाए इस बारे में हमारे माननीय मुख्य मन्त्री जी बहुत गम्भीर होकर सोचते हैं। स्पीकर सर, इस किस्म के फैसले लेते वक्त बड़ा दर्द होता है और हरियाणा सरकार को बड़े पीड़ित मन से यह फैसला लेना पड़ा क्योंकि इसमें कुछ बच्चों के रोजगार की बात भी involved थी। ये बच्चे भी हरियाणा के बच्चे हैं और उनको न्याय देने के लिए माननीय मुख्य मन्त्री जी ने यह प्रावधान किया है कि जब दोबारा कोई रिक्रूटमैंट होगी तो इसमें उनको कुछ लाभ दिया जाएगा। उनकी ट्रेनिंग हो चुकी है चाहे ये लोग सिफारिशी थे या फाईनैंशियल ऐड से आए थे, चाहे किसी दूसरे माध्यम से आए थे लेकिन सर्विस में आ तो गए थे और उन्होंने ट्रेनिंग भी कर ली है। इनकी ट्रेनिंग पर जो पैसा इस्तेमाल हुआ है वह भी हरियाणा की जनता का पैसा इस्तेमाल हुआ है इसलिए इसका बैनिफिट भी इन बच्चों को मिले इसलिए एक परसैंट इनको इन्टरव्यूज के अन्दर सर्विस में जाने के लिए अतिरिक्त बैनिफिट दिया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, आज की हरियाणा सरकार का ऐसा मानवता का जो दृष्टिकोण है, मैरिट पर काम करने का जो दृष्टिकोण है, यह सब उसका प्रतिफल है। यह जो सामने बैठे हुए पार्टी के साथी हैं इनका तो नज़रिया ऐसा नहीं था। आज तो केवल 3700 लोगों की बात है लेकिन इनको तो 35000 लोगों को निकालते वक्त कोई दर्द नहीं हुआ था और 35 हजार लोगों को एक कलम से नौकरी से निकाल दिया था और महकमें को वाइंड अप कर दिया था। (विघ्न)

Mr. Speaker : Chhattarpal ji, you have conveyed your point. Now you please take your seat.

प्रो० छत्तरपाल सिंह : स्पीकर सर, मैं सिर्फ एक मिनट का समय ओर लूंगा। आज किस तरीके से ये लोग माहौल को डिसरप्ट करना चाहते हैं। आपसे मेरी गुजारिश है कि जैसे कि माननीय श्री सुरजेवाला जी ने कहा था कि सदन में अच्छी फिज़ा को रिस्टोर करने के लिए सदस्यों को ट्रेनिंग की आवश्यकता है। अच्छी फिज़ा बनाए रखने के लिए मैं यह चाहूंगा कि पांच साल के अन्दर कांग्रेस पार्टी की सरकार के नेतृत्व के अन्दर हम समय का अच्छा सदुपयोग करेंगे और हरियाणा के लोगों को भी इससे फायदा पहुंचा सकेंगे। इस बात को मद्देनजर रखते हुए आपसे मेरा निवेदन है कि बशर्ते मेहरबानी इस प्रकार से जो अच्छे बिल्ज हैं उनका हमें समर्थन करना चाहिए और हरियाणा के इन्ट्रस्ट में समय का सदुपयोग करना चाहिए। (विघ्न) स्पीकर सर, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : स्पीकर सर, सबसे पहले तो हाउस की तरफ से मैं आपका शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि वर्षों बाद आपने फिर से पुरानी परम्परा कायम की है और जो लम्हात इस सदन के सामने प्रस्तुत किये गए हैं आपने खुले और उदार दिल से उन पर चर्चा करवाई ।

स्पीकर सर, हमने तो वह समय भी देखा है कि बिल बाद में पेश किये जाते थे और पास पहले करवा दिये जाते थे। स्पीकर सर, इस बिल के बारे में तकरीबन सभी पहलू सरकार ने सदन के पटल पर रखे हैं। हरियाणा में राज्य औद्योगिक सुरक्षाबल के लिए जो भर्ती की गई थी अगर मैं यह कहूं कि यह कानून स्टिल बोरन कानून था तो शायद गलत नहीं होगा। न जाने किस नीयत से पिछली सरकार यह कानून लाई थी। स्पीकर साहब आप जानते हैं कि कानून के अन्दर पहली क्लॉज में ही यह प्रावधान किया जाता है कि सरकार नोटिफिकेशन करके कानून को लागू करे। इस बिल को भी आप देखें इस बिल के शुरू में ही इस बात का प्रावधान किया गया था that Govt. will issue a notification on the day from which the bill will come into effect. स्पीकर सर, न जाने किस बदनीयति से, न जाने किन कारणों से सरकार ने इस बिल को नोटिफाई नहीं किया। (विघ्न) स्पीकर सर, इन्दौरा साहब को अपनी बात कहने का मौका मिला है और ये लोग बॉयकॉट करके फिर हाउस में आए हैं। आपने इनको अपनी बात कहने का मौका दिया है। इन्दौरा साहब, आप हमें सहयोग कीजिएगा और फिर बोलने के लिए मौका लीजिएगा। एक बार मेरी बात सुन लीजिए आपको जवाब देने में मदद मिलेगी। स्पीकर सर, न जाने किन कारणों से गवर्नमैंट ने बिल को नोटिफाई नहीं किया। जैसे कि बिल में लिखा भी है हरियाणा राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल का इस्तेमाल उद्योगों की सुरक्षा के लिए, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के लिए, स्थानीय निकायों के लिए, उपक्रमों के लिए, सरकारी उपक्रमों के लिए, सरकार के लिए इनकी भर्ती की गई थी। यह बल सैल्फ फाईनैंसिंग बल था परन्तु सरकार ने देखा है और हम ऑब्जैक्टिव एण्ड रीजन्ज में लेकर आए हैं कोई एक औद्योगिक प्रतिष्ठान कोई एक फैक्टरी का मालिक भी इस बल में जिन लोगों को नौकरियां दी गई थीं उन सुरक्षा कर्मियों को अपने उद्योग में रखने के लिए तैयार नहीं हुआ। फिर भी मुख्यमंत्री जी ने और सरकार ने चाहा है कि इन लोगों को किसी प्रकार से समायोजित किया जाए और सरकार ने हर जिले से कोन्फैड्रेशन आफ इण्डिशन इण्ड्रस्ट्रीज को, चैबर आफ कॉमर्स को, उद्योगपतियों को, डिस्ट्रीक इण्डस्ट्रीज सैन्टर्ज के माध्यम से सीधे बुला बुलाकर एक-एक से लिखकर मंगवाया कि क्या आप इन सुरक्षा कर्मचारियों को रखने के लिए तैयार हैं। स्पीकर सर, हर व्यक्ति ने केवल एक बात लिखकर दी कि हम इन सुरक्षा कर्मियों को जिनकी तनख्वाह उन लोगों ने देनी थी अपने अपने उद्योगों और कॉमर्शियल आर्गेनाईजेशन में रखने को तैयार नहीं हैं। स्पीकर सर, अब सरकार के पास दो ही चारे थे या तो जबरदस्ती हरियाणा के उद्योगों पर दबाव डाला जाए, हरियाणा के उद्यमियों पर दबाव डाला जाए, दुकानदारों और जो व्यवसायिक प्रतिष्ठान चलाते हैं उन पर दबाव डाला जाए कि अमुक तनख्वाह पर आपको अपने प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए ये कर्मी रखने पड़ेंगे। स्पीकर सर, वरना जो सरकार अब कर रही है, यह ठीक है। इसके अलावा कोई और चारा ही नहीं है। स्पीकर सर, न जाने क्यों पिछली सरकार ने सुरक्षा कर्मी बल में डी०जी०पी० की नियुक्ति नहीं करी और न ही एडिशनल डी०जी०पी० की भर्ती की गई थी। न कोई रूल्ज बनाए गए और न ही कोई कानून बनाए गए, न ही स्पीकर सर, किसी प्रणाली से उन लड़कों और लड़कियों की नियुक्तियां की गई। स्पीकर सर, ऐसा लगता है कि किसी व्यक्ति की इसके पीछे यह मंशा रही होगी कि इन सब का इस्तेमाल किया जाए। स्पीकर सर, इसमें एक्ट भी कभी नोटिफाई नहीं किया गया है। शायद इन बच्चों और बच्चियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की मंशा पिछली सरकार की थी। चुनाव से पहले ही इन नियुक्तियों के करने से ऐसा ही लगता है। स्पीकर सर, आज भी जिस प्रकार से इन सब बच्चों के भविष्य से एक विशेष राजनीतिक दल, जिनके साथी हमारे सामने बैठे हुए हैं, वे एक एक व्यक्ति के घर जाकर, उनको उकसा रहे

[श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला]

हैं और उन्हें आत्महत्या करने के लिए मजबूर कर के लाशों की राजनीति कर रहे हैं। स्पीकर सर, यह हरियाणा के लड़कों और लड़कियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। सच बात तो यह है कि अगर किसी ने खिलवाड़ किया है, अगर किसी ने अन्याय किया है, अगर किसी ने नियुक्तियों में धांधली की है, अगर किसी ने एक्ट नोटिफाई नहीं किया है, अगर किसी ने सैल्फ फाईनांसिंग स्कीम को डिफीट किया है और अगर डी०जी०पी० और ए०डी०जी०पी० की नियुक्ति नहीं की है तो उसके लिए हमारे सामने बैठे हुए साथी जिम्मेवार हैं। इनके नेता को हरियाणा के उन लोगों से, उन अभिभावकों से जिनके वे बच्चे हैं, उन लड़के और लड़कियों से बिना किसी शर्त के माफी मांगनी चाहिए। (विघ्न) इंदौरा साहब, आप मेरी पूरी बात सुने बिना ही फिर खड़े हो गए। आप मेरी पूरी बात तो सुनें। स्पीकर सर, सच बात तो यह है कि इसके बावजूद भी हमारी सरकार ने उदार हृदय का परिचय दिया और माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि हम एक एक ऐसे बच्चे को जिसकी नियुक्ति हुई थी, जब दोबारा से पुलिस फोर्स में नियुक्तियां होंगी तो हम उनको कुछ वेटेज देंगे। इस सरकार को इन 3500 बच्चों के भविष्य की चिन्ता थी। उन सारे लोगों ने जिन्होंने कुकृत्य किया उनकी भी जिम्मेवारी फिक्स करने की आवश्यकता थी। स्पीकर सर, यहां पर कई तरह के इल्जाम लगे हैं। जिनके बारे में माननीय श्री कर्ण सिंह दलाल और अन्य साथियों ने भी चर्चा की है इसलिए मुख्यमंत्री जी ने और इस सरकार ने फैसला किया है कि हम एक ज्यूडिशियल कमिशन का गठन करेंगे और इस बारे में सरकार ने लिखा भी है। इससे दूध का दूध और पानी का पानी हरियाणा के लोगों के समक्ष आएगा। उस ज्यूडिशियल कमीशन की रिपोर्ट हम इसी सदन के पटल पर लेकर आएंगे। जिससे यह पता चलेगा कि वह कौन है जिसने हरियाणा के नौजवानों के भाग्य के साथ खिलवाड़ किया है वह व्यक्ति कौन है जिसने लाशों की राजनीति करी है, वह व्यक्ति कौन है जिसने बच्चों के भविष्य पर प्रश्न चिन्ह लगाया है। स्पीकर सर, इस बात के लिए इनकी आत्मा जरूर इनको कचौटती होगी। उन सारे कर्मचारियों की बददुआएं भी इनके साथ हैं जो कर्मधारी सड़कों के ऊपर घूम रहे हैं। माननीय मुख्यमंत्री जी ने तो यह फैसला किया है कि माननीय वित्त मंत्री जी की अध्यक्षता में इसके लिए एक कमेटी का गठन किया और कहा कि हम सहानुभूति से इस बारे में विचार करेंगे। स्पीकर सर, मैं निवेदन करूंगा कि इस बिल को फौरी तौर पर पास करें।

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana State Industrial Security Force (Repeal) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

वाक-आउट

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, अगर सरकार इस बिल को पास करती है तो हम इसके विरोध में सदन से वाक-आउट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित इंडियन नेशनल लोकदल के उपस्थित सभी सदस्य सदन से वाक आउट कर गये ।)

विधान कार्य

दि हरियाणा स्टेट इण्डस्ट्रियल सिक्योरिटी फोरम (रिपील) बिल, 2005 (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by Clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, a Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद) : स्पीकर साहब, मैं पहले भी कह चुका हूं और अब दोबारा कहता हूं कि जो सरकार यह बिल लायी है वह ठीक है बिल तो पास होना ही चाहिए लेकिन जो बच्चे हैं उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। हमारे नौजवान मंत्री जी बड़े सयाने मंत्री हैं। इन्होंने एक बात कहीं कि इस बारे में एक कमीशन बिठा दिया। मैं समझता हूं कि चौटाला साहब के खिलाफ यह कमीशन गीनिंगलैस है क्योंकि यहां पर हर सदस्य उठता है और चौटाला साहब के बारे में कहता है। कोई उनको कुछ कहता है कोई उनको कुछ

[श्री राम कुमार गौतम]
कहता है। इसलिए अगर कोई कमीशन ही बिठाना है तो वह इस बात के लिए बिठाया जाना चाहिए कि चौटाला साहब जो खरबों रुपये लूट कर चले गये और जिस तरह से हरियाणा की जनता के साथ खिलवाड़ किया, ज्यादतियां की तो इन चीजों के खिलाफ कमीशन बिठाओ और उनको जेल की सलाखों के पीछे भेजो। मुख्यमंत्री जी, मुझे आपसे एक और शिकायत है। हमें आपसे बहुत आशाएं हैं, आपकी सरकार से बहुत आशाएं हैं लेकिन जब से आप मुख्यमंत्री बने हैं तब से करप्शन यूं का यूं ही है। आप उनको जेल की सलाखों के पीछे बिठाओ । (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : गौतम साहब, आप कहां से कहां चले गये हैं। आप कौन से रास्ते पर चले गये हैं। प्लीज, अब आप बैठें।

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एडीशनल फंक्शन्ज़) अमैंडमैंट बिल, 2005.

Mr. Speaker : Now, the Transport Minister will introduce the Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to introduce the Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Bill, 2005.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Public Service Commission (Additional Functions) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2 to 5

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 to 5 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

डा० सीताराम (मंडी डबवाली, एस०सी०) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन अमैंडमैंट बिल पर चर्चा करने का समय दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं इस बिल का विरोध करता हूं क्योंकि इसके विरोध के बहुत से कारण हैं। एक तो यह है कि हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन एक संवैधानिक संस्था है जैसे भारत वर्ष के अंदर यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन है वैसे ही हरेक प्रदेश के अंदर स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन है जो कि सरकारी नौकरियों की चयन प्रक्रिया के अंदर हिस्सा लेते हैं और अब सरकार इसमें कुछ अमैंडमैंट करना चाहती है। पहले इसके अंदर क्लास-I और क्लास-II के अधिकारी जिनके 8000 रुपये तक के पे स्केल थे वे सब हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा भर्ती किए जाते थे और ज्यूडिशियरी के अंदर जजेज की नियुक्ति भी एच०पी०एस०सी० द्वारा की जाती थी। इस बिल के माध्यम से सरकार सिर्फ क्लास -1 की पोस्टों की नियुक्ति को छोड़कर सारे अधिकार वापस लेना

[डा० सीताराम]

चाहती है, यह अच्छी बात नहीं है। जो बाकी नियुक्तियां हैं वह सरकार की मंशा पर बोर्ड और कार्पोरेशन के अंदर अधिकारी करेंगे और अधिकारी सरकार के दबाव में रहेंगे। एच०पी०एस०सी० एक इंडिपैंडैंट बॉडी है। आप मेरी बात तो सुनिये। (विघ्न)

वित्त मंत्री (चौधरी बीरेन्द्र सिंह : डाक्टर साहब, ये बात करने से पहले आप यह बताएं कि आपने उनके इस्तीफे कैसे ले लिए ? गलत प्रथा तो आपने डाली है।

डा० सीताराम : जब हमारी सरकार बनी थी उस समय भी और दूसरी पार्टियों के शासनकाल के समय भी जो सदस्य चुने गए थे उनका कार्यकाल पूरा रहा। हरेक सदस्य की अपनी पूरी टर्म होती है, चेयरमैन की भी पूरी टर्म होती है। आज तो सरकार आप लोगों की है। अगर किसी ने कोई गलत काम किया है तो आप उसके खिलाफ इंक्वायरी कर सकते हैं, कार्रवाई कर सकते हैं। आपको एक संवैधानिक संस्था के मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। दूसरी बात जैसे कि सरकार की मंशा है जिस तरीके से क्लास-वन पोस्टों पर लग रहा है कि रोक लगाई हुई है तो यह संस्था क्या काम करेगी। हरियाणा प्रदेश का इस संस्था पर लगभग 1 करोड़ रुपया खर्च होता है यह बड़ी जटिल समस्या हो जाएगी, किस तरह से बेरोजगार नवयुवकों को इंडिपैंडैंट तरीके से नौकरियां मिलेंगी। हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन ही यह काम कर सकता है और दूसरे अधिकारी नहीं कर सकते हैं।

Mr. Speaker : Thank you, Sita Ram ji. You have explained your point well. Please take your seat. (Interruptions)

डा० सीताराम : दूसरे सर, मैं एक और बात कहना चाहता हूं ऐसे ही जुडिशियल सर्विस के बारे में जो इन्होंने कहा कि सिलैक्शन करेंगे जैसे हाई कोर्ट के सुपुर्द किया वह भी कोई अच्छी बात नहीं है क्योंकि इसके बारे में मैं बताना चाहता हूं कि पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में जो सीनियर पहले दस जजिज हैं वे सभी पंजाब के हैं और नार्मली सीनियर जजिज की ही कमेटी बनती है जो पंजाब से संबंधित है। (विघ्न)

Shri Randeep Singh Surjewala : Speaker Sir, Hon'ble Member is casting aspersions on the independence of judiciary without any justification. Sir, I don't think judges are appointed on the basis of regional bias. He should withdraw his words. (Interruptions)

Mr. Speaker : Sita Ram ji, don't say anything about judiciary. (Interruptions). This is not the way. Please take your seat. (Interruptions). This is not the way. यह गलत बात कही है ऐसा नहीं कहना चाहिए। Please take your seat, Sita Ram ji.

डा० सीता राम : यह समुदाय से जुड़ा हुआ है। (विघ्न)

Mr. Speaker : Please take your seat, Sita Ram ji. (Interruption)

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल) : स्पीकर सर, हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन के बारे में जो बिल सरकार लेकर आई है मैं उसका समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। मैं संक्षिप्त

मैं यह कहना चाहूंगा कि सरकार की इस बिल के पीछे जो मन्शा है वह बहुत ही नेक है। एक तो सैन्ट्रलाईजेशन ऑफ पावर्ज है और कान्स्टीच्यूशन का शोषण पिछली सरकार ने किया है।

डा० सुशील इन्दौरा : सर, ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर । अध्यक्ष महोदय, माननीय सुरजेवाला जी एक बहुत ही सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं। इन्होंने जो गलत शब्द संविधान के बारे में कहा है उसको एक्सपेज किया जाए।

Mr. Speaker : Indora ji you have explained your point. Now, please take your seat.

श्री एस०एस० सुरजेवाला : स्पीकर सर, हिन्दुस्तान के संविधान और उसकी मर्यादाओं के जो प्रैसीडैंट हाउस के थे, सर्विस कमीशन के थे, कितनी ही इन्टीच्यूशंज ऐसी थीं जिनको इन्होंने अपने पांवों के तले बुरी तरह रौंदा, उनकी धज्जियां उड़ाई और उसको तार-तार करके इतना नंगा किया कि लोगों का संविधान और कानून दोनों पर से विश्वास ही उठ गया। मैं यह कहना चाहूंगा कि यह सरकार इस तरमीम द्वारा जहां सर्विस कमीशन की पावर्ज जो सैन्ट्रालाईज हो गई थी उनको चैंज करने का बिल लाई है। पब्लिक सर्विस कमीशन चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की बान्दी था उसकी कोई मान-मर्यादा नहीं थी। हरियाणा के लोगों को इस पर कोई विश्वास नहीं था क्योंकि पब्लिक सर्विस कमीशन में खुल्लमखुला बेईमान आदमी थे जिन्होंने पैसे लेकर चौटाला के रिश्तेदारों को, मन्त्रियों के रिश्तेदारों को, विधायकों के रिश्तेदारों और अधिकारियों के बेटे-बेटियों, भतीजे, साला-जमाई को भर्ती किया। इस सब की एक लम्बी लिस्ट है। हाईकोर्ट इस बात का गवाह है क्योंकि भर्ती का केस वहां पर पैंडिंग पड़ा है। अध्यक्ष महोदय, जहां मैं इस बिल को लाने के लिए सरकार को मुबारिकबाद देता हूं वहीं मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जिस संविधान की ये कस्म खाते हैं उसी संविधान के साथ विश्वासघात करते हैं। उस वक्त के सर्विस कमीशन के चेयरमैन और इनके द्वारा बनाये हुए मैम्बर्ज ने बेईमानी करने के इनोवेटिव तरीके निकाले। जिसको रियायत करनी होती पहले उसके घर पर पर्चे लीक करते, उसके बाद वह पर्चा बदल देते थे। अन्त में आते-आते ये इतने शातिर और बेईमान थे कि उनको भर्ती के लिए सिलैक्ट कर लेते थे, उस वक्त के सर्विस कमीशन के चेयरमैन श्री बांगड़ थे। (विघ्न) उन्होंने एक बड़ा इनोवेटिव तरीका निकाला, इन्होंने कहा कि बेटा पर्चा देने की जरूरत नहीं, पेपर अटैम्प करने की ही जरूरत नहीं है, अपना रोल नम्बर लिख देना तेरा पर्चा बाद में तेरे घर में करवा लेंगे, इससे ज्यादा खेद की बात और क्या होगी। कमीशन के चेयरमैन और दूसरे सदस्यों ने नौकरियों में चयन करने के नाम पर लोगों से 4-4, 5-5 लाख रुपये रिश्वत के रूप में लिए। ऐसे ऐसे लोगों को नौकरियों में लिया गया जो अनपढ़ थे, जो कभी स्कूल नहीं गए, 10 हजार रुपये में गल्त डिग्री लेकर उनको HCS बना दिया गया था, इस प्रकार इन्होंने हरियाणा के भविष्य को अंधकारमय कर दिया। आज वे जितने भी अधिकारी हैं मुझे उम्मीद है कि हाई कोर्ट अपने फैसले में इन सबको नौकरी से हटाकर इनको घर भेजेगा। अन्त में मैं सरकार से एक बात कहकर अपना स्थान लेता हूं। मुख्यमंत्री जी भी मौजूद हैं जैसे आपने इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी एक्ट पर कमीशन बनाया है, मैं कहूंगा कि जो पिछला कमीशन था उस कमीशन के चेयरमैन और दूसरे मैम्बरों की जो बेईमानी, धांधली, रिश्वत, हेरा फेरी और अनियमितताएं हैं, उनके बारे में ज्यूडिशियल कमीशन मुकर्रर करना चाहिए, उनको नंगा करना चाहिए और उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करनी चाहिए।

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा लोक सेवा आयोग अतिरिक्त कृत्य संशोधित अधिनियम, 2004 के बारे में माननीय सदस्य श्री सीता राम जी ने 2-3 बातें कहीं, उन्होंने कहा कि कमीशन के सदस्यों को अपना काम और अपना समय पूरा करने की इजाजत होनी चाहिए। मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि We are not curtailing their tenure by this Bill. बिल शायद उन्होंने पढ़ा नहीं। ऐन विधान सभा चुनाव से पहले अगर किसी सरकार ने कमीशन के चेयरमैन और दूसरे मैम्बरों का टैन्योर करटेल किया था तो जो सदस्य सामने बैठे हैं उन्होंने किया था, अपनी मर्जी से नहीं। I am ready to go on record. (Interruptions) . The act of criminal intimidation of members by the then Chief Minister Mr. Om Parkash Chautala, is definitely very wrong. He forced them to resign. (Interruptions). For six years he wanted to have a Puppet Commission. (Interruptions)

Mr. Speaker : Dr. Indora please take your seat आप सुनने की भी हिम्मत रखें। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : अध्यक्ष महोदय, जब ये बोल रहे थे तब हम बीच में नहीं बोले, ये पपट कमीशन का गठन करना चाहते थे, इसलिए विधान सभा चुनाव से पहले कोई तो कारण बताएं, आज तक कोई कारण ये नहीं बता सके कि सारे के सारे पब्लिक सर्विस कमीशन के सदस्य जिनकी संवैधानिक जिम्मेदारी है, जो एक संवैधानिक पद पर हैं वे केवल मुख्यमंत्री के इशारे पर इस्तीफा दे देवें और पपट कमीशन का गठन किया जाए। हिन्दुस्तान के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ होगा। माननीय सदस्य ने यह भी कहा कि कमीशन का काम बेरोजगारों को रोजगार देना है। रोजगार तो इन्होंने दिया है 3-3 पूर्व मंत्रियों के पी०ऐज० को एच०सी०एस० ओफिसर बना दिया गया, पिछले मंत्रिमंडल के सदस्यों के बेटे और बेटियों को रोजगार दिया गया, मुख्यमंत्री के निजी सचिव के पुत्र को रोजगार दिया गया, डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस की लड़की को रोजगार दिया गया, मुख्यमंत्री के साले के दामाद को रोजगार दिया गया। अध्यक्ष महोदय, इनकी लिस्ट बहुत लम्बी है, सारी की सारी लिस्ट लोक सेवा आयोग की लिस्ट आने से पहले अखबार में छपती थी, इस प्रकार लोक सेवा आयोग का परिणाम रिलीज किया जाता था, हमने ऐसा समय भी देखा है। अध्यक्ष महोदय, मैं केवल यह कहना चाहता हूं कि किस प्रकार की मर्यादाएं लोक दल की सरकार ने रखी हैं हमने तो यहां तक देखा, मैं चुनौती देता हूं कि लोक सेवा आयोग के काम काज की कोई इन्वैस्टीगेशन करवा लें, विधान सभा चुनाव के अन्दर उस समय के आयोग के चेयरमैन मौजूद नहीं थे। इसलिए मैं उनका नाम नहीं लेना चाहता था, लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि वे और उनकी धर्म पत्नी चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी का चुनावी दफ्तर चलाया करते थे। इस प्रकार के काम करके ये संवैधानिक मर्यादाओं की बात करते हैं। इन्दौरा साहब, स्वयं खड़े होकर कह दें, कि यह बात सही है या गलत क्योंकि ये भी उस दफ्तर में गए हैं। इन्दौरा जी आप बताएं कि जब चौटाला जी नरवाना विधान सभा का चुनाव लड़ रहे थे तो क्या लोक सेवा आयोग के चेयरमैन और उनकी धर्मपत्नी उस कार्यालय में मौजूद थे या नहीं ? स्पीकर सर, सच बात तो यह है कि यदि किसी ने लोक सेवा आयोग के साथ खिलवाड़ करके उसकी मर्यादाओं का घोर उल्लंघन किया है तो ये लोकदल के साथी ही हैं। यही कारण है कि इस संशोधन को लाने की जरूरत पड़ी। स्पीकर सर, मैं आपसे दरखास्त करूंगा कि इस बिल को पास कर दिया जाये।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि पिछली सरकार के समय में किस तरह कानून को ताक पर रखकर नौकरियां दी गई। अभी 20 दिन पहले की बात है 50-55 लड़कों का एक डैपुटेशन मुझे मिला। वे मुझे कहने लगे कि उन्हें स्पोर्टस कोटे में पिछली सरकार ने समय में नौकरी मिली थी। मैंने उनसे कहा कि फिर क्या दिक्कत है, आप अपनी नौकरी करो। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने बताया कि वे पिछली सरकार के समय में स्पोर्टस के गलत और फर्जी सर्टीफिकेट देकर नौकरी लगे थे और जब हम लग गये हैं तो आप हमें क्यों निकाल रहे हो, हमारी रक्षा करो। इस तरह की धांधली पिछली सरकार के समय में हुई है।

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

वाक आउट

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, इस बिल के पास होने के विरोध में हम हाउस से वाक आउट करते हैं। (विघ्न)

(At this stage all the Members of Indian National Lok Dal present in the House, staged a walk out)

विधान कार्य (पुनरारम्भ)

दि हरियाणा फिस्कल रिस्पोंसिबिलिटी एण्ड बजट मैनेजमैंट बिल, 2005

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will introduce the Haryana Fiscal Responsibility and Budget Management Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Sh. Birender Singh) : Sir, I beg to introduce the Haryana Fiscal Responsibility and Budget Management Bill, 2005.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Fiscal Responsibility and Budget Management Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Fiscal Responsibility and Budget Management Bill, be taken into consideration at once.

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इस बिल के बारे में सरकार को सुझाव देना चाहता हूं कि यह बहुत अच्छा बिल सरकार लेकर आई है, इससे सरकार को फायदा होगा भारत सरकार के आयोग ने सिफारिश की है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करूंगा कि यमुनानगर में जो पावर प्रोजैक्ट बन रहा है। उसको बनाने का दायित्व पिछली सरकार ने रिलायंस कंपनी को सौंपा था। इस बारे में मैं सरकार को सुझाव देना चाहता हूं कि उसमें रिलायंस कंपनी की नीयत ठीक नहीं है। वह कंपनी अब उस टैंडर के साथ छेड़खानी करना चाहती है। इस समय काम बंद पड़ा हुआ है। और कल परसों अखबार में भी इसके बारे आया हुआ था। इस पर सरकार निगरानी रखे। उनकी पिछली सरकार के साथ मिलीभगत थी और टैंडर के साथ छेड़खानी की गई थी। और भैल जैसी बड़ी कंपनियों की अवहेलना करके यह टैंडर उनको अलोट किया गया था। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण प्रोजैक्ट है और बहुत बड़ी परियोजना है। इस पर सरकार निगरानी रखे। इसके अतिरिक्त मैं एक बात और कहना चाहूंगा यह इस बिल का पार्ट नहीं है। मेरी इस बात की ओर भी मुख्यमंत्री जी ध्यान दें कि जो इण्डियन स्टैम्प एक्ट, 1899 है, उसके तहत विरासत में बाप-दादा की जायदाद मां-बाप को 15 रुपये के स्टैम्प पेपर की ड्यूटी पर डिक्री हो जाती थी। पिछली सरकार ने इसमें अमैंडमैंट कर दिया कि अगर कोई जमीन मैंने खरीदी और यह जमीन मैं अपने बच्चों को या बहन-भाईयों को देना चाहता हूं तो उस पर पूरी स्टैम्प ड्यूटी लगती है। इस बारे में मैं मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करता हूं कि यह प्रदेश के जन हित का मुद्दा है इस पर अगले बजट में अवश्य विचार करें।

डा० सुशील इंदौरा (ऐलनाबाद, एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे The Haryana Fiscal Responsibility and Budget Management Bill पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं इस बिल के विरोध में बोलने के लिए खड़ा नहीं हुआ हूं। यह सरकार की नैतिक जिम्मेवारी है और नैतिक जिम्मेवारी चाहे मुख्यमंत्री हों, चाहे मंत्री हों या चाहे विपक्ष हो, सबको मिलकर निभानी पड़ती है। जो इंडीकेटर्स हमारे योजना आयोग ने दिए हैं उस हिसाब से मैं केवल एक बात कहना चाहता हूं। माननीय वित्तमंत्री जी बैठे हुए हैं और जो बजट इन्होंने पेश किया है उसके इंडीकेटर्स के हिसाब से हम उन पैमानों पर खरे नहीं उतर रहे। यह सरकार का पहला बजट है इसलिए हम ज्यादा नहीं कह सकते। मेरा तो सरकार से यही अनुरोध है कि इस बारे में सरकार भविष्य में ध्यान रखे कि जो बजटीय घाटा इन्होंने दर्शाया है और जो पैसा पैंशन और तनख्वाह पर खर्च करना है। उसका पैमाना क्या होना चाहिए। पैमाना यह है कि कम से कम खर्चा किया जाए और हमारी सरकार ने भी तनख्वाहों और पैंशनों पर 40% पैसा खर्च किया और 60% पैसा हमने अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर पर खर्च करने के लिए रखा और उस स्टेटस को बरकरार रखा जिससे प्रदेश की प्रगति और विकास हो। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में ज्यादा न कह कर इतनी ही बात कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने जो किया और इस समय भी जो हो रहा है यह सही नहीं है, भविष्य में यदि आप कोई अमैंडमैंट लाना चाहते हैं तो उसमें पहले इण्डिकेटरज़ और पुराने पैरामीटरज़ को हम पूरा कर सकें हमें इस, बात का ध्यान रखना होगा। धन्यवाद।

Mr. Speaker : Thank you very much Indora ji. Hon'ble Members, now Finance Minister will reply.

श्री बीरेन्द्र सिंह : ऑनरेबल स्पीकर सर, ऑनरेबल मैम्बरज चौधरी कर्ण सिंह दलाल जी और श्री इन्दौरा जी ने बिल पर ब्राडली कहा है लेकिन इसमें इन्होंने कोई नया सुझाव या कोई अमैंडमैंट परपोज नहीं किया है। सर, यहां पर मैं यह कहना चाहता हूं कि 12वें फाईनैंस कमीशन ने कुछ रिकमैंडेशन्ज़ की थीं कि किसी राज्य का जो वित्तीय ढांचा है अगर उसे ठीक और संतुलित करना है तो इसके लिए उन्होंने कुछ माप-दण्ड निर्धारित किये थे। अगर किसी राज्य की सरकार उनको मानकर चले तो उनको अपने सदन में अपनी विधान सभा में कानून बनाना पड़ेगा और उस कानून की परिधि में उनको काम करना पड़ेगा। अध्यक्ष महोदय, यह बिल हम क्यों लेकर आए हैं। मैं सदन के माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि इस बिल को पास करने के बाद उन माप-दण्डों का हम अनुसरण करें। अगले पांच वर्ष यानि वर्ष 2005-06 से 2009-10 तक फिस्कल डिसिप्लिन को निभाने के लिए यह बिल लाया गया है। जैसा कि मैंने कहा है कि इस बिल के जो माप-दण्ड हैं उनको निभाने में अगर हम कामयाब हों तो पांच सालों में हमें 1024 करोड़ रुपये पांच साल के इन्सैंटिव के तौर पर मिलेंगे। 12वें फाईनैंस कमीशन की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 200 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष के हिसाब से हमें मिलेगा और सर इसके साथ साथ 21 हजार करोड़ रुपये की हमारी जो लायब्लिटी है, जो कर्जा राज्य सरकार ने लिया है तथा सात हजार करोड़ रुपये की हमने गारन्टी दी हुई है जो हमारी दूसरी संस्थाएं हैं उनके जो रेट ऑफ इन्ट्रस्ट थे वे वैरी कर रहे थे। वह पैसा हमने इन्ट्रस्ट पर लिया है वह इन्ट्रस्ट किसी का 10% था, किसी का 11% था, 12% तथा 13% तक भी था, स्पीकर सर, यह कानून पास होने के बाद सारा का सारा रेट ऑफ इन्ट्रस्ट जो 9% से 13-14% तक वैरी करता था वह साढ़े सात परसैंट पर आकर खड़ा हो जाएगा जिससे कम से कम 400 करोड़ रुपये का इन्ट्रस्ट का लाभ हमें मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ मैं सदन को यह भी सूचित करूंगा कि जो माप-दण्ड 12वें फाईनैंस कमीशन ने निर्धारित कर रखे हैं उन माप दण्डों के लगभग बराबर तो हम आज ही खड़े हैं और आगे इसे हम और भी ज्यादा इम्प्रूव करेंगे। जैसे कि इस फाईनैंस कमीशन की सिफारिश है कि रैवन्यू डैफिशिट जो एस०जी०डी०पी० है उसके परपोरशन में 2008 और 2009 तक 0% होना चाहिए। स्पीकर सर, आज के दिन हमारा यह रैवन्यू डैफिशिट 0.27% है और दूसरी उनकी शर्त है कि स्टेट जी०डी०पी० फिस्कल डैफिसिट 3 प्रतिशत से ज्यादा नहीं होना चाहिए, जो कि हमारा 2 प्रतिशत है। स्पीकर सर, वे यह भी कहते हैं कि जो इन्ट्रस्ट आप देंगे, पेमेन्ट आप देंगे उसका डी०आर०पी० टोटल बजट का 15 प्रतिशत होना चाहिए। वह हमारा थोड़ा सा ज्यादा है, यह 19 प्रतिशत है। हमारे पास पांच साल का समय है और हम इसको भी नीचे लाएंगे। स्पीकर सर, मेरे एक साथी ने सदन में बोलते हुए कहा कि सैलरी और पैंशन के लिए 35 प्रतिशत रखा है तो स्पीकर सर, वह सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की सैलरी और दूसरे भले का है और इसके अलावा उन्होंने कहा 65 प्रतिशत बजट है, वह विकास कार्यों पर खर्च होना चाहिए। आज हम 41 प्रतिशत पर खड़े हैं और यह 6 प्रतिशत ज्यादा है। स्पीकर सर, मैं यह बताना चाहूंगा कि यह स्थिति भी माननीय सदस्यों की जो सरकार थी उसकी वजह से ही आई है और उसी के कारण हमें यह फेस करना पड़ रहा है। ये जाते जाते 6 महीनों में 700 करोड़ रुपए का बोझ हमारे सिर पर डाल कर चले गए। स्पीकर सर, मैं इस सदन में आश्वासन देना चाहूंगा कि आने वाले समय में हम सैलरी और पैंशन वाले हैड को भी 35 प्रतिशत पर लाएंगे। हम इस मापदण्ड के नजदीक हैं या इससे नीचे हैं, इसकी वजह से राज्य को बहुत भारी फायदा होगा। स्पीकर सर, कोई भी सरकार हो, इस बिल के माध्यम से जो हमारा वित्तीय संचालन है, उसको रैगुलेट करने में और

[श्री बीरेन्द्र सिंह]

सही ढंग से चलाने में मदद मिलेगी। मेरा आपके माध्यम से सदन में यह कहना है कि यह बिल राज्य के हित के लिए, राज्य की फाईनांसिज के लिए बहुत ही उपयुक्त है और मैं चाहूंगा कि इस बिल को सदन सर्वसम्मति से पास कर दे। धन्यवाद।

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Fiscal Responsibility and Budget Management Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Sub Clause (2) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clauses 2 to 15

Mr. Speaker : Question is—

That Clauses 2 to 15 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub Clause (1) of Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Sub Clause (1) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Shri Birender Singh) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

श्री एस०एस० सुरजेवाला (कैथल) : अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा फिस्कल रिस्पॉसिबिलीटी एंड बजट मैनेजमैंट बिल पर बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। यह सरकार इस बिल को लाने के लिए बधाई की पात्र है। यह बिल आज जो आर्थिक तन्त्र है, जो अच्छा मैनेजमैंट है उसको लागू करने के लिए और उस पर अमल करने के लिए अनिवार्य था। यह इस सरकार का बिल्कुल टाईमली ऐक्शन है। इस बिल के द्वारा राजकोशीय संचालन में अनुशासन, पारदर्शिता, जिम्मेवारी और स्थिरता इस बिल के साईलैंट फीचर्ज हैं, इस निशाने को यह सरकार इस बिल के पास होने 17.00 बजे बाद 2010 तक अचीव करेगी। इस बिल के द्वारा सरकार अपने बजट घाटे को, सरकारी खर्चे को कम करेगी और 2010 तक इसको जीरो पर लेकर आएगी। अध्यक्ष महोदय, बगैर ठोस कदम उठाए, बगैर सरकार के भारी भरकम खर्चों को कम किए या बगैर इन कदमों को क्रिटिसाईज किए यह बात कैसे मुमकिन हो सकती है ? अध्यक्ष महोदय, मैंने यह बात पहले भी एक ओकेजन पर बोलते हुए कही थी कि हरियाणा सरकार को एक ऐडमिनिस्ट्रेटिव रिफोर्म्ज कमीशन बनाना चाहिए। आज बहुत जरूरत है, सरकार के खर्चों को कम करने की। बहुत ही नाजायज, बहुत ही आउट मोडेड सरकार के खर्चे हैं। सरकार का शरीर बहुत भारी भरकम हो गया है। जिस तरह से मोटापे को दूर करने के लिए बॉडी में जो भी फालतू फ्लैश होता है उसको कम करने की जरूरत होती है, उसको गिराने की जरूरत होती है उसी प्रकार से सरकार को चुस्त दुरूस्त बनाने के लिए आज जरूरत इस बात की है कि रिफोर्म्ज कमीशन के द्वारा या दूसरे तरीकों से सरकार को अपने खर्चों में भारी कमी करनी चाहिए। दूसरी बात महत्वपूर्ण है कि सरकार जो ऋण लेती है यह अफसोस की बात है कि पिछली सरकार ने इन ऋणों को अपने रोजमर्रा के खर्चों को चलाने में और यहां तक कि अपने कर्मचारियों की तनख्वाहें देने में इस्तेमाल किया है। अध्यक्ष महोदय, लोगों के साथ इससे बड़ा धोखा कोई नहीं हो सकता। सरकारें जो भी ऋण लेती हैं उसका इस्तेमाल उसको सामाजिक कार्यों के लिए, सामाजिक न्याय देने के लिए, गरीब लोगों को देने के लिए करना चाहिए। उदाहरण के तौर पर सरकार बहुत से ऐसे सामाजिक काम करती है जैसे शिक्षा के क्षेत्र में, स्वास्थ्य के क्षेत्र में, पैंशनों के क्षेत्र में, गरीबी दूर करने के लिए, बेरोजगारों को, अपंगों को और बेवाओं को राहत देना। यह जो सामाजिक कार्य हैं इन्हें प्राईवेट लोग नहीं करेंगे इसलिए ये कार्य सरकार को करने चाहिएं। अध्यक्ष महोदय, ऋणों का इस्तेमाल सरकार इस बात के लिए तो कर सकती है कि वह ऋण लेकर सामाजिक न्याय दिलाएगी लेकिन ऋण लेकर पिछली सरकारों की तरह मुलाजिमों की तनख्वाहें देना फिर उस घर में, उस व्यक्ति का, उस सरकार का सिवाए घाटे के और कुछ नहीं हो सकता हैं। अध्यक्ष महोदय, इस बिल में यह भी प्रावधान मौजूदा सरकार ने किया है कि वह ऐसे ऋणों को इस्तेमाल ऐसी बातों के लिए नहीं करेगी। अध्यक्ष महोदय, तीसरी बात इंफ्रास्ट्रक्चर की है। सरकार को अपने खजाने के पैसे को इंफ्रास्ट्रक्चर पर नहीं खर्च करना चाहिए। इंफ्रास्ट्रक्चर में बहुत सी बातें आ जाती हैं जैसे बहुत बड़ी सड़कें हैं, हाईवेज हैं। सरकार ने एक बहुत अच्छा एक्सप्रेस हाईवे बनाने का फैसला किया है। अरबों खरबों रुपये इसमें लगते हैं। इसके अलावा बड़े बड़े ओवर ब्रिजिज हैं, बड़े ब्रिजिज हैं, ट्रांसपोर्ट सिस्टम हैं

[श्री एस०एस० सुरजेवाला]

और भी बहुत सी बातें हैं जो इंफ्रास्ट्रक्चर में आती हैं। सरकार को ये सारे के सारे काम प्राईवेट लोगों से, प्राईवेट कम्पनियों से करवाने चाहिएं क्योंकि सरकार के पास खजाने में इतना भारी भरकम रुपया नहीं हो सकता है कि वह अपने वित्तीय बजट से पूरे प्रान्त के इंफ्रास्ट्रक्चर को मौडर्नाइज कर सके। इसलिए जहां खर्चे कम करने की जरूरत है वहीं जो कर्जा सरकार लेती है उससे सामाजिक न्याय करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री जी का मैं इस बात के लिए स्वागत करता हूं कि उन्होंने गांवों में हर घर में खास तौर से गरीब आदमियों के लिए सरकारी खर्चे पर शौचालय बनाने के लिए निर्णय लिया है जो कि बहुत सराहनीय है। सरकार कर्जा लेकर इस तरह के कार्य कर सकती है। लेकिन जो सरकार कर्जा लेती है उसको सरकारी कर्मचारियों को तनख्वाहें देने और रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इस तरह से जो सरकार ने योजनाएं बनायी हैं कि 2010 तक अपने पूरे बजट की प्रक्रिया को पारदर्शी करेंगे, चुस्त दुरुस्त करेंगे, वह बहुत सराहनीय कदम है। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बिल का समर्थन करता हूं।

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

दि हरियाणा म्यूनिसिपल (अमैण्डमैंट) बिल, 2005

Mr. Speaker : Now, the Industries Minister will introduce the Haryana Municipal (Amendment) Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Industries Minister (Shri Lachhman Dass Arora) : Sir, I beg to introduce the Haryana Municipal (Amendment) Bill, 2005.

Sir I also beg to move—

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Shri Shadi Lal Batra (Rohtak) : Speaker Sir, the main purpose and object of this Bill is that the elected members of the municipalities do not have special knowledge about the working, sources of income and development works of the municipalities. As such it will be appropriate that three such members should be nominated to the Municipal Council and two to the Municipal Committee, who have special knowledge about the municipalities or have experience about the

Municipal Administration, provision will have to be made in Section 9(3) of Haryana Municipal Act, 1973. Speaker Sir, persons who are to be nominated, they should have special means of knowledge, special knowledge about source of income and they must be sincere and they must be reputed members. My first suggestion is that these members should be given right of vote. They should not be treated No. 2 Municipal Councillor and Municipal Members. I belong to Rohtak, it is a big city. It has 31 wards. Out of 31 wards, 3 members are nominated. My second suggestion is that at least 4 members instead of three members should be nominated. My third suggestion is that qualification, administrative knowledge and experience of members, who are to be nominated members of council, should also be given. Thus the working of the council will be improved by such nomination.

मुख्यमंत्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, बतरा साहब ने जो यह सुझाव दिया है। कि 3 की जगह 4 सदस्य होने चाहिएं, चौथे सदस्य ये खुद हैं, एम०एल०ए० होता है।

श्री राम कुमार गौतम (नारनौंद) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बिल का विरोध करता हूं और राइट ऑफ वोटिंग का तो बिल्कुल ही विरोध करता हूं। It will curtail the right of the members. ये अमैंडमैंट तो ऐसे हैं जैसे चौटाला साहब ने ग्राम समितियां बनाई थीं, जो लोग चुने हुए हैं, वे सक्षम हैं। मैं तो कहता हूं कि इसमें एम०पी० और एम०एल०ए० की जरूरत ही नहीं थी। यह ठीक है कि ऐक्ट में प्रावधान कर दिया क्योंकि एम०एल०ए० कांस्टीच्यूएंसी का रिप्रेजैंटेटिव है लेकिन मैं कहता हूं कि यह जो नॉमिनेशन है यह अच्छी नहीं है और राइट ऑफ वोटिंग तो बिल्कुल ही खराब है। अब यह तो बिल की बात है वैसे मुख्यमंत्री जी, मैं तो आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप एम०एल०ए० की गरिमा बनाओ, आप उनको एक करोड़ का बजट दे दो, आपके प्रैडिसेसर ने 40 लाख रुपया दिया था। पैसा न होने की वजह से एम०एल०ए० न गलियां बनवा सकता है न नालियां बनवा सकता है, एम०एल०ए० लांडी बुची की तरह झांडे फिरता है आप एम०एल०ए० की गरिमा बढ़ाओ।

Maj. Nirpender Singh Sangwan (Dadri) : Speaker Sir, thank you very much for giving me an opportunity to speak on this important Bill. Sir, I had given up hopes. This Bill is a very good Bill. Which has been brought forward. I endorse what Mr. Batra has said. I very much feel that experts should come in the council and their qualifications should be laid down so that there cannot waivering mind one should actually know that from what field the experts should come. They should be from different fields so that we have a culmination of all kinds of experts available to us. Consequently, what Mr. Batra has said it is also my suggestion that they should be given the power to vote, otherwise, they will not take it seriously.

श्री रणबीर सिंह महेन्द्रा (मुढ़ाल खुर्द) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बिल की सपोर्ट में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं लेकिन बतरा साहब और मेजर साहब ने जो कहा कि उनको वोटिंग राईट देना चाहिए मैं इसके खिलाफ हूं मेरा सुझाव यह है कि उनको वोटिंग राईट नहीं देना चाहिए, वह तो एडवाईजरी कैपेसिटी में ही होना चाहिए।

डा० सुशील इन्दौरा (ऐलनाबाद, एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद जो आपने मुझे इस बिल पर बोलने के लिए समय दिया। माननीय मंत्री जी जो बिल लाये हैं उसमें दो-तीन

[डा० सुशील इन्दौरा]

आदमियों का प्रावधान है उनमें दो नगर पालिका में और तीन नगर परिषद् के लिए हैं जिसके संबंध में सदस्यों ने कहा कि वोट का अधिकार नहीं होना चाहिए हम इस बात के लिए सहमत हैं कि लोकतंत्र प्रणाली में अक्सर यह रहता है कि जो चुने हुए लोग हैं उन्हीं को वोट का अधिकार होता है नोमिनेटिड लोगों को नहीं होता । लेकिन मुझे एक बात की बड़ी हैरानी हो रही है कि मुख्यमंत्री जी बैठे हैं एक तरफ तो नगरपालिका में वह नोमिनेशन कर रहे हैं कि हम नोमिनेशन करेंगे और एक तरफ हमारी सरकार ने विलेज डिवैल्पमैंट कमेटी के लिए नोमिनेशन के बारे में यह कहा था कि दो अच्छे समाजसेवी विलेज डिवैल्पमैंट कमेटी के लिए नोमिनेट किए जायें जिनमें एक रिटायर्ड फौजी क्योंकि रिटायर्ड फौजी को हमारे समाज में बड़े आदर और मान से देखते हैं और दूसरा गांव का एक वह आदमी जिसको गांव के लोग बड़े समर्थक भाव से देखते हैं।

Mr. Speaker : Indora Ji, Panchayat Act is not being discussed.

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, शहर और गांव के साथ भेदभाव किया जा है। इसमें सरकार की मन्शा स्पष्ट दिखाई दे रही है कि विलेज डिवैल्पमैंट कमेटी के लिए नोमिनेट न करो वहा पर रिटायर्ड फौजी और समाज सेवक की बात कर रहे हैं और शहर में आप नोमिनेट कर रहे हैं।

परिवहन मंत्री (श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला) : सर, मैं माननीय इन्दौरा जी के नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं। वैसे तो इनके नोटिस में होगा ये बड़े सम्मानित सदस्य हैं और सांसद भी रहे हैं। जैसा कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पंचायत एक्ट चर्चा में नहीं है। स्पीकर सर, जब इन्दौरा साहब की पार्टी की सरकार थी तो उन्होंने चुनी हुई पंचायतों से 73वें संशोधन के जरिये विलेज डिवैल्पमैंट कमेटीज बनाकर सारे अधिकार छीन लिये थे। हम ऐसा नहीं करने वाले हैं। सारा पैसा विलेज डिवैल्पमैंट कमेटी के द्वारा खर्च किया जाता था एकाउंट उनके नाम से चलते थे। अपने पिच्छलग्गु तथा लोकदल के कार्यकर्त्ता जो कभी चुनकर नहीं आ सकते थे उनको विलेज डिवैल्पमैंट कमेटीज में शामिल किया और उनके माध्यम से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से सरकार का पैसा खर्च किया जाता था। उस समय के मुख्यमंत्री ने सारे सिस्टम को पंगू बना दिया था इसीलिए वे आज भाग गये हैं।

Mr. Speaker : I have requested earlier, please do not discuss the Panchayat Act.

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, सरकार की मन्शा का यहां पता चलता है कि सरकार कितने प्यार से लोगों की सेवा कर रही है। हर बात में शहर और गांव के साथ भेदभाव हो रहा है। यहां हाउस में भी भेदभाव हो रहा है। सर, मैं एक बात क्लीयर दिखाना चाहता हूं । यहां लिखा गया है शिक्षित।

श्री अध्यक्ष : इन्दौरा साहब, एक दिन में जितना समय आपको दिया जा रहा है, मेरे ख्याल से इतना टाईम ओपोजिशन को किसी ने, कभी नहीं दिया।

डा० सुशील इन्दौरा : अध्यक्ष महोदय, अपोजिशन का हीरो भी तो मैं ही हूं। सर, सबसे ज्यादा गालियां भी तो मैं ही सुनता हूं और कौन सुनता है। किसकी छाती है गालियां सुनने की।

संसदीय कार्य मंत्री जी, जो दो-तीन आदमियों की बात कही गई है, जैसे शिक्षा के बारे में बात की । मैं एक बात कहना चाहता हूं कि कई बार गरीब तबके से तथा अनपढ़ आदमी भी अच्छी राय दे देता है। इसलिए जहां शिक्षा की बात कही गई है वहां यह भी सोचा जाना चाहिए कि दलित समाज के लोग सरकार की अच्छी सेवा कर सकते हैं, नगर पालिका की अच्छी सेवा कर सकते हैं। इसलिए इसमें ऐसा प्रोवीजन होना चाहिए कि उनका नोमिनेशन भी होना चाहिए।

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Municipal (Amendment) Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Industries Minister will move that the Bill be passed.

Industries Minister (Shri Lachhman Dass Arora) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

5. दि हरियाणा म्यूनिसिपल कारपोरेशन (अमैण्डमैंट) बिल, 2005.

Mr. Speaker : Now, the Industries Minister will introduce the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Industries Minister (Shri Lachhman Dass Arora) : Sir, I beg to introduce the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 2005

Sir I also beg to move—

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause -2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Industries Minister will move that the Bill be passed.

Industries Minister (Shri Lachhman Dass Arora) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

6. दि हरियाणा वैल्यू ऐडिड टैक्स (अमैंडमैंट) बिल, 2005.

Mr. Speaker : Now, the Excise & Taxation Minister will introduce the Haryana Value Added Tax (Amendment) Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Excise & Taxation Minister (Shri Vinod Sharma) : Sir, I beg to introduce the Haryana Value Added Tax (Amendment) Bill, 2005

Sir I also beg to move—

That the Haryana Value Added Tax (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Value Added Tax (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Value Added Tax (Amendment) Bill, be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Excise and Taxation Minister will move that the Bill be passed.

Excise and Taxation Minister (Shri Vinod Kumar Sharma) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried.

---

7. दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (अलाउंसिज एण्ड पैंशन ऑफ मैम्बर्ज) अमैंडमैंट बिल, 2005.

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will introduce The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 2005 and will also move the motion for its consideration.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to introduce The Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 2005

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker : Question is—

That the Haryana Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker : Question is—

That Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker : Question is—

That the Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker : Question is—

That Title be Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Now, the Parliamentary Affairs Minister will move that the Bill be passed.

Transport Minister (Shri Randeep Singh Surjewala) : Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker : Motion moved—

That the Bill be passed.

श्रीमती प्रसन्नी देवी (नौल्था) : अध्यक्ष महोदय, यह बहुत अच्छी बात है कि विधायकों को निजी सहायक रखने के लिए 5000 रुपये का एलाउंस दिया जायेगा लेकिन साथ-साथ मैं यह भी अनुरोध करना चाहती हूं कि जिस तरह पार्लियामैंट में एक्स एम०पीज० के लिए 3000 रुपये दिए जाते हैं उसी पैटर्न पर हमारे यहां पर एक्स एम०एल०एज० के लिए यह एलाउंस दिया जाना चाहिए। दूसरी बात मैं यह कहना चाहती हूं कि पार्लियामैंट में डेली 500 रुपये की बजाय 600 रुपये मिलती है और हम भी पार्लियामैंट के पैटर्न पर ही काम करते हैं इसलिए हमारे यहां भी विधायकों की डेली 600 रुपये कर दी जाये तो बहुत अच्छी बात होगी। (शोर एवं व्यवधान)

डा० सुशील इंदौरा (ऐलानाबाद एस०सी०) : अध्यक्ष महोदय, संसदीय कार्य मंत्री जी यह जो प्रस्ताव लेकर आये हैं, जो बिल लेकर आये हैं उसके लिए मैं मंत्री जी का और विशेष तौर से

माननीय मुख्यमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी लोकसभा में रहे हैं और उनको अच्छा अनुभव भी है मेरा इस बारे में एक सुझाव है और सत्तापक्ष के भाईयों की भी यही भावना है लेकिन सत्तापक्ष में होने के कारण वे अपनी भावना को यहां नहीं उठा सकते । वे चाहते हैं कि हम विपक्ष के लोग यह बात उठायें। इसलिए मैं यह बात कह रहा हूं। सत्तापक्ष के लोगों की शायद ऐसी भावना है कि इस मुद्दे को विपक्ष के लोग उठाएं ताकि प्रैस के माध्यम से प्रदेश की जनता में कहीं कोई गलत मैसेज न जाए कि सरकार ने अपने लिए तो कर लिया इसलिए मैं मामले को उठाना चाहता हूं। (विघ्न) मैं यह कहता हूं कि आज मोबाईल का जमाना है। दस हजार रुपये टैलीफोन के लिए तो आप दे ही रहे हैं (विघ्न) आप सभी अच्छी तरह से जानते हैं कि आज मोबाईल का जमाना है और हरेक की जेब में मोबाईल होता है इस बारे में थोड़ा विचार करें तो बेहतर होगा। अगर पांच हजार रुपये महीने का उसमें और जोड़ दिया जाए तो ठीक रहेगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, यह केवल विपक्ष के लिए ही नहीं है बल्कि यहां पर बैठे हुए सभी माननीय साथियों की यह भावना है। दो करोड़ रुपये की राशि पार्लियामैंट के एम०पी० को मिलती है और बतौर एम०पी० सभी ने विकास के कामों पर दो करोड़ रुपये खर्च भी किये थे। मैं भी बतौर एम०पी० वह पैसा खर्च कर चुका हूं और हमारा यह अनुभव है कि वाकई में ही इस राशि की सभी लोगों को बहुत आवश्यकता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि 2 करोड़ रुपये देना तो सम्भव नहीं है लेकिन यह राशि विधान सभा सदस्यों के लिए 50 लाख रुपये तो कम से कम होनी ही चाहिए। हालांकि यहां पर बैठे हुए हमारे माननीय साथियों की भावना तो यह है कि यह राशि कम से कम एक करोड़ रुपये होनी चाहिए लेकिन यदि यह 50 लाख रुपये अभी हो जाए तो ठीक रहेगा। अध्यक्ष महोदय, अब मैं मैम्बर्ज को दिये जाने वाले डेली एलाउंस के बारे में भी कहना चाहता हूं कि यहां पर 500/- रुपये डेली मिलती है जबकि पार्लियामैंट में यह राशि 600 रुपये दी जाती है और यदि इस राशि को बढ़ाकर 600/-रुपये कर दिया जाए तो यह ठीक होगा। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मैं एक और बात भी कहना चाहता हूं किहम सभी को एक न एक दिन एक्स एम०एल०ए० तो होना ही है। (विघ्न) आज नहीं तो कल होंगे। कभी न कभी तो होना ही है। इसलिए हमारा फर्ज बनता है कि जो एक्स एम०एल०एज़ हैं उनकी पैंशन को भी बढ़ाने की बात करें। मेरे विचार से यह पैंशन पार्लियामैंट के पैट्रन पर होनी चाहिए इसलिए पैंशन की राशि को भी बढ़ाया जाए क्योंकि एक्स होने के बाद एम०एल०एज० को पूछने वाला कोई नहीं होता और उन लोगों को उसी पैसे से अपना गुजारा चलाना पड़ता है (विघ्न)। अध्यक्ष महोदय, केवल दो मिनट में मैं अपनी बात खत्म कर दूंगा। अध्यक्ष महोदय, मैं किसी प्रकार का कोई विरोध प्रकट नहीं कर रहा हूं। आप यह सवाल करेंगे कि जब आपकी पार्टी की सरकार थी तो उस वक्त क्यों नहीं कर लिया । यहां पर मैं यह कहना चाहूंगा कि उस वक्त की सरकार की अपनी कुछ मजबुरियां रहीं होंगी लेकिन आपके पास तो कोई मजबूरी नहीं है। इस सरकार में तो 57 सदस्य हैं इसलिए कुछ कर के दिखाइये, सदन के जो सदस्य हैं यह सरकार उनके लिए कुछ करके दिखाये, इस प्रदेश की जनता के लिए कुछ करके दिखाएं, लोगों के लिए कुछ करके दिखाएं तो लोग आपका मान-सम्मान करेंगे।

मुख्य मन्त्री (श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) : अध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय साथी श्री इन्दौरा साहब ने कई बार पार्लियामैंट की चर्चा की थी और वहां की बात कही है। इनसे मेरा एक निवेदन है कि पार्लियामैंट में इनका जो बिहेवियर था यदि वह बिहेवियर ये यहां पर भी रखें तो बहुत अच्छा होगा।

डा० सुशील इन्दौरा : सर, मेरा बिहेवियर वैसा ही होगा इस बात की आप चिन्ता न करें लेकिन आप इस बात का आश्वासन दें कि आपने यहां पर एम०एल०एज० को जो फलैट्स दे रखे हैं उनके बिजली पानी के बिल माफ कर देंगे । धन्यवाद।

Mr. Speaker : Question is—

That the Bill be passed.

The motion was carried

अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद

Mr. Speaker : Hon'ble Members, I am very thankful to all sections of the House for extending me the full cooperation in discharging my duties.

Hon'ble Members, now the House stands adjourned sine-die.

*17.28 hrs. (The Sabha then *adjourned sine die.)

40710-H.V.S.-H.G.P., Chd.